door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 09 | अंक : 231 | गुवाहाटी | शुक्रवार, 17 मार्च, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

मैट्रिक के पेपर लीक को हिमंत ने माना अपनी नाकामी... पेज 3
भरोसा रखें पंजाबवासी, सभी गारंटियां समय पर होंगी पूरी : भगवंत मान पेज 4
अगवानपुर चीनी मिल के गन्ना भुगतान में देरी पर डीएम ने लगाई फटकार... पेज 5
बजट सत्र : प्रदेश में प्रशासन शहरों के संग अभियान में साढ़े सात लाख से ... पेज 8

असम विस में 935.23 करोड़ रुपए के घाटे का बजट पेश

गुवाहाटी (हि.स.)। असम की 15वीं विधानसभा में गुरुवार को मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व वाली सरकार का तीसरा पूर्ण बजट विधानसभा में पेश किया गया। राज्य की पहली महिला वित्त मंत्री बनीं अजंता नेउग ने वर्ष 2023-24 के लिए 935.23 करोड़ रुपए के घाटे का बजट सदन में पेश किया। वित्त मंत्री नेउग ने इस बजट में शिक्षा, चिकित्सा, कृषि, उद्योग, अल्पसंख्यक कल्याण, पर्यटन विकास, कौशल विकास, आबकारी सुधार, कर सुधार, असम दर्शन को बढ़ावा, गुजरात में खेला महाकुंभ की तरह खेल महारण की योजना, सांस्कृतिक प्रतिभाओं की पहचान के लिए सांस्कृतिक महासंग्राम की पहल, चाय पत्ती उत्पादन सब्सिडी में वृद्धि,

कृषि आयकर पर कर में छूट, सरकारी कर्मचारियों के लिए अपना घर-अपना वाहन का प्रस्ताव, ग्रीन एनर्जी पर बिजली शुल्क में छूट, राजस्व विभाग की सुधार व्यवस्था सहित विभिन्न विकास योजनाएं प्रस्तावित की गई हैं। असम की महिला वित्त मंत्री नेउग ने विधानसभा में पेश किए गये 2023-24 के बजट के अनुसार अगले वित्त वर्ष में कुल आय 3,21,742.71 करोड़ रुपए होगी। इनमें से विभिन्न स्रोतों से राजस्व मद में 1,14,084.69 करोड़ रुपए और पूंजीगत मद से 25,359.19 करोड़ रुपए इस प्रकार समेकित निधि में कुल प्राप्तियां 1,39,443.88 करोड़ रुपए होंगी। इसी तरह विभिन्न स्रोतों से समेकित निधि में सार्वजनिक खाते के अंतर्गत 1,80,298.83 करोड़ रुपए और पूंजीगत कोष के तहत 2,000 करोड़ रुपए की वृद्धि के बाद वर्ष के लिए कुल प्राप्तियां 3,21,742.71 करोड़ रुपए होगी। वित्त वर्ष 2023-24 में कुल 3,21,081.75 करोड़ रुपए के व्यय का अनुमान है। इसमें से 1,11,336.59 करोड़ रुपए राजस्व खंड में और पूंजी खंड में 28,418.68 करोड़ रुपए के साथ कुल समेकित निधि से 1,39,755.27 करोड़ रुपए के खर्च का अनुमान लगाया गया है। इसके साथ ही सार्वजनिक कार्यों पर 1,79,326.48 करोड़ रुपए का खर्च और सब्सिडी फंड के तहत 2000 करोड़ रुपए के साथ वर्ष का कुल 3,21,081.75 करोड़ रुपए व्यय होंगे। इस प्रकार वर्ष की समाप्ति -शेष पृष्ठ दो पर

दो लाख उद्यमी बनाने का फंड 40 हजार नई नौकरियां

गुवाहाटी। असम सरकार ने गुरुवार को वित्त वर्ष 2023-24 के लिए 935.23 करोड़ रुपए का घाटे का बजट पेश किया। इसमें विभिन्न विभागों में सूक्ष्म उद्यमिता और नई भर्तियों को बढ़ावा देने के लिए फंड की घोषणा की गई है। विधानसभा में बजट पेश करते हुए वित्त मंत्री अजंता नेउग ने कहा कि सरकार 2 लाख से अधिक बेरोजगार युवाओं को नौकरी देने वाले उद्यमियों में बदलने के लिए 5,000 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। पब्लिक अकाउंट में एक लाख 80 हजार 298.83 करोड़ रुपए और आकस्मिकता निधि के तहत 2,000 करोड़ रुपए की प्राप्तियों को जोड़ने के बाद, कुल प्राप्तियां 3 लाख 21 हजार 742.71 करोड़ रुपए होती हैं। उन्होंने अपने बजट भाषण में कहा कि सार्वजनिक खाते के तहत 1 लाख 79 हजार 326.48 करोड़ रुपए और आकस्मिकता निधि के तहत 2,000 करोड़ रुपए के व्यय को ध्यान में रखते हुए वर्ष के लिए कुल व्यय 3 लाख 21 हजार 081.75 करोड़ रुपए अनुमानित है। नेउग ने कहा कि इस प्रकार वर्ष के दौरान अनुमानित लेन-देन के परिणामस्वरूप 660.96 करोड़ रुपए का अनुमानित अधिशेष यानी सरप्लस होगा। उन्होंने कहा कि यह एक हजार 596.19 करोड़ रुपए के शुरुआती घाटे के साथ मिलकर वर्ष 2023-24 के अंत में बजट घाटा 935.23 करोड़ रुपए हो जाएगा। नेउग ने कहा कि साल 2021-22 में जीएसडीपी के 3.93 लाख करोड़ रुपए से अगले वित्त वर्ष के दौरान बढ़कर 5.5 लाख करोड़ रुपए होने का अनुमान है। वित्त मंत्री ने अक्षय ऊर्जा उत्पादन पर बिजली शुल्क में छूट का प्रस्ताव रखा। इसके अलावा अगले तीन सालों के लिए कृषि आय कर पर -शेष पृष्ठ दो पर

आठ कॉलेज होंगे विवि

गुवाहाटी (हि.स.)। असम की वित्त मंत्री अजंता नेउग ने आज (गुरुवार) विधानसभा में वित्त वर्ष 2023-24 का बजट पेश करते हुए 500 उच्च माध्यमिक विद्यालयों को एक-एक करोड़ रुपए देने का प्रस्ताव किया है। 100 स्कूलों को मॉडल स्कूल बनाने का लक्ष्य है। बजट में इसके लिए 2500 करोड़ रुपए निर्धारित किए गए हैं। चाय बागान इलाकों में 100 और नए उच्च माध्यमिक विद्यालयों की स्थापना का काम इस वर्ष शुरू किया जाएगा। दूसरी ओर शिवसागर कॉलेज, कोकराझार सरकारी कॉलेज, बंगाईगांव कॉलेज, जोरहाट के जगन्नाथ बरुवा कॉलेज, उत्तर लखीमपुर कॉलेज, हैंडिक गर्ल्स कॉलेज, नगांव कॉलेज और सिलचर के गुरुचरण कॉलेज को विश्वविद्यालय स्तर पर अपग्रेड करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस बीच, बजट में गहपुर में कनकलता स्टेट यूनिवर्सिटी नाम से एक नया विश्वविद्यालय स्थापित करने -शेष पृष्ठ दो पर

बाल विवाह उन्मूलन के लिए दो सौ करोड़ रुपए आवंटित

गुवाहाटी। असम सरकार ने गुरुवार को 200 करोड़ रुपए के बजट आवंटन के साथ राज्य में *बाल विवाह रोकथाम मिशन* शुरू करने की घोषणा की। मीडिया से बात करते हुए, मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि हमने बाल विवाह के खिलाफ एक मिशन के लिए 200 करोड़ रुपए आवंटित किए हैं। हमने दोहराया है कि जो भी बाल विवाह के लिए जाएगा उस पर यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम, 2012 लगाया जाएगा और उन पर बाल विवाह निषेध का प्रावधान भी लगाया जाएगा। राज्य में हर छह महीने में कम से कम 3000-4000 गिरफ्तारियां होंगी। इसके अलावा हम पीड़ितों के पुनर्वास के लिए एक मिशन शुरू करने जा रहे हैं। शर्मा ने कहा हम 24 -शेष पृष्ठ दो पर

अरुणोदय योजना में राशि बढ़ी

गुवाहाटी (हि.स.)। वित्त मंत्री अजंता नेउग ने आज (गुरुवार) विधानसभा में वित्त वर्ष 2023-24 का बजट पेश करते हुए बजट में 18वें मुक्तार विकास माला योजना के तहत मुख्यमंत्री के स्वरोजगार अभियान का जिक्र किया। बजट में युवाओं को सरकारी क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध कराने के अलावा निजी क्षेत्र में भी गरीबी रेखा से नीचे और कम आय वाले परिवारों के युवाओं के बीच स्वरोजगार के अवसर पैदा करने के लिए छोटे उद्यमियों के विकास के लिए एक योजना लागू करने का प्रस्ताव है। बजट में अगले तीन वर्षों में छोटे उद्यम स्थापित करने के लिए किस्तों में एक लाख युवाओं को दो लाख रुपए का एकमुश्त फंड प्रदान करने का प्रस्ताव है। इसके अलावा एक लाख अन्य युवाओं को एमएसएमई और अन्य क्षेत्रों से संबंधित परियोजनाओं के लिए सब्सिडी प्रदान की जाएगी। दो लाख बेरोजगारों की खातिर रोजगार पैदा -शेष पृष्ठ दो पर

हेलीकॉप्टर दुर्घटना में दोनों पायलटों ने गवाई जान

नई दिल्ली (हि.स.)। अरुणाचल प्रदेश में चीन बॉर्डर के पास गुरुवार को इंडियन आर्मी का चीता हेलिकॉप्टर क्रैश हो गया। हादसे में दोनों पायलट्स की मौत हो गई। सर्च ऑपरेशन के दौरान चीन बॉर्डर के पास मलबा के साथ पायलटों के शव भी मिल गए हैं। गुवाहाटी के रक्षा प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल महेंद्र रावत ने बताया कि आज सुबह करीब 09:15 बजे अरुणाचल प्रदेश के बोमडिला के पास ऑपरेशनल उड़ान भरने वाले आर्मी एविएशन के चीता हेलीकॉप्टर का एटीसी से संपर्क टूट गया। इसके बाद बोमडिला के पश्चिम में मंडला के पास हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने की सूचना मिली। हेलीकॉप्टर

से एक लेफ्टिनेंट और एक मेजर असम के शोणितपुर जिले के मिसामारी की ओर जा रहे थे। अरुणाचल पुलिस के मुताबिक ग्रामीणों ने दुर्घटनाग्रस्त हेलीकॉप्टर को दिरांग में देखा और जिले के अधिकारियों को जानकारी दी। ग्रामीणों ने दोपहर करीब 12.30 बजे हेलीकॉप्टर का पता लगाया, जिसमें आग लगी हुई थी। दुर्घटनाग्रस्त हुए हेलीकॉप्टर के पायलटों की तलाश के लिए सर्च ऑपरेशन शुरू करके घटनास्थल की ओर कई उड़ानें भरी गईं। इसी दौरान चीन बॉर्डर के पास मलबा के साथ पायलटों के शव भी मिल गए, जिन्हें अस्पताल भेजा गया है। फिलहाल अधिकारी मामले की जांच में जुट गए हैं। इससे पहले पिछले साल 05 अक्तूबर को अरुणाचल प्रदेश -शेष पृष्ठ दो पर

त्रिपुरा : स्कूल के पास विस्फोट में छात्र घायल

अगरतला। त्रिपुरा के सिपाहीजाला जिले के कालसिमुरा गांव में बुधवार को एक स्कूल की इमारत के पास देसी बम फटने से 15 वर्षीय एक छात्र घायल हो गया। पुलिस अधीक्षक बीजे रेड्डी ने कहा कि यह घटना तब हुई जब कलसिमुरा स्कूल के छात्र स्कूल की इमारत के पास एक खुली जगह में खेल रहे थे। एसपी ने कहा कि नौवीं कक्षा के छात्र तैफुल इस्लाम ने खुले मैदान में शौच के दौरान एक लावारिस पैकेट देखा और उसे खोलने की कोशिश की, -शेष पृष्ठ दो पर

अमेरिका और रूस में जबरदस्त तनाव

वॉशिंगटन। दो दिन पहले रूस-यूक्रेन बॉर्डर के करीब रूस के सुखोई फाइटर जेट ने अमेरिका के एडवांस्ड रीपर ड्रोन पर हमला किया था। रूस के दो एसयू-27 ने इस रीपर को घेरकर उस पर फ्यूल गिराया था। ये फ्यूल रीपर के प्रोपेलर में पहुंचा और ड्रोन कुछ देर बाद ब्लैक सी में क्रैश हो गया। घटना के बाद अमेरिका और रूस में जबरदस्त तनाव है। दोनों ही देश इसका मलबा तलाश रहे हैं। अब अमेरिकी एयरफोर्स ने इस घटना का वीडियो जारी किया है। वीडियो में एक ही एसयू-27 नजर आता है। इस वीडियो को रीपर पर लगे हाईटेक सर्विलांस कैमरों ने ही शूट किया और इसे रियल टाइम मॉनिटरिंग के तहत पेंटागन के लैब ऑफ इन्फॉर्मेटिक्स में भेज दिया। मंगलवार को ब्लैक सी (काला सागर) के ऊपर अमेरिकी ड्रोन एमक्यू-

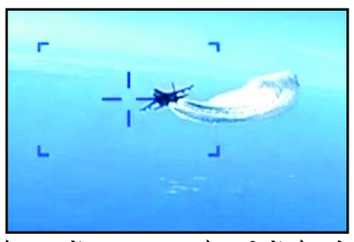

9 रीपर सर्विलांस कर रहा था। यह इंटरनेशनल एयरयूएसपेस है। अमेरिका ने कहा कि दो रशियन एसयू-27 फाइटर जेट्स ने अमेरिकी ड्रोन को 40 मिनट तक घेरा और फिर ऊपर से फ्यूल गिराया। इससे ड्रोन के प्रोपेलर को नुकसान पहुंचा। इसके बाद ड्रोन ब्लैक सी में क्रैश हो गया, क्योंकि फ्यूल जाने से इसके इंजन ने काम करना बंद कर दिया था। इस घटना के बाद दोनों देशों के बीच टकराव बढ़ गया। यूएस एयरफोर्स के जनरल जेम्स हैकर ने रूस की हरकत को बेहद गैरजिम्मेदार और भड़काऊ बताया। उधर, रूस ने अमेरिका के आरोपों से इनकार किया। उसने कहा कि यह महज एक हादसा है। हम मलबा तलाशने में अमेरिका की मदद करेंगे। इसके लिए हमारे पास अमेरिका -शेष पृष्ठ दो पर

महिलाओं के शारीरिक शोषण को लेकर राहुल को पुलिसिया नोटिस

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने राहुल गांधी को एक नोटिस दिया है, जिसमें राहुल गांधी से पूछा गया है कि उन पीड़िताओं की डिटेल्स शेयर करें, जिन्होंने उनसे शारीरिक शोषण की शिकायत की थी। दरअसल श्रीनगर में राहुल ने एक बयान दिया था कि भारत जोड़ो यात्रा के दौरान

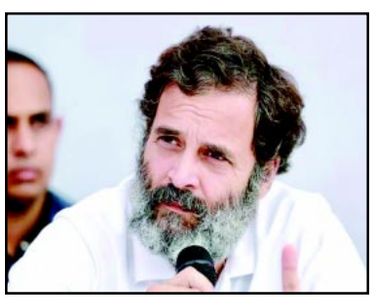

मैंने सुना कि महिलाओं को सेक्सुअली हरेस, शारीरिक शोषण किया जा रहा है। ऐसे में अब दिल्ली पुलिस ने राहुल गांधी से पूछा है कि उन पीड़िताओं की जानकारी दें, ताकि उन्हें सुरक्षा दी जा सके। दिल्ली पुलिस ने इस बारे में जानकारी देते हुए कहा है कि दिल्ली पुलिस ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को उन पीड़ितों के बारे में विवरण देने के लिए नोटिस जारी -शेष पृष्ठ दो पर

वीजा डॉक्यूमेंट्स को लेकर कनाडा से 700 भारतीय छात्र भेजे जाएंगे देश

टोरंटो। कनाडा की जस्टिन ट्रूडो सरकार ने भारत के 700 स्टूडेंट्स को उनके देश भेजने का फैसला किया था। कैनेडियन बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स एजेंसी (सीबीएसए) ने इन सभी छात्रों के खिलाफ डिपोर्टेशन नोटिस जारी कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक- ये सभी स्टूडेंट्स 2018 या उसके बाद स्टडी प्रोग्राम के तहत कनाडा पहुंचे थे। इन छात्रों ने एडमिशन के वक्त जो ऑफर लेटर सबमिट किए थे, उन्हें जांच में जाली पाया गया। रिपोर्ट्स के मुताबिक- इस मामले की जांच कुछ वक्त से चल रही थी। कुछ स्टूडेंट्स ने तो 2 साल का -शेष पृष्ठ दो पर

महबूबा शिव मंदिर में, उलेमा ने कहा- इस्लाम के खिलाफ

सहारनपुर। जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री व पीडीपी चीफ महबूबा मुफ्ती के पुंछ के नवग्रह मंदिर पहुंच कर शिवलिंग पर जल चढ़ाने को उलमा ने सरासर गलत बताया

है। साथ ही उन्होंने इस पर नाराजगी जताते हुए किसी दूसरे धर्म की परंपराओं पर अमल करने को इस्लाम के खिलाफ करार दिया। मदरसा जामिया शेखुल हिंद के मोहतमिम मौलाना मुफ्ती असद कासमी ने कहा कि मुसलमान को अपने मजहब के ऊपर ही अमल करना चाहिए। दूसरे के मजहब की परंपराओं को अपनाने की शरीयत में कोई इजाजत नहीं है। मुसलमान हैं तो मुसलमानों वाले काम करें। गैर मुस्लिमों वाला कोई काम न करें। मुफ्ती असद ने कहा कि यह कोई फतवा नहीं है। बल्कि यह मेरी जाति राय -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

राज्य में एच2एन3 का पहला मामला आया सामने, स्वास्थ्य विभाग अलर्ट पर

गुवाहाटी। असम में एच3एन2 इन्फ्लुएंजा का पहला मामला सामने आया है और स्वास्थ्य विभाग स्थिति पर कड़ी नजर रख रहा है। एक आधिकारिक बुलेटिन में यह जानकारी दी गई है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, असम द्वारा बुधवार रात जारी बुलेटिन के अनुसार, एच3एन2 इन्फ्लुएंजा के एक मामले की पुष्टि हुई है। इसमें कहा गया है कि स्वास्थ्य विभाग वास्तविक समय के आधार पर एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम (आईडीएसपी) नेटवर्क के माध्यम से असम में मौसमी इन्फ्लूएंजा की उभरती स्थिति पर कड़ी नजर रख रहा है। आईडीएसपी नेटवर्क के तहत जिला निगरानी अधिकारी केंद्र और भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद द्वारा तैयार दिशा-निर्देशों के अनुरूप असम में इस सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती से निपटने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। एनएचएम ने कहा कि विश्व स्तर पर, इन्फ्लूएंजा के मामलों में आमतौर पर वर्ष के कुछ महीनों के दौरान वृद्धि देखी जाती है। भारत में आमतौर पर मौसमी इन्फ्लूएंजा के दो शिखर देखे जाते हैं: एक जनवरी से मार्च तक और दूसरा मानसून के बाद के मौसम में। बुलेटिन में कहा गया है कि मौसमी इन्फ्लूएंजा से उत्पन्न होने वाले मामलों में मार्च के अंत से कमी आने की उम्मीद है। एनएचएम ने कहा कि बीमारी

का संचरण ज्यादातर एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में खांसी और छींक से उत्पन्न बड़ी बूंदों के माध्यम से होता है। संचरण के अन्य तरीके दूषित वस्तु या सतह को छूकर अप्रत्यक्ष संपर्क और हैंडशेकिंग सहित निकट संपर्क हैं। बुलेटिन में कहा गया है कि ज्यादातर मामलों में, खांसी और सर्दी, शरीर में दर्द और बुखार आदि के लक्षणों के साथ रोग स्वयं सीमित होता है और आमतौर पर एक सप्ताह के भीतर ठीक हो जाता है। हालांकि, संभावित उच्च जोखिम वाले समूहों जैसे शिशुओं, छोटे बच्चों, गर्भवती महिलाओं, 65 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्गों और सह-रुग्णता वाले लोगों को अधिक रोगसूचक बीमारी का अनुभव हो सकता है, जिसमें अस्पताल में भर्ती होने की भी आवश्यकता होती है। स्वास्थ्य विभाग लोगों द्वारा हाथ की स्वच्छता और श्वसन शिष्टाचार का अभ्यास करने के लिए जागरूकता पैदा करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।

दो साल में सरकार ने विज्ञापन पर खर्च किए 131 करोड़ : पीयूष

नई दिल्ली। असम सरकार ने पिछले दो सालों में विज्ञापन पर 130.59 करोड़ रुपए खर्च किए हैं। इस मामले में मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने पूर्व मुख्यमंत्री सर्वानंद सोनोवाल को काफी पीछे छोड़ दिया है। सोनेवाल के पांच साल के कार्यकाल में 125.6 करोड़ रुपए खर्च किए थे। असम विधानसभा में पूछे गए एक सवाल का जवाब देते हुए सूचना और जनसंपर्क मंत्री पीयूष हजारिका ने बताया कि साल 2021-22 और 2022-23 के लिए राज्य सरकार ने कुल 132 करोड़ रुपए विज्ञापन के लिए जारी किए थे। जिसमें पिछले दो वित्तीय वर्ष के दौरान कुल 130.59 करोड़ रुपए खर्च हुए हैं। उन्होंने आगे बताया कि पूर्व मुख्यमंत्री सर्वानंद सोनोवाल के पांच साल के कार्यकाल में सरकार ने 132.3 करोड़ रुपए विज्ञापन के लिए जारी किए थे। इसमें से 125.6 करोड़ रुपए खर्च किए गए। अब सोनोवाल केंद्र सरकार में मंत्री हैं। हजारिका ने बताया कि 2016 में पहली बार भाजपा की सरकार आने के बाद से अब तक विज्ञापन पर कुल 256.19 करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं।

किसानों की समस्याओं का एकमेव समाधान देशी गाय

गुवाहाटी (हि.स.)। भारतीय गो रक्षण संवर्धन परिषद के केंद्रीय मंत्री एवं गो विज्ञान अनुसंधान केंद्र देवलापार, नागपुर के प्रमुख सुनील बालकिशन मानसिंह दो दिवसीय कार्यक्रमों के तहत गुवाहाटी पहुंचे थे। इसकी जानकारी विहिप केंद्रीय मंत्री, गोरक्षा उमेश पोरवाल ने गुरुवार को दी। उन्होंने बताया कि गुवाहाटी के दो दिवसीय प्रवास के दौरान मानसिंह ने आईआईटी गुवाहाटी, आयुर्वेद महाविद्यालय गुवाहाटी एवं विश्व हिंदू परिषद कार्यालय, विवेकानंद हेल्थ ग्लोबल सेंटर, सांगानेरिया धर्मशाला में आयोजित विभिन्न परिचर्चाओं के दौरान पंचगव्य आयुर्वेद चिकित्सा, गोवंश आधारित जैविक कृषि, गो उत्पादों के बारे में, स्वस्थ भारत, आत्मनिर्भर भारत, स्वाबलंबी गोपालक, समृद्धशाली किसानों के सामने समस्याएं एवं उनके समाधान पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि सभी समस्याओं का समाधान एक हमारी प्रिय गौ माता है। इस सूत्र को लेकर भारतीय गोवंश रक्षण संवर्धन परिषद पूर्वोत्तर के द्वारा संगोष्ठी भी आयोजित हुई। संगोष्ठियों में सुनील मानसिंहका, प्रो. उदय नारायण दीक्षित (आईआईटी गुवाहाटी), वैद्य ममता अमित मिश्रा, उमेश पोरवाल, अध्यक्ष विनोद क्याल, मंत्री मनोज केडिया, कोषाध्यक्ष अजीत जाना, विहिप प्रांत अध्यक्ष परमेश दत्त (पूर्व आईएएस), सुरेंद्र गोयल, नटवरलाल अग्रवाल, आईआईटी प्रो. हनुमंत, प्रो. पांडे, आयुर्वेद महाविद्यालय प्राचार्य ज्योति बैस, पूर्व प्राचार्य विष्णु प्रसाद शर्मा, राजेंद्र गुप्ता, कृष्ण कुमार गोयनका आदि ने हिस्सा लिया। वहीं आईआईटी गुवाहाटी में आयोजित संगोष्ठी में भारतीय गोवंश रक्षण संवर्धन परिषद पूर्वोत्तर के द्वारा आयोजित पंचगव्य, आयुर्वेद चिकित्सा, गोवंश आधारित कृषि एवं देशी गाय के गोबर, गोमूत्र से निर्मित गो उत्पादों के बारे में मानसिंहका एवं वैद्य ममता अमित मिश्रा ने व्याख्यान के माध्यम से अवगत कराया। इस अवसर पर प्रो. हनुमंत सिंह शेखावत, प्रो. पांडे, उमेश पोरवाल, विहिप उत्तर पूर्व प्रांत अध्यक्ष परमेश दत्त, कृष्ण कुमार गोयनका, विनोद क्याल मनोज केडिया, अजीत जाना, डॉ. विष्णु प्रसाद शर्मा, नटवरलाल अग्रवाल, गौरव मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

मोदी और हसीना 18 को मैत्री पाइपलाइन का करेंगे उद्घाटन

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना 18 मार्च को वीडियो-कॉन्फ्रेंस के माध्यम से भारत-बांग्लादेश मैत्री पाइपलाइन का उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय ने गुरुवार को एक बयान जारी कर इस बाबत जानकारी दी। इसमें कहा गया है कि यह भारत और बांग्लादेश के बीच 377 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से बनी पहली सीमा पार ऊर्जा पाइपलाइन है, जिसमें लगभग 285 करोड़ रुपए की लागत से बनी पाइपलाइन का बांग्लादेश हिस्सा भारत सरकार द्वारा अनुदान सहायता के तहत वहन किया गया है। पाइपलाइन में हाई-स्पीड डीजल (एचएसडी) के एक मिलियन मीट्रिक टन प्रति वर्ष (एमएमटीपीए) के परिवहन की क्षमता है। यह शुरुआत में उत्तरी बांग्लादेश के सात जिलों में हाई स्पीड डीजल की आपूर्ति करेगा। भारत-बांग्लादेश मैत्री पाइपलाइन के संचालन से भारत से बांग्लादेश तक एचएसडी परिवहन का एक स्थायी, विश्वसनीय, लागत प्रभावी और पर्यावरण के अनुकूल साधन स्थापित होगा और दोनों देश ऊर्जा सुरक्षा में सहयोग को और बढ़ेंगे।

कोरोना : केंद्र ने छह राज्यों को लिखी चिट्ठी

नई दिल्ली। देश में एक बार फिर से कोरोना के मामलों में इजाफा हो रहा है। भारत में करीब चार महीने बाद 700 से नए मामले सामने आए हैं। पिछले 24 घंटे में देश में कोरोना के 754 नए मामले सामने आए हैं। इससे चिंतित केंद्र सरकार के स्वास्थ्य सचिव ने छह राज्यों को चिट्ठी लिखी। चिट्ठी में कहा गया है कि पिछले कुछ महीने में कोविड के केस में कमी आई थी लेकिन पिछले एक हफ्ते से केस में अचानक बढोत्तरी देखने को मिल रही है। ऐसे में राज्य सरकारें कोरोना के बढ़ते मामलों को कंट्रोल करने पर ध्यान दें। दरअसल, केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने जिन छह राज्यों को चिट्ठी लिखी है, उनमें महाराष्ट्र, गुजरात, तेलंगाना, तमिलनाडु, केरल और कर्नाटक शामिल हैं। स्वास्थ्य सचिव ने चिट्ठी में कहा कि 15 मार्च तक आते आते केस में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। राज्य सरकारें टेस्ट, ट्रीट, ट्रैक, वैक्सीनेशन पर जोर दें। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव ने इन राज्यों के मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव को चिट्ठी लिखकर जरूरी सावधानी और एहतियात बरतने की सलाह दी है। इसके साथ ही केस को कंट्रोल करने की अपील भी की है। स्वास्थ्य मंत्रालय के गाइडलाइन के मुताबिक, कोरोना टेस्ट कराने, कोरोना के मामले को लगातार मॉनिटर करने, नए फ्लू, वायरस या इनफ्लुएंजा की मॉनिटरिंग, जिनोमिक सीक्वेंसिंग और कोविड एप्रोप्रियेट विहैवियर और कोरोना प्रोटोकॉल का पालन करने का निर्देश दिया गया है। बता दें कि 754 नए मामले आने के बाद देश में कोरोना संक्रमितों की संख्या बढ़कर 4,46,92,710 हो गई है। वहीं, सक्रिय मरीजों की संख्या बढ़कर 4,623 हो गई है। देश में पिछले साल 12 नवंबर को संक्रमण के 734 दैनिक मामले सामने आए थे। कर्नाटक में संक्रमण से एक मरीज की मौत के बाद देश में मृतक संख्या बढ़कर 5,30,790 हो गई है। आंकड़ों के मुताबिक, भारत में अभी तक कुल 4,41,57,297 लोग कोरोना से ठीक हो चुके हैं, जबकि कोरोना से मृत्यु दर 1.19 प्रतिशत है। मरीजों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर 98.80 प्रतिशत है। स्वास्थ्य मंत्रालय की वेबसाइट के मुताबिक, देश में राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत अभी तक कोविड-19 रोधी टीकों की 220.64 करोड़ खुराक लगाई जा चुकी हैं।

असम टूरिज्म के सहयोग से सनराइज स्पाइसेस ने किया वंडर असम लांच

गुवाहाटी (निसं)। असम में सबसे तेजी से बढ़ते मसालों के ब्रांडों में से एक आईटीसी लिमिटेड के सनराइज प्योर ने असम पर्यटन विकास निगम (एटीडीसी) के साथ अपनी तरह के एक ट्रैवल व्लॉग के लिए सहयोग किया है, जो राज्य के सांस्कृतिक रूप से समृद्ध जिलों के इतिहास और पारंपरिक व्यंजनों को सरप्राइज की यूट्यूब चैनल पर दर्शआएगा। वंडर आसाम नामक इस व्लॉग का विधिवत लांच बृहस्पतिवार को पलटन बाजार स्थित पर्यटक भवन में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान किया गया। इस मौके पर एटीडीसी के उपाध्यक्ष दिलीप डेका, कंसलटेंट पर्थ प्रतिम दास, वरिष्ठ प्रबंधक निरेन चंद्र डेका, रेड एफएम ईस्ट के क्लस्टर हेड मनोज शोम, अभिनेत्री अमृता गोगोई, रेड एफएम आरजे पाही सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे। एपिसोड्स के माध्यम से प्रसिद्ध और लोकप्रिय असमिया अभिनेत्री अमृता गोगोई दर्शकों को राज्य के पारंपरिक व्यंजनो से परिचित कराने के लिए राज्य भर में यात्रा करेंगी। पर्यटकों को असम के पारंपरिक व्यंजन, संस्कृति और अनूठी परंपराओं का अनुभव करने और छुट्टी मनाने वालों को आकर्षित करने के उद्देश्य से, वंडर असम अभियान व्लोग तैयार किया गया है। इसमें नदी द्वीप, वन्यजीव, अभयारण्य और चाय बागान शामिल हैं। इस अनूठी पहल के एक हिस्से के रूप में अभिनेत्री गोगोई अपने गृह राज्य असम को वीडियो के माध्यम से जीवंत करेंगी, क्योंकि वह इतिहास और सांस्कृतिक बारीकियों पर केंद्रित नौ क्षेत्रों की सुंदरता और विशेष आकर्षणों को प्रदर्शित करेंगी। विशेष रुप से प्रदर्शित आकर्षणों में डिब्रू सैखोवा राष्ट्रीय उद्यान, दुनिया का सबसे बड़ा नदी द्वीप माजुली, शिवसागर-प्रतिष्ठित शिव दोल और शिवसागर झील, पोबितोरा वन्यजीव अभयारण्य, चानडुबी झील, नामेरी राष्ट्रीय उद्यान और प्रसिद्ध डिब्रूगढ़ चाय उद्यान शामिल हैं। इस व्लॉग का पहला एपिसोड 18 मार्च को प्रसारित किया जाएगा, जिसके बाद के एपिसोड प्रत्येक शनिवार को प्रसारित किया जाएगा। इसे सनराइज प्योर के यूट्यूब चैनल पर प्रसारित किया जाएगा। इस पहल के संदर्भ में एटीडीसी के उपाध्यक्ष दिलीप डेका ने कहा कि हम आईटीसी सनराइज स्पाइसेस के वंडर असम अभियान से जुड़ कर काफी आनंदित हैं। इनके सहयोग ने असम की गहरी जड़ें वाली संस्कृति और परंपराओं को प्रदर्शित करने का अवसर लाया है, जो असम के छिपे हुए र प्रतिशतहैं। सनराइज रसोई की परंपराओं का एक अभिन्न अंग रहा है और हम असम की प्राकृतिक खूबसूरती के बारे में बात करने के लिए इससे बेहतर साथी के बारे में सोच भी नहीं सकते। इस साझेदारी के साथ, हम राज्य के अनूठे और अनदेखे आकर्षणों पर प्रकाश डालने की उम्मीद करते हैं। इस पहल के बारे में आईटीसी लिमिटेड सनराइज के बिजनेस हेड पीयूष मिश्रा ने कहा कि सनराइज कई वर्षों से असम का एक गौरवपूर्ण हिस्सा रहा है, जो सनराइज शाही गरम, सनराइज मस्टर्ड पाउडर, सनराइज हाह सल्कुमुरा और लोगों की संस्कृति जैसे मार्के उत्पादों के साथ विविध खाद्य संस्कृति में गहराई से जुड़ा हुआ है।

पृष्ठ एक का शेष

असम विस में ...

पर अनुमानित 660.96 करोड़ रुपए की बचत होगी, लेकिन यदि वर्ष की शुरुआती घाटा 1596.19 करोड़ रुपए के साथ बजट घाटा 2023-24 के अंत तक 935.23 करोड़ रुपए तक पहुंच जाएगा।

दो लाख उद्यमी बनाने ...

कर अवकाश के विस्तार का प्रस्ताव दिया। नेउग ने कहा कि 10 मई को हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व वाली सरकार के दो साल पूरे होने जा रहे हैं। उसी तारीख तक विभिन्न विभागों में 40,000 युवाओं की भर्ती की जाएगी। यह एक लाख सरकारी नौकरी देने के भाजपा के चुनावी वादे को पूरा करने की दिशा में एक कदम है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने पहले ही विभिन्न विभागों में लगभग 42,000 युवाओं को रोजगार दिया है। शेष 18,000 भर्तियों की प्रक्रिया विभिन्न चरणों में हैं और यह भी बहुत जल्द पूरी हो जाएगी। सूक्ष्म-उद्यमियों को बढ़ावा देने के लिए सरकार अगले तीन वर्षों में 5,000 करोड़ रुपए खर्च करेगी। इसके जरिए 2 लाख से अधिक युवाओं को रोजगार सृजकों में *बदला* जा सकेगा। बजट प्रस्तावों में कहा गया है कि वित्तीय वर्ष 2024 के लिए कुल 1,000 करोड़ रुपए आवंटित किए गए थे।

आठ कॉलेज होंगे ...

की भी घोषणा की गई। इसका उद्देश्य उदालगुड़ी में बोडोलैंड विश्वविद्यालय का एक कैंपस स्थापित करना है। इसके अलावा अजंता नेउग ने बजट में यह भी घोषणा की कि चाय बागान की लेबर लाइन में रहने वाले चाय श्रमिकों के परिवार का बकाया बिजली का बिल एकमुश्त राहत के रूप में माफ किया जाएगा। इसके लिए 150 करोड़ रुपए निर्धारित किए गए हैं। चाय बागानों में गर्भवती महिलाओं के लिए मजदूरी मुआवजा 12 हजार रुपए से बढ़ाकर 15 हजार रुपए करने का प्रस्ताव है। मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत चाय बागानों की श्रमिक लाइन में 10 हजार घरों के निर्माण की योजना है। चाय बागानों और आदिवासी समुदायों को अन्य पिछड़े वर्गों के बीच एक अलग उप-श्रेणी के रूप में मान्यता दी जाएगी। सरकारी नौकरियों के मामले में ओबीसी कोटे के भीतर उनके लिए 3 प्रतिशत आरक्षण के प्रावधान पर विचार किया जाएगा।

बाल विवाह उन्मूलन ...

घंटे का कॉल सेंटर भी शुरू करेंगे और बहुत सारे गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) बाल विवाह के खिलाफ सकारात्मक कार्रवाई का समर्थन करेंगे। शर्मा ने कहा कि हमने इस साल के बजट में 200 करोड़ रुपए के परिव्यय के साथ कुछ गिरफ्तारियां शुरू की हैं और इसे 2026 तक और बढ़ाया जाएगा। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि राज्य में एक भी बाल विवाह न हो। मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा, बाल विवाह के खिलाफ हमारी कार्रवाई और हमारा मिशन और अधिक सख्ती से जारी रहेगा। यह सांप्रदायिक नहीं है और हम इस मुद्दे को मानवीय दृष्टिकोण से पूरी तरह से देखना चाहते हैं। जवाब में, असम विधानसभा में विपक्ष के नेता देवव्रत सैकिया ने कहा कि मुख्यमंत्री ने कहा कि बाल विवाह अधिनियम पर सजा पांच प्रतिशत है, लेकिन इसके बावजूद वह कह रहे हैं कि पॉस्को अधिनियम लागू किया जाएगा। असम सरकार ने बाल विवाह के लिए यौन शोषण के मामलों के खिलाफ आईपीसी 376 का इस्तेमाल किया था लेकिन किसी भी पीड़िता ने कभी नहीं कहा कि उनके साथ बलात्कार हुआ है। पॉस्को अधिनियम विभिन्न उद्देश्यों के लिए है और अदालत ने तथ्यों को देखा और लगाया है। शर्मा ने कहा कि सरकार इस मुद्दे को आतंकित करने की कोशिश कर रही है। वहीं ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) के विधायक करीम उद्दीन बरभुइयां ने कहा कि असम सरकार को बाल विवाह के खिलाफ जागरूकता के लिए कदम उठाने चाहिए। ऐसी संस्थाएं स्थापित की जानी चाहिए जहां बाल विवाह अधिक होते हैं और जन्म नियंत्रण कार्यक्रम भी आयोजित किए जाने चाहिए। विश्वविद्यालय बरपेटा, धुबड़ी, हैलाकांदी और करीमगंज में स्थापित किए जाने चाहिए। हम सभी मानते हैं कि बाल विवाह नहीं होना चाहिए लेकिन असम सरकार इस मुद्दे का राजनीतिकरण करने की कोशिश कर रही है। इस समस्या के समाधान पर चर्चा की जानी चाहिए और इसे लागू किया जाना चाहिए। बाल विवाह के खिलाफ असम सरकार द्वारा बड़े पैमाने पर की गई कार्रवाई में अब तक राज्य भर में 3,000 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया है जो कथित तौर पर ऐसी शादियों से जुड़े हुए हैं। जिन लोगों को गिरफ्तार किया गया है उनकी पत्नियों और रिश्तेदारों द्वारा सरकार की कार्रवाई के खिलाफ व्यापक विरोध किया गया है।

अरुणोदय योजना में ...

करने वालों के लिए बजट में 1000 करोड़ रुपए का आवंटन किया गया है। बजट में 25 हजार रुपए तक का कर्ज लेने वाली महिलाओं को मदद का भी आश्वासन दिया गया है। बजट में अरुणोदय योजना के तहत अतिरिक्त 10 लाख नए लोगों को जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है। अरुणोदय योजना के तहत मिलने वाली राशि को 150 रुपए बढ़ाकर 1400 रुपए करने का प्रस्ताव है। इसके लिए 3,420 करोड़ रुपए रखे गए हैं। वित्त मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री आयुष्मान असम योजना में सभी परिवारों को शामिल किया जाएगा। हर परिवार को कैशलेस कार्ड दिया जाएगा। इसके लिए बजट में 135 करोड़ रुपए निर्धारित किए गए हैं। इस बीच, 2023-24 में मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत एक लाख परिवारों को कवर करने का लक्ष्य है और इसके लिए 800 करोड़ रुपए का आवंटन बजट में है।

हेलीकॉप्टर दुर्घटना में ...

के तवांग इलाके के पास भारतीय सेना का चीता हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हुआ था, जिसमें एक पायलट लेफ्टिनेंट कर्नल सौरभ यादव शहीद हो गए थे। यह चीता हेलीकॉप्टर अपनी नियमित ड्यूटी करते हुए जेमीथांग सर्कल के बीटीके क्षेत्र के पास न्यामजंग चू में फायर डिवीजन के बॉल जीओसी को पहुंचाकर सुरवा सांबा क्षेत्र की ओर लौट रहा था। तभी तवांग के निकट यह हेलीकॉप्टर सुबह करीब 10 बजे दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। वायु सेना के पास 17 और भारतीय सेना के पास 37 चीता हेलीकॉप्टर हैं। इसमें 4 पैसेंजर या फिर 1135 किलोग्राम वजन ले जा सकते हैं। 33.7 फीट लंबे हेलीकॉप्टर की ऊंचाई 10.1 फीट है। यह अधिकतम 192 किमी. प्रतिघंटा की गति से 515 किलोमीटर तक एक साथ उड़ान भरता है। इसे अधिकतम 17,715 फीट की ऊंचाई तक ले जाया जा सकता है। दुनिया के सबसे ऊंचे युद्ध क्षेत्र सियाचिन ग्लेशियर के लिए यही हेलीकॉप्टर सबसे ज्यादा मुफीद माना जाता है। सेना के लिए लम्बे समय तक *लाइफलाइन* रहे चीता और चेतक हेलीकॉप्टरों के पुराने बेड़े को बदलने की जरूरत काफी समय से जताई जा रही है। मौजूदा समय में सेना के पास मौजूद चीता हेलीकॉप्टर 30 वर्ष से ज्यादा पुराने हैं। इसीलिए आर्मी एविएशन ने चीता हेलीकॉप्टरों की विदाई करके अपनी युद्धक शक्ति बढ़ाने की तैयारी तेज कर दी है। सेना के हवाई बेड़े में स्वदेशी लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर (एलसीएच) और अमेरिकी अपाचे अटैक हेलीकॉप्टरों को शामिल करने की प्रक्रिया शुरू की गई है, जिसे 2024 तक पूरा किया जाना है।

अमेरिका और रूस ...

और नाटो से ज्यादा बेहतर तकनीक है। ब्लैक सी यूरोप और एशिया के बीच स्थित है। यह उत्तर दिशा में यूक्रेन, उत्तर-पश्चिम में रूस, पूर्व में जॉर्जिया, दक्षिण में तुर्किये और पश्चिम में बुल्गारिया और रोमानिया से घिरा है। रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते ब्लैक सी में पिछले कई महीनों से तनाव बना हुआ है। यहां रूसी और अमेरिकी विमान अक्सर उड़ान भरते रहते हैं, लेकिन यह पहली बार हुआ है जब दोनों विमान आमने-सामने आ गए। अमेरिका ने कहा कि अनआर्म्ड रीपर ड्रोन रूटीन गश्त पर था। यूक्रेन के क्रीमिया से करीब 128 किमी दक्षिण-पश्चिम में दो रूसी एसयू-27 फाइटर जेट्स करीब 40 मिनट तक अमेरिकी रीपर ड्रोन के आसपास उड़ान भर रहे थे। कुछ देर बाद ये फाइटर जेट्स रीपर के ऊपर उड़ान भरने लगे और ड्रोन को नीचे जाने के लिए मजबूर किया। यूक्रेन जंग शुरू होने के बाद पहली बार अमेरिका और रूस में सीधा टकराव हुआ है। गिरे हुए ड्रोन को बरामद नहीं किया जा सका है। हम उसे खोज रहे हैं, ताकि वह गलत हाथों में न लगे। रूस ने अमेरिका के आरोपों को गलत ठहराया है। रूस का कहना है कि अमेरिकी ड्रोन ने करतब दिखाते हुए टर्न लिया, जिससे वह क्रैश हो गया। वह रूसी एयरक्राफ्ट्स से संपर्क में भी नहीं आया। रूसी रक्षा मंत्रालय ने यह भी कहा कि एमक्यू-9 रीपर ड्रोन ने उड़ान के दौरान अपने ट्रांसपोन्डर्स बंद कर दिए थे, ताकि उसे कोई ट्रैक न कर सके। उधर, अमेरिका ने रूसी राजदूत अनातोली एंटोनोव को तलब किया। अमेरिका के विदेश मंत्रालय पहुंचकर रूसी राजदूत ने कहा कि अमेरिकी विमानों का रूसी सीमा के पास होने से कोई लेना-देना नहीं है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि रूस अमेरिका से टकराव नहीं चाहता है।

महिलाओं के शारीरिक ...

किया है, जिन्होंने उन्हें सुरक्षा प्रदान करने के लिए यौन उत्पीड़न के संबंध में उनसे संपर्क किया था। पुलिस ने सोशल मीडिया पोस्ट का संज्ञान लिया और सवालों की एक लिस्ट भेजी। उन्होंने श्रीनगर में एक बयान देते हुए कहा था कि एक मामले में मैंने एक लड़की से पूछा, उसके साथ बलात्कार हुआ था, मैंने उससे पूछा कि क्या हमें पुलिस बुलाएं, उसने कहा कि पुलिस को मत बुलाओ, मेरी बदनामी होगी। जानकारी के मुताबिक इस नोटिस को दिल्ली पुलिस ने राहुल गांधी के घर जाकर दिया। इसे राहुल गांधी ने खुद रिसीव किया। बता दें, इससे पहले राहुल गांधी ने लंदन में दिए अपने एक बयान को लेकर संसद में जारी गतिरोध पर गुरुवार को कहा कि देश में अगर लोकतंत्र बरकरार है तो उन्हें संसद में अपनी बात रखने का मौका मिलना चाहिए क्योंकि उनके खिलाफ सरकार के चार मंत्रियों ने सदन के भीतर आरोप लगाए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि यह भारतीय जनतंत्र के लिए एक इम्तहान भी होगा कि उन्हें भी चार मंत्रियों की तरह ही सदन में बोलने का पूरा अवसर मिलता है या फिर चुप होने के लिए कहा जाता है।

वीजा डॉक्यूमेंट्स को...

डिप्लोमा कोर्स पूरा कर लिया था। इसके बाद उन्होंने वर्क परमिट के लिए अप्लाई किया था। अगर वो ये हासिल कर लेते तो कनाडा में परमानेंट रेसीडेंस स्टेटस भी हासिल कर लेते। इसी कड़ी में उन्हें इमीग्रेशन डिपार्टमेंट के पास भी डॉक्यूमेंट्स सबमिट करने थे। उन्होंने ये डॉक्यूमेंट्स सबमिट किए भी। यहां जब उनके डॉक्यूमेंट्स को वेरिफाई किया गया तो ये फेक यानी जाली पाए गए। न्यूज एजेंसी आईएएनएस की रिपोर्ट के मुताबिक, स्टडी वीजा के लिए इन स्टूडेंट्स ने जालंधर की एजुकेशन माइग्रेशन सर्विस से संपर्क किया था। यह एजेंसी ब्रजेश मिश्रा नाम का एजेंट चलाता है। आरोप है कि ब्रजेश ने हर स्टूडेंट्स से वीजा के लिए 16 से 20 लाख रुपए लिए। इसमें एडमिशन फीस और दूसरे चार्ज भी शामिल थे। हालांकि, इसमें एयर टिकट और सिक्योरिटी डिपॉजिट शामिल नहीं थे। भारतीय छात्रों ने एडमिशन ऑफर लेटर भी सबमिट किए थे। ये परमानेंट रेसीडेंस या वर्क परमिट के लिए जरूरी डॉक्यूमेंट है। वीजा जारी करने से पहले इन डॉक्यूमेंट्स की बारीकी से जांच की जाती है। इसके बाद इंटरव्यू होते हैं। पंजाब से स्टडी बेस पर विदेश जाने की इच्छा रखने वाले स्टूडेंट्स के आवेदन बढ़ी संख्या में नामंजूर होते हैं। इसके प्रमुख कारण फर्जी बैंक स्टेटमेंट और बर्थ सर्टिफिकेट के अलावा एजुकेशन गैप को लेकर तैयार किए जाने वाले फर्जी दस्तावेज भी हैं। जांच में यह मामले पकड़े जाते हैं। 2020-21 में ऑस्ट्रेलिया के डिपार्टमेंट ऑफ होम अफेयर्स ने पंजाब, हरियाणा से संबंधित 600 से अधिक ऐसे मामले पकड़े, जिनमें ऑस्ट्रेलिया का एजुकेशन वीजा हासिल करने के लिए फर्जी दस्तावेज लगाए गए थे। कनाडा के हाईकमीशन द्वारा एक साल में पकड़े ऐसे मामलों का आंकड़ा 2500 से अधिक है। ऐसे ही मामले न्यूजीलैंड, ब्रिटेन और अमेरिकी एम्बेसी भी पकड़ चुकी हैं। कनाडा के वीजा रिजेक्ट होने की दर पिछले साल 41 फीसदी हो गई थी। कोविड से पहले यह 15 फीसदी थी। कई एक्सपर्ट के मुताबिक, इसके कारण कोविड के चलते 2 साल से एप्लीकेशन पेंडिंग होना भी है। सिटीजनशिप एंड इमिग्रेशन पर स्टैंडिंग कमेटी की नई रिपोर्ट के अनुसार 2021 में स्टडी वीजा के लिए 225,402 आवेदन प्रोसेस किए गए और उनमें से 91,439 खारिज कर दिए गए।

महबूबा शिव मंदिर ...

है। इस्लाम इसके बारे में क्या कहता है। मैनें सिर्फ वो ही बताया है। इसलिए मुसलमान को चाहिए कि वह वो काम करे जिसका हुक्म इस्लाम में दिया गया है। उसके अलावा किसी गैर मजहब के तरीकों को इख्तियार करता है तो वह मुनासिब नहीं है। उन्होंने कहा कि मुल्क आजाद है सबको अपने अच्छे और बुरे के बारे में मालूम है। कोई क्या करता है उसके ऊपर हमारा कोई हक नहीं है। जमीयत दावतुल मुसलीमीन के संरक्षक व प्रसिद्ध आलिम मौलाना कारी इस्हाक गोरा का कहना है कि इस्लाम में सिर्फ नाम रख लेना काफी नहीं होता। उसके लिए इस्लाम के कायदे कानूनों को भी मानना पड़ता है। सच्चा और पक्का मुसलमान अच्छे से जानता है कि उसके किस कार्य को करने से वो इस्लाम खारिज हो जाता है। इसी तरह महबूबा मुफ्ती ने मंदिर में जाकर पूजा अर्चना की है। अगर वह खुद को पक्की सच्ची मुसलमान समझती हैं तो उनको मालूम होना चाहिए कि वह इस्लाम में रही हैं या नहीं।

त्रिपुरा : स्कूल के ...

जिससे विस्फोट हो गया। स्कूल प्रशासन ने तैफुल को सोनमुरा अस्पताल भेजा, जहां से उसे अगरतला सरकारी अस्पताल और मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। फिलहाल उसका जलने और अन्य चोटों का इलाज चल रहा है। एक बम निरोधक दस्ता मौके पर पहुंचा और पैकेट में रखे चार बमों को निष्क्रिय कर दिया। दस्ते का मानना है कि पैकेट में कम तीव्रता के पांच कच्चे बम थे। फोरेंसिक टीम और विशेषज्ञ पुलिस के साथ घटना की जांच कर रहे हैं।

स्वर्वेद भाष्य

चतुर्थ मंडल **नवम अध्याय**

(संत)

दीगम्बर धारण करे, वा कटि पट लिंगोट।
धूली भूषित अंग में, लक्ष गगन कर ओट॥ 27॥

शब्दार्थ : (दीगम्बर) दिशा ही जिसका वस्त्र है (कटि पट) कमर में कपड़ा (लिंगोट) लिंगोटा (गगन) आकाश (ओट) आड़।

भाष्य : कोई दिगंबर नंगा रहता है, कोई कमर में लिंगोटा पहन कर रहता है, कोई सब अंगों में धूलि विभूषित हो कर गगन की ओट अर्थात सद्गुरु-प्रदेश में निशाना लगा रहा है। दिगंबर लिंगोटा या धूलि विभूषित हो अपनी इच्छानुसार प्रभु-भक्तजन महाप्रभु का भजन करते हैं।

सुरति विराजे गगन में बाजे अनहद तूर।
उठे तरंग समुद्र में, अन्तर गम भरपूर॥ 28॥

शब्दार्थ : (

मैट्रिक के पेपर लीक को हिमंत ने माना अपनी नाकामी, बोले

दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा

गुवाहाटी। पेपर लीक मामले में असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्वशर्मा ने गुरुवार को स्वीकार किया यह उनकी सरकार की नाकामी है। असम में चल रही 10वीं कक्षा की राज्य बोर्ड परीक्षाओं के सामान्य विज्ञान विषय का प्रश्न पत्र का लीक हो गया था। इस पर टिप्पणी करते हुए असम सीएम ने कहा कि यह मामला उनकी सरकार की ओर से विफलता थी और दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। राज्य विधानसभा के चल रहे बजट सत्र को संबोधित करते हुए शर्मा ने घटना की जिम्मेदारी ली। उन्होंने बताया कि सभी मुख्य आरोपियों की पहचान कर ली गई है और जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। सीएम ने कहा, पेपर लीक नहीं होना चाहिए था। मुझे लगता है कि यह एक तरह से हमारी विफलता को दर्शाता है और मुख्यमंत्री के रूप में मैं इसकी जिम्मेदारी स्वीकार करता हूं। उन्होंने माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, असम (सेबा) से ऐसे उपाय करने का आग्रह किया ताकि ऐसी घटनाएं दोबारा न हो। शर्मा ने छात्रों से नए जोश के साथ पढ़ने की अपील की और आश्वासन दिया कि राज्य सरकार उनकी देखभाल करेगी। शर्मा ने बताया कि लीक में एक स्कूल के केंद्र प्रभारी और तीन शिक्षक शामिल थे। उन्होंने कहा कि आरोपियों की पहचान कर ली गई है और जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। हिमंता ने कहा कि असम पुलिस 48 घंटे के भीतर मामले का पर्दाफाश करने में सफल रही है। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि आरोपियों को कड़ी सजा मिले। मैं उनके नामों का खुलासा नहीं कर रहा हूं क्योंकि इससे जांच प्रभावित हो सकती है। मैं इसमें शामिल लोगों से पुलिस के सामने आत्मसमर्पण करने की अपील करता हूं। सीएम ने कहा कि इस बात की पुष्टि करने के लिए अभी तक कोई कड़ी नहीं मिली है कि पेपर लीक के लिए सेबा के अधिकारी जिम्मेदार थे या नहीं। उन्होंने कहा कि पेपर लीक का मामला चार जिलों तक सीमित था और प्रश्न पत्र 200 रुपये से 6000 रुपये के बीच बेचे गए और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से प्रसारित किए गए। शर्मा ने कहा कि हो सकता है कि मामले के सामने आने से पहले अन्य विषयों के प्रश्नपत्र भी आरोपियों ने लीक किए हों। उन्होंने कहा कि अब तक की जांच से पता चला है कि कैसे लीक हुआ पेपर व्हाट्सएप के माध्यम से प्रसारित किया गया। हम यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि यह पहले कहां से लीक हुआ और हमने व्हाट्सएप अधिकारियों से हमें वह जानकारी उपलब्ध कराने को कहा है। 4-5 ऑनलाइन वॉलेट के जरिए पैसे का लेन-देन किया गया। हमने इन वॉलेट्स के अधिकारियों से हमें इन लेनदेनों की जानकारी प्रदान करने के लिए कहा है। हमें उम्मीद है कि फरार आरोपियों को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। बुधवार शाम तक, 12 छात्रों और 4 राज्य सरकार के कर्मचारियों सहित 25 लोगों को आपराधिक जांच विभाग ने मामले में उनकी कथित संलिप्तता के लिए गिरफ्तार किया था। लीक के बाद सामान्य विज्ञान की परीक्षा 30 मार्च को दोबारा शेड्यूल की गई है। परीक्षा पहले 13 मार्च को होनी थी, लेकिन सोशल मीडिया पर हस्तलिखित प्रश्न पत्र पाए जाने के बाद इसे रद्द कर दिया गया। लीक के बाद, कई छात्र संगठन शिक्षा मंत्री रणोज पेगू और सेबा के अध्यक्ष आरसी जैन के इस्तीफे की मांग को लेकर पूरे असम में विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

कार्बी आंग्लांग में हथियारों का जखीरा बरामद

गुवाहाटी (निसं)। कार्बी आंग्लांग में पुलिस द्वारा की गई छापेमारी के दौरान भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद का जखीरा बरामद हुआ है। आधिकारिक रिपोर्ट्स के अनुसार, इस गोला बारूद को जमीन के अंदर गाड़कर रखा गया था. पुलिस, कार्बी आंग्लांग जिले के डोकमोका स्थित लैंगहिन में एक तलाशी अभियान चला रही थी और इसी दौरान यह जब्ती की गई। बड़ी मात्रा में हथियार और गोला बारूद मिलने से पुलिसकर्मी भी हैरान हैं। ये हथियार बरामदजब्त हथियारों और गोला-बारूद में, एक एके -47 राइफल, एक 9 एमएम पिस्तौल, एक 0.32 एमएम पिस्तौल, एक कार्बाइन और दो मैगजीन शामिल हैं. इसके अलावा, ऑपरेशन के दौरान एके सीरीज की नौ मैगजीन, 88 जिंदा राउंड मैगजीन और सात 9 एमएम की गोलियां भी मिलीं हैं। हथियार कहां से आए और इसका क्या मकसद था। इसे लेकर अधिकारी असमंजस में हैं। अधिकारियों का मानना है कि विद्रोही समूहों ने हथियार और गोला-बारूद वहां छिपाए थे। पुलिस ने हथियार और गोला-बारूद को अपने कब्जे में लेकर गहन जांच शुरू कर दी है। 12 मार्च को मिजोरम के आइजोल स्थित तनहरील में पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया था। इस दौरान पुलिस को उनके पास से हथियार और गोला-बारूद मिला था। पुलिस ने गिरफ्तार किए गए दो लोगों की पहचान सिलसुरी निवासी इंदु बिकास (30) और चावंगटे निवासी लालहमंगईहजुआला (45) के रूप में की थी।

मां को गुजारा भत्ता देने का आदेश

होजाई (निसं)। एक सरकारी कर्मचारी को अपनी मां को गुजारा भत्ता (मेंटेनेंस) देने का आदेश दयिा गया है। प्राप्त सामाचार के अनुसार प्राधिकरण ने आवेदक शारदा देवी को अपने पुत्र जय प्रकाश प्रसाद के विरूद्ध पांच हजार रुपए गुजारा भत्ता देने का आदेश दिया है। जय प्रकाश प्रसाद होजाई के आमतोला स्थित श्रीनर सिंह स्थान उच्च विद्यालय में सहायक शिक्षक हैं। मालूम हो कि असम सरकार ने वर्ष 2018 में एक योजना का शुभारंभ किया था। जिसके तहत सरकारी कर्मचारियों को अपने वयोवृद्ध माता-पिता और अविवाहित दिव्यांग भाई-बहनों की देखभाल करना अनिवार्य किया गया है। असम कर्मचारी माता-पिता जिम्मेदारी और जवाबदेही एवं निगरानी नियम (प्रणाम) आयोग को राज्य मंत्रिमंडल ने 2018 में मंजूरी दी थी जो देश में अपनी तरह का पहला अधिनियम है जिसके तहत राज्य सरकार के कर्मचारियों को अपने माता-पिता और अविवाहित दिव्यांग भाई-बहनों की देखभाल करना अनिवार्य किया गया है जिनके पास अपनी आय का कोई स्रोत नहीं है।

हैलाकांदी में 1.80 करोड़ की बर्मीज सुपारी जब्त

हैलाकांदी (हि.स.)। बर्मीज (म्यांमार) सुपारी के खिलाफ हैलाकांदी पुलिस का अभियान लगातार जारी है। इस कड़ी में पुलिस ने बर्मीज सुपारी की करीब 832 बोरियां जब्त की हैं। पुलिस सूत्रों ने गुरुवार को बताया है कि बुधवार रात हैलाकांदी जिले के बिलाईपुर पुलिस थाना के प्रभारी सेंगलेंग सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर अभियान चलाते हुए असम-मिजोरम सीमा पर बालीछोड़ा से बर्मीज सुपारी समेत चार ट्रकों को जब्त किए। जब्त किए गए चार ट्रकों में बर्मीज सुपारी के लगभग 832 बोरे बरामद किए गए। सुपारी को मिजोरम से असम के बराक घाटी के माध्यम से देश के दूसरे राज्यों में ले जाने के लिए लाए गए थे। बर्मीज सुपारी लदे ट्रकों को कोई चालक या खलासी पुलिस की गिरफ्त में नहीं आया।

नगरबेड़ा दोकुची में भागवत वाचन समारोह आयोजित

नगरबेड़ा (निसं)। कामरूप जिले के बोको निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत नगरबेड़ा के दोकुछी गांव में लोगों की पहल पर कल 24वां वार्षिक भागवत पाठ समारोह आयोजित किया गया। गांव के श्री श्री वासुदेव नामघर के प्रांगण में आयोजित भागवत वाचन समारोह में रंगिया के गौरीकांत हालोई ने मुख्य पाठक के रूप में भाग लिया और भागवत पठन-पाठन एवं स्पष्टीकरण दिया। इस अवसर पर उपस्थित पूर्व उपायुक्त थानेश्वर मालाकार ने बासुदेव नामघर के वार्षिक धार्मिक समारोह में भाग लेने पर प्रसन्नता व्यक्त की और कहा कि अच्छी संगत में होने से ज्ञान आकर्षित किया जा सकता है और मानव अहंकार खाली हो जाता है। हमें भक्तों के साथ दो शंकर-माधव गुरुओं द्वारा दिखाए गए आदर्शों के साथ आगे बढ़ना होगा। अगर हम दोनों गुरुओं द्वारा दिखाए गए शांति, सद्भाव और सद्भाव के मार्ग पर आगे बढ़ते हैं तो हम बर असम का निर्माण कर सकते हैं। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव न केवल एक धार्मिक गुरु थे, बल्कि सांस्कृतिक दुनिया के कंडारी भी थे। नगरबेड़ा मौजा समिति के अध्यक्ष उदय शंकर मेधी, बिमला प्रसाद चालिहा कॉलेज के प्राचार्य डॉ कमल पाठक, सेवानिवृत्त अध्यापक

श्यामाचरण ठाकुरिया, सेवानिवृत्त विषय शिक्षक रबि लोचन ठाकुरिया, दोकुछी गांव जनगण का अध्यक्ष तथा पाठक केशव कलिता आदि विशिष्ठ व्यक्ति के साथ भारी संख्या में भक्त गण मौजूद रहे। अनुष्ठान का अंत में थानेश्वर मालाकार ने स्थानीय एकांश संवादसेवी के साथ अंतरंग आलाप में भाग लेके अंचल का समस्या और उन्नयन का आभास लिए। कामरुप जिले के नगरबेड़ा एक महत्वपूर्ण इलाका बोलके अपना मन का भाव जाहिर किया।

पति ने की पत्नी की हत्या, फरार

लखीमपुर (हि.स.)। लखीमपुर जिला के नारायणपुर भोलाबाड़ी इलाके में पति द्वारा पत्नी की बड़ी बेरहमी से पीट-पीटकर हत्या किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि भोलाबाड़ी निवासी प्रमोद बरुवा के बड़े पुत्र सुशांत बरुवा अपनी पत्नी मम्मी बरुवा को बड़े ही बेरहमी से पीट-पीटकर मौत के घाट उतार दिया। 7 वर्ष पूर्व जोरहाट की मम्मी बरुवा और भोलाबाड़ी के सुशांत बरुवा का शादी हुआ था। सूत्रों ने बताया है कि घटना बीती रात की है। रात के समय इलाके में काफी तेज हवा और बरसात हो रही थी। जिसके चलते घटना की जानकारी घर वालों को नहीं मिल पायी। पत्नी की हत्या करने के बाद आरोपित खिड़की से कूदकर फरार हो गया। आज सुबह जब काफी देर कर कमरे का दरवाजा नहीं खुला तो घर वालों ने खिड़की से अंदर झांककर देखा तो महिला मृत अवस्था में पड़ी हुई थी। इसके बाद घर वालों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। घटना की खबर मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने मृत महिला का शव अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। घटना के बाद से ही हत्यारा पति फरार है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

साइकिल चोर गिरफ्तार

धुबड़ी (हि.स.)। धुबड़ी जिला के गौरीपुर पुलिस ने बाघमारा इलाके में गुरुवार को एक साइकिल चोर को ड्रग्स समेत गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि बाघमारा इलाके के जहर उद्दीन नामक व्यक्ति के घर से 3 दिन पूर्व एक साइकिल चुराकर चोर फरार हो गया था। गांव के कुछ लोगों ने साइकिल चोर मनीरूद्दीन को पकड़कर पुलिस को सौंप दिया। जिस समय महरुद्दीन को स्थानीय लोगों ने पकड़ा उस समय वह इलाके में फिर से चोरी की वारदात को अंजाम देने के लिए घूम रहा था।

वृद्धाश्रम में लायंस, उमंग का कार्यक्रम आयोजित

गुवाहाटी। समय-समय पर विभिन्न सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर अपना योगदान देने वाली गैर सरकारी संगठन लायंस क्लब आफ गुवाहाटी उमंग की ओर से वृद्ध आश्रम में रह रहे माताओं के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। क्लब की जनसंपर्क अधिकारी आरुषि गर्ग सोनी ने बताया कि अध्यक्ष सीमा सोनी के नेतृत्व में हातीगांव स्थित मदर ओल्ड एज होम में क्लब की ओर से विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। लायंस जिले जिला 322जी वन डिस्ट्रिक्ट वन एक्टिविटी के तहत आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान वृद्ध आश्रम में रह रही माताओं के लिए कंचन-अजय पोद्दार के सहयोग से 2 महीने का सूखा राशन व अंजू-अजय खेमका के सहयोग से दवाइयां उपलब्ध कराई गई। इस दौरान क्लब

की सदस्याओ ने माताओं संग समय बिताया एवं कई तरह के गीत व नृत्य से उनका मनोरंजन किया। इस अवसर पर अध्यक्ष सीमा सोनी, सचिव कंचन पोद्दार, कोषाध्यक्ष कुसुम जैन, लायंस गौहाटी के सचिव अजय पोद्दार, निवर्तमान अध्यक्ष किशोर साबू, राजेश भूत सहित लायंस उमंग की कई सदस्याए उपस्थित थीं।

आठ किग्रा गांजा समेत एक गिरफ्तार

कामरूप (हि.स.)। कामरूप (ग्रामीण) जिला के रंगिया पुलिस ने गांजा समेत एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि गुरुवार को रंगिया के काजीगांव इलाके के रातुल अली को आठ किग्रा गांजा समेत गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने गांजा की तस्करी के लिए व्यवहार की जाने वाली स्कूटी को भी जब्त किया है। गिरफ्तारी के बाद राहुल ने बताया कि वह बेरोजगार है उसके पास कुछ काम नहीं है, जिसकी वजह से वह इस तरह के गैरकानूनी काम कर रहा है। उसने कहा कि अगर सरकार मुझे कुछ काम देती है तो मुझे इस तरह का गैरकानूनी काम करना नहीं पड़ता। उसने बताया कि आज मैं जो कर रहा हूं इसके लिए राज्य सरकार जिम्मेवार है। पुलिस इस संबंध में एनडीपीएस एक्ट के तहत एक प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार तस्कर से सघन पूछताछ कर रही है।

माइक्रो फाइनेंस व टाटा ट्रस्ट का कार्यक्रम आयोजित

गुवाहाटी। सेंट्रल फॉर माइक्रो फाइनेंस एंड लाइवलीहुड के तत्वावधान में टाटा ट्रस्ट के सहयोग से कामरूप ग्रामीण क्षेत्र बोको के लाभार्थियों के लिए एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन गुवाहाटी महानगर के श्रीमंत शंकरदेव कालाक्षेत्र में किया गया। ग्रामीण कृषि महोत्सव के अंतर्गत 15 मार्च खोए हुए कार्यक्रम में बोको क्षेत्र की सैकड़ों लाभार्थी महिलाओं ने हिस्सा लिया, उल्लेखनीय है कि राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में गरीबी रेखा से नीचे रहने वाली महिलाओं को टाटा ट्रस्ट के अधिकारियों द्वारा प्रशिक्षित कर सीएमएल के द्वारा अनुदान देकर उनकी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने का प्रयास किया जाता है इस अवसर पर ईडी सीएमएल संजय सिंह ने बताया कि इस तरह का कार्यक्रम करके उन सैकड़ों हजारों महिलाओं को प्रेरणा देने का प्रयास किया जाता है की काम कोई भी हो उसको करने में संकोच नहीं करना चाहिए जैसे कि बकरी पालन, सूअर पालन, काली मिर्च या अन्य तरह की खेती करने के लिए सीएमएल हमेशा मदद करने के लिए तैयार रहता है चाहे उनको किसी भी तरह का प्रशिक्षण देना हो या उनको आर्थिक मदद देनी हो।

संदीप कलिता समन्वय कलाकेंद्र की बिहू कार्यशाला का आयोजन 19 से

रंगिया। असमिया लोक संस्कृति को बनाए रखने में विशिष्ट भूमिका निभाता आ रहा रंगिया का अग्रणी संस्थान संदीप कलिता समन्वयी कलाकेंद्र के सौजन्य से हर वर्ष की तरह इसबार भी बिहु कार्यशाला का आयोजन किया गया है। यह कार्यशाला रंगिया के बीचों बीच स्थित ऐतिहासिक शहीद भवन प्रांगण में 6 दिवसीय कार्यक्रम के साथ आयोजित की जाएगी जोकि आगामी 19 मार्च से प्रारंभ होकर 24 मार्च तक चलेगी। कार्यशाला में अभिज्ञ प्रशिक्षकों द्वारा बिहु नृत्य, जेंग बिहु और ढोल वादन का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस मौके पर राष्ट्रीय स्तर के जाने माने लोक कलाकार मुख्य प्रशिक्षक के रूप में बिहू रानी निभा बरुआ, ज्येष्ठ बिहुआ जितुमनी दास सहित अतिथि प्रशिक्षक बिहू रानी बिहू सम्राज्ञी ड्रीमली गोगोई, बिहू रानी बिहू सम्राज्ञी सीतारानी हजारिका, सह- प्रशिक्षक जितुमनी, हीरक, रघुमनी, जिंतु, बिनीता, मिताली और माधूर्जराज द्वारा प्रशिक्षण दिया जाएगा। कार्यशाला संचालक विजय भराली और नवो बनिया द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रशिक्षण कार्यक्रम रोजाना 3.00 बजे से प्रारंभ किया जाएगा जिसमें शामिल होने के इक्षुक प्रशिक्षार्थियों को शीघ्र ही प्रपत्र संग्रह कर जल्द से जल्द जमा करने का आग्रह किया गया है।

पूसीरे सभी जोनों में ट्रैक नवीनीकरण-कार्यों में अग्रणी

गुवाहाटी (विभास)। रेल पटरियों को सही अवस्था में बनाए रखने और रेल यात्रियों को सुरक्षित एवं आरामदायक यात्रा प्रदान करने के लिए पूसी रेल ने फरवरी, 2023 में कई ट्रैक नवीकरण कार्य किए हैं। ट्रैक नवीनीकरण कार्यों पर बढ़ते प्रयास के परिणामस्वरूप, पूसी रेल ने फरवरी, 2023 के दौरान सभी 16 जोनों के बीच समग्र प्रदर्शन में 90.5 प्रतिशत अर्जित कर दूसरा स्थान हासिल किया। फरवरी, 2023 में बलास्ट से धूल, बालुई राख आदि की अभेद्य परत को साफ कर 42.51 किलोमीटर प्लेन ट्रैकों की डीप स्क्रीनिंग की गई, जिससे वर्तमान वित्त वर्ष के अप्रैल से फरवरी तक 298.04 किलोमीटर की संचयी प्रगति हुई है। फरवरी, 2023 में 15.78 ट्रैक कि.मी. का थ्रू स्लीपर रिनुवल किया गया, जिससे इस महीने तक 153.50 ट्रैक कि.मी. की संचयी प्रगति हुई है। फरवरी, 2023 के दौरान 1.50 समतुल्य सेटों का थ्रू टर्नआउट रिनुवल किया गया, जिससे इस महीने तक 199.50 सेटों की संचयी प्रगति हुई है। फरवरी, 2023 के दौरान 42.62 ट्रैक कि.मी. का थ्रू रेल रिनुवल किया गया, जिससे महीने तक 415.05 ट्रैक कि.मी. की संचयी प्रगति हुई है। फरवरी, 2023 के दौरान 24 पुलों को पुन : मजबूत किया गया, जिससे इस महीने तक 211 पुलों की संचयी प्रगति हुई है। इसके

अलावा, फरवरी, 2023 के दौरान यूएसएफडी (अल्ट्रा सोनिक फ्लॉ डिटेक्शन) मशीन द्वारा 1640.53 किलोमीटर ट्रैक का परीक्षण किया गया, जिससे इस महीने तक 19260.79 किलोमीटर की संचयी प्रगति हुई है। संरक्षा की दृष्टि से दरारों जैसी खामियों का पता लगाने और दोषपूर्ण रेल को समय पर हटाने के लिए यूएसएफडी तकनीक की जाती है। नियमित अंतराल पर रेल पटरियों के अनुरक्षण के परिणामस्वरूप ट्रेनों का परिचालन सुचारू रूप से हुआ है और यात्रियों को बेहतर सवारी का अनुभव प्रदान किया गया है। रेल पटरियों के लिए संरक्षा उपायों पर बढ़ते जोर के कारण गति वृद्धि और बेहतर सवारी अनुभव के साथ ट्रेनों का सुरक्षित परिचालन हुआ है।

भरोसा रखें पंजाबवासी, सभी गारंटियां समय पर होंगी पूरी : भगवंत मान

– पंजाब में आप सरकार के कार्यकाल का एक साल पूरा

चंडीगढ़, (हि.स.)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने अपनी सरकार का एक साल पूरा होने पर पंजाबवासियों का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा है कि चुनाव के समय दी गई सभी गारंटियों को सरकार समय रहते पूरा करेगी। मुख्यमंत्री ने पंजाबवासियों से आहवान किया है कि वह उन पर भरोसा रखें वह पंजाब की जनता का भरोस नहीं टूटने देंगे। पंजाब में आप सरकार के कार्यकाल का एक साल पूरा होने पर गुरुवार को पंजाब वासियों के नाम जारी संदेश में मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि पूर्ण बहुमत से जीती आप के मंत्री और विधायकों का कोई राजनीतिक इतिहास नहीं है, सभी आम लोगों में से निकले हुए लोग हैं। उन्होंने कहा कि रोजगार के लिए हर विभाग में रिक्त पदों को भरने की गारंटी पूरी करते हुए एक साल में 26,778 हजार नौकरियां दी गई। दूसरी गारंटी में बिजली बिल जीरो के लक्ष्य को पूरा किया। करीब 87 प्रतिशत परिवारों को 600 यूनिट मुफ्त बिजली दी गई। कच्चे कर्मचारियों को पक्के करने का वादा पूरा किया। आउटसोर्स कर्मचारियों को भी कानूनी अड़चन दूर कर जल्द स्थायी करने की बात कही। सीएम ने कहा कि मूंगी पर एमएसपी देने, गेहूं की सीधी बिजाई पर 1500 रुपए देने,गन्ने के 392 करोड़ दिए गए। एक साल में 300 मोहल्ला क्लिनिक चलाए गए, जहां 15 लाख लोगों ने इनका फायदा लिया। मान ने कहा कि स्कूल ऑफ एमिनेंस शुरू किए जा रहे हैं। इनमें नौवीं से 12वीं कक्षा के छात्रों की प्रतिभा को उनकी क्षमता व रुचि के अनुसार निखारा जाएगा। मजदूरों के लिए कम से कम दिहाड़ी का वादा पूरा किया। अपनी सरकार का एक साल पूरा होने पर मान ने कहा कि गुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी मामले में एसआईटी द्वारा सात हजार पेजों का चालान पेश किया जा चुका है। पंजाब के विकास में एनआरआई के सहयोग की अपील करते हुए मान ने कहा कि अब प्रदेश में पंजाबियों की सरकार है। मान ने कहा कि पहले की सरकारें जो काम आखरी छह महीने में करती रही, वह आप ने पहले छह महीने में ही कर दिए।

शुभेंदु ने लगाया सरकारी जमीन बिक्री में अनियमितता का आरोप, राज्यपाल से हस्तक्षेप की मांग

कोलकाता, (हि.स.)। पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने पश्चिम बंगाल में सरकारी जमीन बिक्री में अनियमितता का आरोप लगाते हुए राज्यपाल डॉ सीवी आनंद बोस से हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने इस संबंध में राज्यपाल को पत्र लिखा कर मामले की जांच की मांग की है। पत्र में विपक्ष के नेता ने आरोप लगाया है कि दक्षिण कोलकाता में अलीपुर के प्रमुख स्थान पर राज्य सुधारक प्रशासनिक सुधार विभाग की 5.6 एकड़ भूमि को कम कीमत पर बेची जा रही है। अलीपुर ग्रीन सिटी डेवलपमेंट प्रोजेक्ट के तहत मौजूद सरकारी जमीन की बिक्री कम कीमत पर करने की वजह से सरकारी खजाने को 876 करोड़ रुपये का नुकसान होगा। विपक्ष के नेता ने अपने पत्र में कहा है कि उक्त भूमि, जहां 10 लाख वर्ग फुट का बिक्री योग्य हिस्सा है, को मुंबई स्थित एक निजी संस्था को 414 करोड़ रुपये के औने-पौने दाम पर बेचा जा रहा है। यह इस प्रमुख क्षेत्र में जमीन के अत्यधिक उच्च बाजार मूल्य की तुलना में बहुत कम है। अधिकारी ने बताया है कि वित्त वर्ष 2028-29 में जब इस परियोजना के तहत लगभग 350 फ्लैटों का निर्माण पूरा हो जाएगा, तो उक्त निजी संस्था को 1,290 करोड़ रुपये का लाभ होगा और यह जमीन कम दामों पर मिलने के कारण होगा। नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाया है कि राज्य कैबिनेट के एक प्रभावशाली मंत्री और राज्य के कुछ नौकरशाह मिलकर इस डील को अंजाम तक पहुंचाने की फिराक में हैं। हालांकि, राज्य के मंत्री, अखिल गिरी ने आरोपों को खारिज कर दिया है और कहा है कि पूरी परियोजना पारदर्शी तरीके से की जा रही है। उन्होंने कहा, "मामले में बिल्कुल भी भ्रष्टाचार नहीं है। लगाए गए आरोप पूरी तरह निराधार हैं।

के. कविता ईडी के समक्ष नहीं हुईं पेश, भेजे दस्तावेज

अजय कुमार

नई दिल्ली। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की बेटी के. कविता दिल्ली आबकारी नीति में कथित घोटाला मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समक्ष पेश नहीं हुईं। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के समक्ष अपनी लंबित याचिका का हवाला देते हुए गिरफ्तारी से सुरक्षा और इस मामले में समन को रद्द करने की मांग की है। आधिकारिक सूत्रों ने गुरुवार को बताया कि भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की एमएलसी के. कविता ने अपने प्रतिनिधि से दिल्ली स्थित ईडी मुख्यालय में कुछ दस्तावेज भेजे हैं। के. कविता को आज सुबह 11 बजे ईडी मुख्यालय में अधिकारियों के समक्ष पूछताछ के लिए उपस्थित होना था। बीआरएस नेता के. कविता के प्रतिनिधि सोमा भरत कुमार ने मीडिया को बताया कि मैं उनके एक प्रतिनिधित्व के रूप में ईडी के दफ्तर आया था।

इससे पहले पिछले हफ्ते प्रवर्तन निदेशालय ने कविता से पूछताछ की थी। तब ईडी की ओर से जारी बयान में कहा गया था कि करीब 9 घंटे तक चली इस पूछताछ के दौरान कविता जांच एजेंसी के अधिकांश सवालों का जवाब देने से कतराती रहीं। पूछताछ का सिलसिला सुबह करीब 11 बजे शुरू हुआ, जो रात करीब आठ बजे तक चला। ईडी ने इसके बाद उन्हें 16 मार्च को फिर पूछताछ के लिए बुलाया था। वहीं, इस मामले में के. कविता को सुप्रीम कोर्ट से राहत नहीं मिली है। अदालत ने कविता को फिलहाल अंतरिम जमानत देने से इनकार कर दिया है। हालांकि, कोर्ट उनकी याचिका को सूचीबद्ध करने पर सहमत हो गया है। अदालत 24 मार्च को उनकी याचिका पर सुनवाई करेगी। बीआरएस नेता पर कथित दिल्ली आबकारी नीति घोटाला मामले में मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप है।

उच्च शिक्षा में रचनात्मकता, नवाचार, उद्यमिता और कल्पना का विशेष महत्व : प्रो. योगेश सिंह

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने कहा कि उच्च शिक्षा में रचनात्मकता, नवाचार, उद्यमिता और कल्पना का विशेष महत्व है। प्रो. सिंह विश्वविद्यालय के क्लस्टर इनोवेशन सेंटर (सीआईसी) द्वारा दिल्ली एस एंड टी क्लस्टर, डीआरआईआईवी, ओ/पीएसए, भारत सरकार के सहयोग से सार्वजनिक-निजी भागीदारी के माध्यम से उच्च शिक्षा में नवाचार विषय पर आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन अवसर पर आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने संसाधनों को बनाए रखने में निजी संगठन की भूमिका पर जोर देते हुए उच्च शिक्षा में पीपीपी की रणनीतियों के विभिन्न मॉडलों के महत्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर एनआईओएस की चेयरपर्सन प्रोफेसर सरोज शर्मा बतौर विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहीं। प्रो. सरोज शर्मा ने निजी क्षेत्र के साथ सहजीवी संबंधों में अकादमिक संस्थानों की भूमिकाओं और जिम्मेदारियों के बारे में बात की और इस तथ्य पर जोर दिया कि निजी संगठनों की तुलना में सार्वजनिक क्षेत्र के हिस्से को कभी भी कम करके नहीं आंका जाना चाहिए। समापन समारोह के आरंभ में सीआईसी की निदेशक प्रो. शोभा बगई ने अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि सीआईसी द्वारा आयोजित यह संगोष्ठी एनईपी 2020 को लागू करने में डीयू के दृष्टिकोण को मजबूत करने में मदद करेगी। प्रो. ज्योति शर्मा ने कार्यक्रम के बारे में संक्षेप में बताते हुए कहा कि तीन दिनों तक संगोष्ठी में जो जानकारी दी गई उससे शिक्षा से जुड़ी स्वायत्तता, प्रतिबद्धता और लोकाचार से समझौता किए बिना शैक्षिक अवसरों की गुणवत्ता और पहुंच बढ़ाने के लिए सार्वजनिक निजी भागीदारी की संभावनाओं, सुरक्षा उपायों, संरचना और तीव्रता पर एक साझा समझ बनाने में मदद मिलेगी।

पूर्व मंत्री दीपक सावंत ने थामा एकनाथ शिंदे-नीत शिवसेना का दामन

मुंबई (ईएमएस)। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को झटका देते हुए राज्य के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री दीपक सावंत ने एकनाथ शिंदे-नीत शिवसेना का दामन थाम लिया। सावंत मुख्यमंत्री शिंदे की मौजूदगी में शिवसेना में शामिल हुए। सावंत तत्कालीन एकीकृत शिवसेना के विधान पार्षद थे और 2014 से 2018 तक देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार में सार्वजनिक स्वास्थ्य मंत्री थे। उन्हें कैबिनेट से हटा दिया गया था और 2018 में उद्धव ठाकरे ने विधान परिषद चुनाव के लिए टिकट से भी वंचित कर दिया था। इससे पहले उद्धव ठाकरे के बेहद करीबी और बड़े नेता सुभाष देसाई के बेटे भूषण देसाई ने एकनाथ शिंदे का दामन थाम लिया था। भूषण देसाई ने मुख्यमंत्री एकनाथ के नेतृत्व में शिवसेना की सदस्यता ली। शिवसेना में शामिल होने के बाद भूषण देसाई ने कहा था कि बालासाहेब मेरे भगवान हैं। एकनाथ शिंदे हिंदुत्व के विचारों को आगे बढ़ा रहे हैं। मुझे उस पर विश्वास है। उनके साथ पहले काम किया है और आगे भी मैं उसके साथ खड़ा रहूंगा।

टीएसपीएससी की सहायक अभियंता भर्ती परीक्षा रद्द

हैदराबाद, (हि.स.)। तेलंगाना राज्य लोक सेवा आयोग (टीएसपीएससी) ने पेपर लीक होने के बाद 5 मार्च, 2023 को होने वाली परीक्षा रद्द कर दी। टीएसपीएससी ने रद्द परीक्षा की नई तारीख बाद में घोषित करने का ऐलान किया है। टीएसपीएससी ने सहायक अभियंता, म्युनिस्पल सहायक अभियंता, तकनीकी अधिकारी और जूनियर तकनीकी अधिकारियों के 837 पदों पर भर्ती के लिए 5 मार्च को परीक्षा आयोजित की थी। इसी बीच कथित रूप से टीएसपीएससी की परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक होने की खबर सामने आई। पुलिस ने इस मामले में आयोग के दो कर्मचारियों सहित नौ लोगों को गिरफ्तार किया था। इसके बाद टीएसपीएससी ने गंभीरता को देखते हुए बुधवार को अभियंताओं की भर्ती के लिए 5 मार्च को आयोजित परीक्षा को रद्द करने का निर्णय लिया। इस संबंध में आयोग के सचिव ने अधिसूचना में बताया कि परीक्षा की अगली तिथि की घोषणा बाद में की जाएगी।

दिल्ली सहित कई राज्यों में बारिश की संभावना

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। देश के कई हिस्सों में तापमान में गिरावट देखी जा रही है। उधर, एक बार फिर पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो गया है। इस कारण मध्य राजस्थान और इसके आसपास के क्षेत्रों में चक्रवाती हवाओं का क्षेत्र बना हुआ है। मौसम विभाग ने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ का प्रभाव कहां-कहां देखने को मिल सकता है। देश की राजधानी दिल्ली में अगले एक हफ्ते तक बादल छाए रहने और बूंदाबांदी के आसार हैं। इसके साथ ही न्यूनतम और अधिकतम तापमान में गिरावट भी हो सकती है। गुरुवार से हल्की बारिश का पूवार्नुमान जताया गया है। मौसम विभाग ने बताया कि देश के उत्तरी-पश्चिम हिस्से यानी जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, गिलगित-बाल्टिस्तान और मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड में 19 मार्च के बीच गरज, बिजली और तेज हवाओं (30-40 किमी प्रति घंटे की गति) के साथ हल्की, मध्यम वर्षा होने की संभावना है। वहीं पंजाब, हरियाणा, यूपी और राजस्थान में 17 से 19 मार्च के बीच ऐसा होने की संभावना है। बिहार में 17 मार्च को ओले पड़ सकते हैं। मौसम विभाग की मानें तो जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, गिलगित-बाल्टिस्तान और मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश में ओलावृष्टि की संभावना है। उत्तराखंड में 19 मार्च तक, जबकि हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 17 मार्च, उत्तरी राजस्थान में 17 से 19 मार्च के बीच ओलावृष्टि की संभावना है। मौसम विभाग ने बताया कि गुजरात, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, विदर्भ, छत्तीसगढ़ में 19 मार्च तक तेज हवाओं के साथ काफी हल्की, मध्यम वर्षा होने की संभावना है। वहीं, 16 और 17 मार्च को पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ, छत्तीसगढ़, मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा में ओलावृष्टि का पूवार्नुमान है। रिपोर्ट के मुताबिक, उत्तर आंतरिक तमिलनाडु से कोंकण तक कम दबाव का क्षेत्र है। इसके प्रभाव के चलते तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और कर्नाटक में 19 मार्च तक मध्य बारिश का पूवार्नुमान है। इसके अलावा 18 मार्च को तटीय आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में अलग-अलग जगहों पर भारी वर्षा होने की संभावना है। 16 और 17 मार्च को तेलंगाना में छिटपुट ओलावृष्टि की भी संभावना है।

दिल्ली हाईकोर्ट का डीडीए को आदेश- यमुना डूब क्षेत्र की झुग्गियां तीन दिन बाद गिरा दे

अजय त्यागी

नई दिल्ली। देश की राजधानी में यमुना के डूब क्षेत्र में झुग्गियों में रहने वालों को दिल्ली उच्च न्यायालय ने बुधवार को तीन दिनों के भीतर अपनी झुग्गियां खाली करने का निर्देश दिया है, नहीं तो उन्हें जुमार्ना या प्रत्येक को 50 हजार रुपये का भुगतान करना होगा। दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड (डीयूएसआईबी) और डीडीए विध्वंस के साथ आगे बढ़ेंगे। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने अदालत को बताया कि नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने यमुना के प्रदूषण स्तर पर ध्यान दिया था और 9 जनवरी को एक उच्चस्तरीय समिति का गठन किया था, जिसके बाद न्यायमूर्ति प्रतिभा एम. सिंह ने आदेश पारित किया। समिति का गठन करते समय एनजीटी ने दिल्ली के उपराज्यपाल, जो संविधान के अनुच्छेद-239 के तहत डीडीए के अध्यक्ष और दिल्ली के प्रशासक हैं, उनसे समिति का नेतृत्व करने का अनुरोध किया था। 27 जनवरी को उच्चस्तरीय समिति ने नदी के प्रदूषण को नियंत्रित करने और यमुना बाढ़ के मैदानों पर अतिक्रमण हटाने के लिए तत्काल कदम उठाने के निर्देश पारित किए। कोर्ट ने रेजिडेंट्स की याचिका को खारिज करते हुए पुलिस को सख्त कार्रवाई करने की इजाजत दी। अदालत ने निर्देश दिया कि क्षेत्र के संबंधित पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) उक्त कार्रवाई के दौरान सभी सहायता प्रदान करेंगे। डीडीए की वकील प्रभसहाय कौर ने कहा कि दो बार अतिक्रमण हटाया जा चुका है, लेकिन निवासी फिर से उसी स्थान पर आ जाते हैं। पीठ ने राजघाट के बेला एस्टेट में यमुना बाढ़ के मैदानों पर स्थित मूलचंद बस्ती के निवासियों का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील से पूछा, क्या आप जानते हैं कि यमुना को कितना नुकसान हो रहा है, आप इस पर कब्जा कर रहे हैं? निवासियों ने एक याचिका दायर की है, जिसमें कहा गया है कि अगस्त 2022 में दिल्ली पुलिस और डीडीए के अधिकारियों ने उन्हें अपनी झुग्गियों को खाली करने की धमकी दी, अन्यथा उन्हें ध्वस्त कर दिया जाएगा। डीयूएसआईबी ने अपने हलफनामे में कहा है कि चूंकि बस्ती उसकी अधिसूचित सूची में नहीं है, निवासी पुनर्वास के हकदार नहीं थे, अदालत ने डीडीए को तीन दिनों के बाद विध्वंस के साथ आगे बढ़ने का निर्देश दिया। अदालत ने यह कहते हुए अवमानना याचिका का भी निस्तारण कर दिया कि वे अधिकारियों को धमकाने के लिए अवमानना की कार्यवाही का उपयोग नहीं कर सकते हैं और कोई अवमानना नहीं है।

अमृता फडणवीस को मिली धमकी, एक महिला के खिलाफ मामला दर्ज

मुंबई, (हि.स.)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की पत्नी और गायिका अमृता फडणवीस ने एक महिला और उसके पिता के विरुद्ध मालाबार पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कराया है। अमृता फडणवीस ने पेशे से डिजाइनर इस महिला और उसके पिता पर धमकी देने का आरोप लगाते हुए दावा किया है कि इन दोनों की तरफ से उन्हें रिश्वत की पेशकश की गई थी जिसे उन्होंने ठुकरा दिया था, जिसके बाद उन्हें धमकी दी गई। पुलिस के अनुसार इस मामले की शिकायत खुद अमृता फडणवीस ने मालाबार पुलिस स्टेशन में दर्ज करवाई है। अमृता फडणवीस ने अपनी शिकायत में कहा है कि अनिश्का तकरीबन 16 महीने से उनके संपर्क में आई थी। पेशे से डिजाइनर होने की वजह से महिला उनसे बातचीत करती थी। लेकिन बाद में महिला और उसके पिता ने एक अपराध में उनकी मदद मांगने लगी। उस महिला को मना करने के बाद भी महिला ने फोन और मैसेज करना जारी रखा था। इतना ही बाद में महिला ने उन्हें उसके अपराध में शामिल होने के लिए एक करोड़ रुपये देने की पेशकश की। इस पेशकश को ठुकरा देने पर महिला अनिश्का और उसके पिता ने उन्हें धमकी दी।

देश के खिलाफ बयान स्वीकार नहीं, कांग्रेस नेता मांगे माफी : किरण रिजिजू

नई दिल्ली, (हि. स.)। केंद्रीय कानून मंत्री एवं भाजपा नेता किरण रिजिजू ने गुरुवार को राहुल गांधी के लंदन में दिए गए बयान के संदर्भ में कहा कि संसद नहीं चलने से देश में चिंता का माहौल है। भाजपा का इस पर स्पष्ट मानना है कि देश के खिलाफ बयान स्वीकार नहीं किया जा सकता। भाजपा नेता ने आज पत्रकारों से बातचीत में राहुल गांधी के लंदन में दिए बयानों को लेकर उनकी आलोचना की। उन्होंने कहा कि देशवासी भले ही उन्हें गंभीरता से ना लें लेकिन विदेश के लोग उनसे अपरिचित हैं और उन्हें लग सकता है कि राहुल गांधी जो कह रहे हैं वह सही है। कांग्रेस पार्टी को देशवासियों ने सबसे ज्यादा शासन का अवसर प्रदान किया है और ऐसी पार्टी इस विषय को गंभीरता से नहीं ले रही। पार्टी की ओर से एक बार फिर उन्होंने राहुल गांधी से पूरे घटनाक्रम पर माफी मांगने को कहा। किरण रिजिजू ने कहा, "पॉलिटिकल आइडियोलॉजी में अगर कुछ डिफरेंस होता है तो हमारे खिलाफ बोलते हैं तो चलता है लेकिन भारत के खिलाफ कोई बोलेगा तो हम लोग चुप नहीं रहेंगे। इसलिए यह बहुत क्लियर होना चाहिए कि राहुल गांधी को देश के सामने और लोकसभा में आकर माफी मांगना ही होगा।" केंद्रीय मंत्री ने कहा कि राहुल गांधी के बयानों से कांग्रेस पार्टी को नुकसान होता है या फिर उनको देश की जनता स्वीकार नहीं करती इससे भाजपा को कोई फर्क नहीं पड़ता। लेकिन जहां तक देश की छवि का प्रश्न है उसको नुकसान पहुंचाना स्वीकार्य नहीं होगा।

अमेरिकी समुद्री तट पर नौसेनाओं का बहुपक्षीय 'एक्सरसाइज सी-ड्रैगन' शुरू

– जापान, कनाडा और कोरिया गणराज्य की नौसेनाएं अपने समुद्री अनुभव साझा करेंगी
– समुद्री टोही विमान पी-8 आई इस अभ्यास में भारतीय नौसेना का प्रतिनिधित्व करेगा

नई दिल्ली, (हि.स.)। अमेरिका के समुद्री तट पर नौसेनाओं का बहुपक्षीय एक्सरसाइज सी-ड्रैगन 23 शुरू हो गया है। इस अभ्यास में हिस्सा लेने के लिए भारत का समुद्री टोही विमान पी-8 आई मंगलवार को ही अमेरिका के ग्वाम में पहुंच गया। इस सैन्य अभ्यास में भारत-अमेरिका के अलावा जापान, कनाडा और कोरिया गणराज्य की नौसेनाएं हिस्सा लेकर अपने समुद्री अनुभव एक-दूसरे से साझा करेंगी। नौसेना प्रवक्ता कमांडर विवेक मधवाल के मुताबिक यह अमेरिकी नौसेना की मेजबानी में लॉन्ग रेंज मैरीटाइम टोही एंटी सबमरीन वारफेयर विमान के लिए समन्वित बहु पार्श्व एंटी सबमरीन वारफेयर अभ्यास का तीसरा सैन्य अभ्यास है, जो 30 मार्च तक चलेगा। इस दौरान सैन्य अभ्यास में हिस्सा लेने वाले देश पनडुब्बी रोधी संयुक्त कार्रवाई का अभ्यास करेंगे। इन सैन्य अभ्यासों के दायरे को पिछले कई वर्षों के दौरान लगातार बढ़ाया जाता रहा है, ताकि उन्नत एएसडब्लू अभ्यास को शामिल किया जा सके। अभ्यास के दौरान सी-ड्रैगन 23 की क्षमताओं की परख की जायेगी।

इस सिलसिले में वह अन्य विमानों के साथ पानी के भीतर स्थित लक्ष्यों को भेदने का प्रदर्शन करेगा। इसके साथ ही नौसेनाओं के बीच आपस में विशेषज्ञता का आदान-प्रदान भी किया जायेगा। सैन्य अभ्यास में समुद्री टोही विमान पी-8 आई भारतीय नौसेना का प्रतिनिधित्व करेगा, जबकि अमेरिकी नौसेना का पी8ए, जापानी समुद्री आत्मरक्षा बल का पी1, कनाडा की शाही वायुसेना की सीपी 140 और कोरिया गणराज्य की नौसेना का पी3सी विमान हिस्सा लेगा। इस सैन्य अभ्यास का उद्देश्य मित्र नौसेनाओं के बीच बेहतर समन्वय और तालमेल बिठाना है, जो उनके साझा मूल्यों तथा मुक्त व समावेशी हिंद-प्रशांत के लिये संकल्प पर आधारित है।

गले में लोहे की चेन और ताले डालकर भाजपा विधायकों का हिमाचल विधानसभा में प्रदर्शन, कांग्रेस लाई निंदा प्रस्ताव

शिमला, (हि.स.)। हिमाचल विधानसभा के बजट सत्र के तीसरे दिन गुरुवार को भी विपक्षी दल भाजपा के कडे तेवर देखने को मिले। भाजपा शासन में खुले सैंकड़ों संस्थानों व दफ्तरों को बंद करने के मुददे पर विपक्ष ने सदन के अंदर और बाहर जमकर हंगामा किया। विपक्ष के विधायकों ने विरोध का अनोखा रास्ता निकाला। नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर की अगुवाई में भाजपा विधायकों ने गले में लोहे की चेन और ताले डालकर मुख्यमंत्री के चैंबर के बाहर हल्ला बोला। भाजपा विधायकों के इस विरोध प्रदर्शन से सतापक्ष उखड़ गया और विपक्षी विधायकों के खिलाफ सदन में निंदा प्रस्ताव लाया गया। दरअसल बुधवार को बजट सत्र की तीसरी बैठक चल रही है। विपक्षी विधायक लोहे की चेन व ताले गले में डालकर विधानसभा परिसर में दाखिल हुए। विपक्ष के विधायक सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले मुख्यमंत्री के चैंबर के बाहर धरने पर बैठे और सरकार के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। इस दौरान सतापक्ष के भी कुछ विधायकों ने पलटवार करते हुए विपक्षी विधायकों के खिलाफ नारे लगाए। जिससे सीएम चैंबर के बाहर माहौल तनावपूर्ण हो गया। पूर्वान्ह 11 बजे सदन की कार्यवाही शुरू होते ही विपक्षी विधायकों ने संस्थान बंद करने के मुद्दे पर हंगामा शुरू कर दिया। विपक्ष के हंगामे के बीच विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने प्रश्नकाल शुरू करने की घोषणा कर दी। 10 मिनट तक सतापक्ष के सदस्यों ने अपने-अपने सवाल पूछे, जबकि विपक्षी सदस्य सदन में नारे लगाते रहे। विधानसभा अध्यक्ष से अपनी बात रखने का मौका मिलने पर नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा है कि संस्थानों पर तालाबंदी का प्रदेश सरकार का निर्णय सही नहीं है। इस कदम से पूरे प्रदेश में हाहाकार मची है और जनता में भारी आक्रोश है। विपक्ष का दायित्व बनता है कि वो जनहित के मुददों को हम बेहतर ढ़ग से रखें। जयराम ठाकुर ने कहा कि इन संस्थानों को बंद करने से पहले कोई प्रक्रिया नहीं अपनाई गई। सरकार ने बिना सोचे-समझे संस्थानों पर तालाबंदी की। जयराम ठाकुर ने कहा कि इस मुददे पर विपक्ष आज मुख्यमंत्री से मिलने उनके चैंबर में गया, लेकिन सतापक्ष के विधायकों द्वारा उनके साथ दुर्व्यवहार किया गया। भाजपा विधायकों का व्यवहार गुंडागर्दी वाला रहा। सरकार हमारी आवाज को दबा रही है। ये सामान्य परिस्थिति नहीं है और इसके खिलाफ विपक्ष वाकआउट कर रहा है। इसके बाद विपक्षी सदस्य नारेबाजी करते हुए सदन से बाहर चले गए। दूसरी तरफ सतापक्ष ने विपक्ष के इस रवैये की भत्सर्णा की और सदन में निंदा प्रस्ताव पेश किया। विपक्ष के वाकआउट के बाद संसदीय कार्य मंत्री हर्षवर्धन चौहान ने निंदा प्रस्ताव लाते हुए कहा कि सदन के अंदर और बाहर भाजपा विधायकों का प्रदर्शन दुर्भाग्यपूर्ण व निंदनीय है। भाजपा विस चुनाव में मिली हार से बौखलाहट में है और उनके पास कोई मुद्दा नहीं है। सतापक्ष की ओर से उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री, धनीराम शांडिल, जगत सिंह नेगी और संजय रत्न ने निंदा प्रस्ताव का समर्थन करते हुए विपक्ष के व्यवहार की कड़ी आलोचना की।

स्वामी प्रसाद मौर्या ने ट्वीट कर भाजपा सरकार पर फिर निशाना साधा

लखनऊ, (हि.स.)। समाजवादी पार्टी के महासचिव स्वामी प्रसाद मौर्या ने गुरुवार को भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने ट्वीट कर सरकार के पाठ कराने के निर्णय को हिंदू समाज की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला बताया है। स्वामी प्रसाद ने अपने आधिकारिक ट्वीटर हैंडल से ट्वीट भाजपा सरकार को घेरने का प्रयास किया है। उन्होंने लिखा कि 'ढोल, गवार, शुद्र, पशु, नारी। सकल ताड़ना के अधिकारी।' कहा कि यह उसी सुंदरकांड का हिस्सा, जिसका सरकार ने पाठ कराने का निर्णय लिया है। यानी सरकार का यह निर्णय महिलाओं व शूद्र समाज को प्रताड़ित व अपमानित करने वाले तीन प्रतिशत लोगों का बढ़ावा देने एवं 97 फीसदी हिंदू समाज के भावनाओं को आहत करने वाला है। उल्लेखनीय है कि सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्या बीते कुछ समय से विवादित बयान देने के चलते सुर्खियों में बने हुए हैं। अपने बयानों में वह हिन्दुओं को ठेस देने वाली टिप्पणियां करने से भी गुरैज नहीं कर रहे हैं। इसी क्रम में गुरुवार को भी उनका एक ट्वीट आया है।

आईआरसीटीसी गुरुकृपा टूरिस्ट ट्रेन के माध्यम से आसान हुई पंच तख्त की यात्रा : औलख

मुरादाबाद, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश सरकार में जल शक्ति राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख मुरादाबाद रेल मंडल के मुरादाबाद और रामपुर स्टेशन पर की प्रेस वार्ता करके आईआरसीटीसी द्वारा संचालित की जाने वाली गाड़ी "गुरुकृपा टूरिस्ट ट्रेन" की पूर्ण जानकारी दी। प्रेस वार्ता में बलदेव सिंह औलख ने कहा कि आईआरसीटीसी द्वारा संचालित की जाने वाली गाड़ी "गुरुकृपा टूरिस्ट ट्रेन" की जानकारी निम्न प्रकार उपलब्ध करते हुए बताया कि इंडियन रेलवे केटरिंग एण्ड टूरिज्म कार्पोरेशन लिमिटेड (आईआरसीटीसी) ने उत्तर प्रदेश के लोगों के लिए शुरू की पंच तख्त की यात्रा गुरुकृपा टूरिस्ट ट्रेन के माध्यम से 5 अप्रैल से 15 अप्रैल तक 10 रात्रि एवं 11 दिनों के लिये पंच तख्त की यात्रा आयोजित की जा रही है। इस अवधि में इस ट्रेन में उतरने-चढ़ने के स्टेशन लखनऊ, सीतापुर, पीलीभीत शाहजहांपुर, बरेली, रामपुर तथा मुरादाबाद रेलवे स्टेशन कवर किए गए। गंतव्य आनंदपुर साहिब में श्री केसगढ़ साहिब गुरुद्वारा और विरासत-ए- खालसा, कीरतपुर साहिब में गुरुद्वारा श्री पातालपुरी साहिब, सरहिंद में गुरुद्वारा श्री फतेहगढ़ साहिब, अमृतसर मे श्री अकाल तख्त और स्वर्ण मंदिर, भटिंडा में श्री दमदमा साहिब, नांदेड़ मे तख्त सचखंड श्री हजूर साहिब, बीदर में गुरुद्वारा श्री गुरु नानक झीरा साहिब एवं पटना मे गुरुद्वारा श्री हरमंदिरजी साहिब।

सुविधायें- इस पैकेज में ट्रेन यात्रा, तीनों समय के भोजन के साथ एसी, नान एसी होटल में रुकने एवं एसी, नान एसी बसों द्वारा स्थानीय भ्रमण सम्मिलित हैं। इस मौके पर राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख के अलावा आईआरसीटीसी के मुख क्षेत्र प्रबंधक अजीत कुमार सिन्हा, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक कोचिंग सुधीर सिंह आदि उपस्थित रहे।

योगी के मंत्री की नाराजगी का वीडियो वायरल, 15 मिनट में कर्मचारी को सस्पेंड करो, नहीं तो तुम सस्पेंड होओगे

हरदोई(ईएमएस)। हरदोई जिले में उद्यान राज्यमंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने अपने अफसरों की बेरुखी और आलू किसानों की बदहाली देखकर नाराजगी जताई है। उन्होंने कार्रवाई करने के निर्देश देते हुए किसानों ने अपने मोबाइल में वीडियो बना लिया। अब यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में दिनेश प्रताप सिंह ने लखीपुर के डीएचओ को फोन किया और कहा कि 15 मिनट में संबंधित कर्मचारी को सस्पेंड करो, नहीं तो तुम्हें सस्पेंड कर देंगे। जानकारी के मुताबिक उत्तर प्रदेश के उद्यान राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार दिनेश प्रताप सिंह हरदोई में किसानों से आलू खरीदी में अव्यवस्थाओं को लेकर नाराज हो गए। इस दौरान उन्होंने लखीमपुर के डीएचओ को फोन करके बोला कि मैं हरदोई के सांडी में कोल्डस्टोर पर हूं। यहां कर्मचारी अश्विनी कुमार की ड्यूटी लगाई गई थी। आपका वह कर्मचारी गायब है। उसका सस्पेंशन लेटर 15 मिनट में मेरे फोन में व्हाट्सऐप पर आ जाएगा नाकि मैं तुम्हारा सस्पेंशन लेटर भेज दूं। 15 मिनिट में मैं यहां से ज्यादा से ज्यादा 15 किलोमीटर जा पाऊंगा। उससे पहले उसका सस्पेंशन लेटर आ जाए। नहीं तो 16 मिनट में मैं तुम्हारा सस्पेंशन लेटर भेज दूंगा। मंत्री के फोन पर डीएचओ से कहा कि तुम्हारा पर्यवेक्षण शिथिल है। तुम्हारा आदमी यहां ड्यूटी पर क्यों हाजिर नहीं है। उन्होंने डीएचओ को कर्मी पर कार्रवाई करने की भी चेतावनी दी। वहीं एक किसान ने शिकायत करते हुए कहा कि आलू वही तो लाएंगे, जो खेत में हुआ है। कहते हैं पूरा भाड़ा जमा करो, या तो वापस ले जाओ। सीधी बात बताते नहीं हैं।

मीर मुख्तियार और नेहा सिंह के लोकगीतों से सराबोर होंगे कलाप्रेमी

मीदिनीनगर, (हि.स.)। भारतीय जन नाट्य संघ (इप्टा) के 15वें राष्ट्रीय महाधिवेशन में भाग लेने के लिए करीब 100 अधिक कलाकार गुरुवार को पहुंचे। 17 से 19 मार्च तक आयोजित हो रहे इस इप्टा महाधिवेशन के दौरान तीन दिवसीय नीलांबर-पीतांबर लोक महोत्सव का भी आयोजन किया जाएगा। 17 मार्च को 15 नगाड़ों की गूंज और झारखंड समेत अलग-अलग राज्यों की विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के बीच जन सांस्कृतिक मार्च के साथ तीन दिवसीय महाधिवेशन होगा इसके बाद शिवाजी मैदान में आम सभा का आयोजन किया जाएगा। मशहूर गजलकार और संस्कृतिकर्मी कैफी आजमी के जीवन पर आधारित सुमंत्रा घोषाल की फिल्म कैफीनामा, केपी सशी का म्यूजिक वीडियो अमेरिका अमेरिका" और मसूद अख्तर की फिल्म कहां कहां से गुजरे" का प्रदर्शन किया जाएगा। 18 को समकालीन परिदृश्यः मुद्दे और रचनाकर्म "खेती किसानी का संकट", "सामाजिक न्याय, आर्थिक असमानता और सांप्रदायिकता", "वैज्ञानिक चेतना और तार्किकता" और "जेंडर के सवाल" पर देश भर से आए बुद्धिजीवी, कलाकार, एक्टिविस्ट, पत्रकार और संस्कृतिकर्मी अपनी बात रखेंगे। इस दौरान देश की मौजूदा सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक परिस्थितियों पर विचार विमर्श कर आने वाले समय के लिए इप्टा की कलात्मक अभिव्यक्ति का खाका खींचा जाएगा। समरोह के समापन पर लोक गायिका नेहा सिंह राठौर के लोक गीतों की प्रस्तुति होगी।

जो लोग राजद के आतंक से भयभीत है उन्हीं के रहनुमा उस नेतृत्व को कर रहें स्वीकार : उपेंद्र कुशवाहा

पटना, (हि.स.)। राष्ट्रीय लोक जनता दल (रालोजद) के अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा अपनी विरासत बचाओ नमन यात्रा के क्रम में गुरुवार को मुंगेर पहुंचे हैं। यहां उन्होंने संवाददाताओं से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर निशाना साधते हुए कहा कि जनता दल यूनाइटेड कभी गरीबों, पिछड़ों व शोषितों की पार्टी थी, लेकिन आज नहीं रह गई है। जो लोग राजद के आतंक से भयभीत थे, उन्हीं के रहनुमा राजद नेतृत्व को स्वीकार कर रहे हैं। इससे नीतीश कुमार के जीवन भर की राजनीतिक कमाई दांव पर लग गई है। पूर्व केंद्रीय मंत्री उपेंद्र कुशवाहा ने कहा कि विधान परिषद स्नातक चुनाव के समय ही मुझे यह आभास हो चला था कि पार्टी को गलत रास्ते पर ले जाया जा रहा है। जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह स्थानीय सांसद राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह का नाम लिए बिना उन्होंने कहा कि स्थानीय सांसद के मन में डर घर कर गया है कि जिस समीकरण के आधार पर हम लोकसभा चुनाव में जाएंगे, वहीं मेरे पास नहीं रहेगा तो कैसे चुनाव में जीतेंगे। उन्होंने बताया कि राजद से पीड़ित लोगों की पार्टी को राजद के साथ ले लिया गया तो ऐसे लोग जदयू से दूर चले गए। इसीलिए राजद की ओर जदयू नेतृत्व का झुकाव शुरू हुआ और ये लोग इसमें सफल भी हुए हैं। राष्ट्रीय लोक जनता दल का गठन किया। हमारी इस पहल को लोगों का अपार समर्थन मिल रहा है। इसका मतलब साफ है कि हमने जनता की भावना को समझा और लोग हमारे साथ आ रहे हैं।

अगवानपुर चीनी मिल के गन्ना भुगतान में देरी पर डीएम ने लगाई फटकार, नियमित भुगतान के दिए निर्देश

मुरादाबाद, (हि.स.)। मुरादाबाद जिलाधिकारी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में किसान दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें विद्युत संबंधी फसल मुआवजा, गन्ना भुगतान, आवारा पशुओं आदि की समस्याओं को प्रमुखता से रखा गया। जिलाधिकारी शैलेन्द्र कुमार सिंह ने किसानों की न्यायोचित समस्याओं का समयबद्ध एवं प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित करने सहित किसानों की विभिन्न दिक्कतों के त्वरित निराकरण के अधिकारियों को निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया किसानों की जो भी समस्याएं हैं, उनका सकारात्मक सोच के साथ निस्तारण सुनिश्चित किया जाए और जो भी कार्यवाही की जाये उससे संबंधित को भी अवगत कराया जाये तथा उसकी प्रतिलिपि जिला कृषि अधिकारी को भी भेजे। जिलाधिकारी ने कहा कि संवादहीनता नहीं होनी चाहिए परस्पर आपसी संवाद बनाये रखें और संवेदनशीलता के साथ कार्य करते हुए समस्याओं का न्यायोचित समाधान करें, ताकि किसान दिवस की सार्थकता बनी रहें। जिलाधिकारी ने किसानों को अवगत कराया कि किसानों की समस्याओं को त्वरित निस्तारण हेतु हर संभव प्रयास किया जायेगा, ताकि किसान अपनी समस्याओं को अवगत करा सके। जिलाधिकारी ने किसानों से कहा कि यदि कोई समस्या है तो वह कार्यालय में आकर भी सीधे अवगत करा सकते हैं। किसान दिवस में गन्ना मूल्य भुगतान एवं विद्युत के संबंध में शिकायतों को प्रमुखता से रखा गया और बताया कि विद्युत विभाग द्वारा अधिक चार्ज लगाया जा रहा है, इस जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियन्ता विद्युत को निर्देशित किया कि जिन प्रकरणों में विद्युत विभाग द्वारा अधिक चार्ज लगा दिया है अपनी देखरेख में जांच कराकर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करें। जनपद में मुख्यतः अगवानपुर शुगर मिल द्वारा गन्ना मूल्य भुगतान समय से न करने पर जिलाधिकारी ने कडी नाराजगी व्यक्त करते हुए मिल प्रबन्धक को समय से गन्ने का भुगतान करने के निर्देश दिये। किसान दिवस में मुख्य विकास अधिकारी सुमित यादव, अपर जिलाधिकारी प्रशासन सुरेन्द्र सिंह, अधिशासी अभियन्ता विद्युत, उप कृषि निदेशक/जिला कृषि अधिकारी, भूमि संरक्षण अधिकारी, अधिशासी अभियन्ता विद्युत ग्रामीण, गन्ना, चकबंदी, मंडी, सिंचाई, लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों सहित शुगर मिल के प्रबन्धक एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारीगण तथा कृषकगण उपस्थित रहे।

अपराधों पर शिकंजा कसने को तैयार होगा एक्शन प्लानः दीक्षा शर्मा

-2017 बैच की आईपीएस ने पहली प्रेस कान्फ्रेंस में बताई प्राथमिकताएं

हमीरपुर, (हि.स.)। नवागंतुक एसपी दीक्षा शर्मा ने यहां कहा कि कानून व्यवस्था को और दुरुस्त किया जाएगा। महिला सम्बन्धी अपराधों और टप्पेबाजी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए एक्शन प्लान तैयार किया जाएगा। एपी के ग्वालियर निवासी दीक्षा शर्मा 2017 बैच की आईपीएस है। ये आगरा, मुजफ्फरनगर व गाजियाबाद में सेवाएं दे चुकी है। पुलिस लाइन के सम्मेलन कक्ष में बुधवार को पहली प्रेस कान्फ्रेंस में उन्होंने कहा कि अपराधों की रोकथाम के लिए प्लान बनाकर कार्रवाई की जाएगी। साथ ही यहां की यातायात की व्यवस्थाएं दुरुस्त कराने के लिए प्रभावी कदम उठाएंगे जाएंगे। बताया कि पीड़ित लोगों की समस्याओं पर तत्काल कार्रवाई करकर उसे राहत दिलाई जाएगी। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था को और दुरुस्त किया जाएगा। इसमें किसी भी प्रकार की कोई ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सिसोलर थाना क्षेत्र में महिला का शव मिलने के मामले में कहा कि घटना की जांच कराई जा रही है। पोस्टमार्टम की रिपोर्ट आने के बाद इसमें आगे की कार्रवाई की जाएगी।

रिम्स में हड़ताल से 28 लोगों की मौत मामले की झारखंड हाई कोर्ट में हुई सुनवाई

रांची, (हि.स.)। रिम्स में जून, 2028 में नर्सों और डाक्टरों की हड़ताल के दौरान 28 मरीजों की मौत मामले पर गुरुवार को झारखंड हाई कोर्ट में सुनवाई हुई। मामले की सुनवाई चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्रा की अध्यक्षता वाली खंडपीठ में हुई। इस मामले में राज्य सरकार और रिम्स प्रबंधन ने जवाब दाखिल करने के लिए अदालत से और समय देने का अनुरोध किया, जिसे अदालत ने स्वीकार कर लिया। रिम्स में एक जून, 2018 को एक मरीज की मौत के बाद परिजनों ने बवाल किया। उसके बाद जूनियर डॉक्टर और नर्सें हड़ताल पर चली गईं। हड़ताल के दौरान 28 मरीजों की मौत हो गई। इन मौतों की जांच के लिए कमेटी गठित करने एवं इस घटना के जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई किए जाने की मांग को लेकर झारखंड छात्र संघ की ओर से जनहित याचिका दाखिल की गई थी। इस पर आज आंशिक सुनवाई हुई। मामले में राज्य सरकार एवं रिम्स प्रबंधन की ओर से जवाब दाखिल नहीं किया जा सका, जिस पर इनकी ओर से जवाब दाखिल करने के लिए समय की मांग की गई। कोर्ट ने इन्हें जवाब दाखिल करने के लिए समय प्रदान करते हुए अगली तिथि निर्धारित की।

झारखंड हाई कोर्ट से टीपीसी उग्रवादी भीखन गंझू को मिली जमानत

रांची, (हि.स.)। झारखंड हाई कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस राजेश कुमार की अदालत में गुरुवार को टीपीसी उग्रवादी भीखन गंझू की जमानत अर्जी पर सुनवाई हुई। सुनवाई के बाद कोर्ट ने उसे कांके थाना में दर्ज आर्म्स एक्ट में मामले में जमानत दे दी। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार और याचिकाकर्ता का पक्ष सुनने के बाद कोर्ट ने उसे जमानत की सुविधा प्रदान की है। भीखन गंझू फिलहाल न्यायिक हिरासत में है। भीखन गंझू उग्रवादी संगठन तृतीय सम्मेलन प्रस्तुति कमेटी (टीपीसी) का कमांडर है। भीखन के खिलाफ एनआईए ने पिपरवार के अशोका, टंडवा की मगध-आम्रपाली परियोजना में टेरर फंडिंग मामले में चार्जशीट दायर की है। हालांकि नगालैंड से हथियार की तस्करी में भी एनआईए ने भीखन पर चार्जशीट दायर की हुई है। इन मामलों में वह आरोपित है।

पूर्णिया एयरपोर्ट शुरू करने को लेकर सीमांचल के सांसद हुए एकजुट, नागरिक उड्डयन मंत्री से लगायेंगे गुहार

अररिया, (हि.स.)। पूर्णिया एयरपोर्ट को चालू करने को लेकर स्थानीय लोगों की ओर से लगातार चलाये जा रहे अभियान की गूंज दिल्ली में भी सुनाई पड़ने लगी है। आमजनों के लगातार मुहिम चलाये जाने के बाद अब कोशी और सीमांचल के सांसद एकजुट हुए है और सांसदों को एकजुट का बीड़ा उठाया है अररिया सांसद प्रदीप कुमार सिंह लोकसभा के जारी सत्र में शामिल होने दिल्ली पहुंचते ही अररिया सांसद प्रदीप कुमार सिंह ने पूर्णिया एयरपोर्ट के मसले को लेकर नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से मुलाकात का समय मांगा है। सांसद प्रदीप कुमार सिंह ने पूर्णिया एयरपोर्ट पर अपनी बात मजबूती से रखने के लिए कोशी- सीमांचल के सांसदों को भी गोलबंद किया है। सांसद कार्यालय दिल्ली से मिली जानकारी के अनुसार केंद्रीय मंत्री सिंधीया से मुलाकात के दौरान सांसद प्रदीप सिंह के साथ पूर्णिया से सांसद संतोष कुशवाहा, कटिहार से सांसद दुलाल चंद गोस्वामी, किशनगंज से सांसद मो. जावेद, मधेपुरा से सांसद दिनेश चंद्र यादव, सुपौल से सांसद दिलेश्वर कामत, मुजफ्फरपुर से सांसद अजय निषाद भी मौजूद रहेंगे। इस बाबत सांसद प्रदीप ने कहा कि उन्हें पूर्ण विश्वास है कि नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से मुलाकात के बाद निश्चित ही इस दिशा में सकारात्मक कदम उठाए जाएंगे औऱ पूर्णिया एयरपोर्ट से एक नई उड़ान भरी जाएगी।

किसानों से जमीन खरीदने की धीमी रफ्तार पर जताई नाराजगी, भूलेख विभाग से जमीन खरीदने का एक्शन प्लान मांगा

-नई स्कीम लाकर एमओयू को निवेश में तब्दील कराने के निर्देश

ग्रेटर नोएडा, (हि.स.)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की सीईओ रितु माहेश्वरी ने बुधवार को सभी विभागों की समीक्षा बैठक की। सीईओ ने किसानों से जमीन खरीदने की धीमी रफ्तार पर भूलेख विभाग से कड़ी नाराजगी जताई। प्राधिकरण का बकाया न देने वालों के आवंटन रद्द करने और उन भूखंडों पर कब्जा लेकर आगामी स्कीमों में शामिल करने के भी निर्देश दिए। सीईओ ने सभी विभागों से ग्लोबल इनवेस्टर्स समिट के दौरान हुए एमओयू को अब निवेश में तब्दील करने के लिए नई स्कीमें लाने के निर्देश दिए। दरअसल, औद्योगिक निवेशकों को जमीन उपलब्ध कराने के लिए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण 8 नए सेक्टर (ईकोटेक-7, 8, 9, 12ए, 16, 19ए व 21) विकसित कर रहा है। इन सेक्टरों के लिए किसानों से जमीन खरीदने की कार्रवाई चल रही है। बुधवार को विभागीय समीक्षा करते हुए सीईओ रितु माहेश्वरी ने जमीन खरीदने में धीमी रफ्तार पर भूलेख विभाग को कड़ी फटकार लगाई। उन्होंने भूलेख विभाग को इन सेक्टरों की जमीन खरीदने और परियोजना विभाग से इन सेक्टरों को विकसित करने की समयावधि तय करते एक्शन प्लान प्रस्तुत करने को कहा है। सीईओ ने प्राधिकरण की आर्थिक स्थिति की भी समीक्षा की। जमीन लेकर बैठे आवंटियों के आवंटन रद्द करने और उन भूखंडों को आगामी योजनाओं में शामिल करते हुए आवंटित करने के निर्देश दिए। बकाएदारों से बकाया वसूलने में ढिलाई बरतने पर नाराजगी जताई और बकाया न देने वालों के आवंटन भी शीघ्र रद्द करने को कहा है। सीईओ ने आगामी ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी की तैयारियों पर भी चर्चा की। सीईओ ने औद्योगिक, वाणिज्यिक समेत अन्य विभागों से कहा कि विगत स्कीमों के सफल आवंटियों को आवंटन पत्र शीघ्र जारी करें, उनकी लीज डीड कराकर नक्शा पास कराएं और मौके पर जल्द काम शुरू कराएं। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के दौरान हुए एमओयू को निवेश में तब्दील करने के लिए इंडस्ट्री, बिल्डर, आईटी, डाटा सेंटर और संस्थागत समेत सभी विभाग को निवेशकों के साथ बैठक करने, उनकी जरूरत को समझते हुए लैंड बैंक तैयार कराने के निर्देश दिए। सीईओ ने मित्रा ऐप पर आने वाली शिकायतों का निस्तारण प्राथमिकता पर कराने के निर्देश दिए। इस समीक्षा बैठक के दौरान एसीईओ मेधा रूपम, एसीईओ अमनदीप डुली व एसीईओ आनंद वर्धन के अलावा ओएसडी हिमांशु वर्मा,ओएसडी विशु राजा, ओएसडी संतोष कुमार, ओएसडी नवीन कुमार सिंह, आरके देव समेत सभी वरिष्ठ अधिकारीगण मौजूद रहे।

नियोजन नीति को लेकर विपक्षी विधायकों ने सदन के बाहर किया प्रदर्शन

रांची, (हि.स.)। झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के दूसरे चरण के चौथे दिन गुरुवार को भी विपक्षी पार्टी के विधायकों ने लिखी टी-शर्ट पहन नियोजन नीति को लेकर विधानसभा के मुख्य द्वार पर प्रदर्शन किया। विपक्ष के विधायक 60-40 नाय चलतो, 1932 की भेलो के नारे भी लगाए। विपक्ष के मुख्य सचेतक बिरंची नारायण ने कहा कि जब तक मुख्यमंत्री सदन में नियोजन नीति पर वक्तव्य नहीं देंगे, विरोध जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि यह सरकार युवाओं के साथ विश्वासघात कर रही है। नियोजन नीति के नाम पर राज्य के युवाओं को उलझकर रखा है। भाजपा यह बर्दाश्त नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि बुधवार को भी विपक्ष ने लगातार सदन में मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि वे नियोजन नीति पर स्पष्ट वक्तव्य दें, लेकिन उनके कान पर जूं तक नहीं रेंगी। उन्होंने कहा कि हर हाल में सदन में मुख्यमंत्री को नियोजन नीति पर अपना पक्ष रखना होगा, जब तक ऐसा नहीं होता है विपक्ष उन्हें चैन से बैठने नहीं देगा।

जागरूकता से ही उपभोक्ताओं को मिल सकते उनके अधिकार : डॉ पूनम

नवादा, (हि. स.)। उपभोक्ता फोरम न्यायालय के सदस्य वरिष्ठ भाजपा नेत्री डॉ पूनम शर्मा ने कहा है कि उपभोक्ताओं को जागरूकता के बगैर उनका अधिकार कभी नहीं मिल सकता है जिसके लिए उन्हें जागरूक होना जरूरी है। वह गुरुवार को नवादा में आयोजित एक जागरूकता सेमिनार को संबोधित कर रही थी। जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग नवादा जिला सभागार में आयोजित जागरूकता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि बड़े पैमाने पर ग्रामीण इलाके के उपभोक्ताओं को जागरूक करने की जरूरत है। सबसे पहली बात कि उन्हें किसी सामान को खरीदते समय कैशमेमो जरूर लेनी चाहिए ।ताकि वह सामान खराब रहने पर उसे उपभोक्ता फोरम में मामले को लाकर अपना हक प्राप्त किया जा सके। उन्होंने कहा कि समाज का हर व्यक्ति उपभोक्ता है जिस कारण उसे भोक्ता फोरम के नियमों की जानकारी बहुत जरूरी है। इसके लिए ग्रामीण इलाकों में भी जागरूकता शिविर का आयोजन किया जाना चाहिए । उन्होंने कहा कि निश्चित तौर पर जागरूकता से उन्हें अधिकार मिलेंगे। केवल एक दिन कोई कार्यक्रम आयोजित करने से उपभोक्ता जागरूक नहीं हो सकते। क्रार्यक्रम का उद्घाटन आयोग के अध्यक्ष राजकुमार प्रसाद, सदस्य डॉ पूनम शर्मा तथा मिथिलेश कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलित कर किया। इस दौरान उपस्थित लोगों को उपभोक्ता अधिकार पर जानकारी दी गई। अपने सम्बोधन में आयोग के अध्यक्ष ने कहा कि सर्वप्रथम अमेरिका ने यह समझा कि उपभोक्ताओं को अधिकार दी जानी चाहिये और तब पूरी संसार में उपभोक्ता के अधिकार से सम्बंधित कानून बना। उन्हाने कहा कि संशोधित उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम में उपभोक्ताओं के अधिकार को और भी सुरक्षित किये गये है। वहीं पूर्व के फोरम को आयोग का दर्जा देकर इसे सशक्त किया गया है। उन्होने बताया कि सभी उपभोक्ताओं को सुरक्षा का अधिकार, सूचित किये जाने का अधिकार, वस्तु चुनने का अधिकार, उपभोक्ता शिक्षा का अधिकार, अनुतोष पाने का अधिकार तथा जागरूकता का अधिकार दिये गये है।, अब कोई भी उपभोक्ता अपने आवासीय जिले में किसी भी खरीदारी व सेवा के विरूद्ध शिकायत दर्ज कर सकते हैं। नये कानून के तहत 50 लाख रुपए तक की खरीदारी अथवा सेवा के विरूद्ध जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग में शिकायत दर्ज करा सकते है।

संपादकीय

संविधान के सामने समलैंगिकता

पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ के सामने एक मानवीय, लैंगिक, प्राकृतिक संबंधों की व्याख्या का मामला है। एक दर्जन से अधिक याचिकाएं विचाराधीन हैं, जिनमें समलैंगिक संबंधों को 'कानूनी मान्यता' देने के आग्रह निहित हैं। भारत सरकार ने अपने 56 पृष्ठीय हलफनामे में समलैंगिकता और ऐसे विवाह का विरोध किया है। इस मुद्दे को संसद के अधिकार-क्षेत्र में ही रहने की दलील भी दी गई है। संसद इन संबंधों की सामाजिकता, निजता, स्वाभाविकता और नैसर्गिकता पर व्यापक विमर्श करेगी और फिर कानून पारित करेगी। सरकार अदालती पीठ और इस मुद्दे की सुनवाई को संसद के अधिकार-क्षेत्र में दखल का प्रयास मान रही है। दरअसल भारतीय सभ्यता और संस्कृति में विवाह एक पवित्र संस्कार है, विपरीत लिंग के स्त्री-पुरुष का सामाजिक-मानसिक गठबंधन है तथा संतानोत्पत्ति के जरिए इस दुनिया को निरंतर बनाए रखने की सोच और कोशिश है। विकृत्तियां कई स्तर पर हो सकती हैं। ये शारीरिक, दिमागी, गर्भस्थ आदि हो सकती हैं, लेकिन अभी तक जिस व्यवस्था को समाज और कानून में मान्यता प्राप्त है, उसका उल्लंघन क्यों किया जाए? ऐसा अतिक्रमण क्यों जरूरी है, जो प्राकृतिक भी नहीं है। सर्वोच्च अदालत ने 6 सितंबर, 2018 को एक महत्वपूर्ण, लगभग ऐतिहासिक, फैसले में धारा 377 (1) को 'गैर आपराधिक' घोषित किया था, जिसमें समलैंगिक संबंधों को 'अप्राकृतिक अपराध' कहा गया था। जिस एलजीबीटी समुदाय ने उस फैसले को अपनी निजता, कामेच्छा, स्वाभाविकता की ऐतिहासिक जीत करार दिया था, उसमें महिला-महिला संबंध, पुरुष-पुरुष संबंध, ट्रांसजेंडर, क्वीर, इंटरसेक्स, द्विलिंगी, एसेक्सुअल आदि मनोवृत्तियों के लोग, समुदाय आते हैं। इन लोगों में विपरीत लिंगी के सामाजिक आदर्शों की अनुपस्थिति होती है। भारत में यह सामाजिक समूह विशिष्ट है, जिसमें 'हिजड़ा' भी शामिल हैं। उन्हें 'थर्ड जेंडर' भी कहा जाता है। दरअसल अब प्राचीन ग्रंथों, पुराण आदि के कुछ दुर्लभ उदाहरण देकर तार्किक मांग की जा रही है कि समलैंगिक संबंधों को भी कानूनी मान्यता दी जाए, ताकि उनके प्रति समाज, कार्यस्थल, रोज़ाना की ज़िन्दगी में 'असामाजिक' और 'घृणित' न समझा जाए। 'भगवद पुराण' में ऐसा उल्लेख बताया जाता है कि भगवान शिव ने भगवान विष्णु को मोहिनी के अवतार में देखा और उनके मिलन के फलस्वरूप भगवान अयप्पा का जन्म हुआ। शिखंडिनी और बृहन्नाला के प्रसिद्ध पात्र 'महाभारत' के सबसे सम्मानित ट्रांसजेंडर पात्र हैं। 'वाल्मीकि रामायण' में भगवान शिव के आशीर्वाद से राजा भगीरथ का जन्म उनकी दो माताओं और राजा दिलीप की विधवाओं के मिलन से हुआ था। दरअसल ये मिथकीय कहानियां हैं, आम आदमी के पास वे अलौकिक और दैवीय शक्तियां नहीं हैं, लिहाजा इनके उदाहरण भी बेमानी हैं। भारत में संविधान को ग्रहण करने के बाद भी समलैंगिक संबंधों को 'आपराधिक कृत्य' माना गया था। भारत में विवाह को एक पवित्र संस्थान का दर्जा प्राप्त है और स्त्री-पुरुष मिलन को ही वैधता, सामाजिकता और एक पारिवारिक ईकाई के तौर पर स्वीकृति है। हमारी दलील कुछ अजीब-सी लग सकती है, लेकिन यह ब्रह्म-सत्य है कि पशु और जानवर में भी विपरीत लिंग के प्रति प्राकृतिक आकर्षण होता है। उनमें समलैंगिक संबंधों की पूर्ण अनुपस्थिति है। बहरहाल याचिकाएं सर्वोच्च अदालत में हैं।

सरकार अदालती पीठ और इस मुद्दे की सुनवाई को संसद के अधिकार-क्षेत्र में दखल का प्रयास मान रही है। दरअसल भारतीय सभ्यता और संस्कृति में विवाह एक पवित्र संस्कार है, विपरीत लिंग के स्त्री-पुरुष का सामाजिक-मानसिक गठबंधन है तथा संतानोत्पत्ति के जरिए इस दुनिया को निरंतर बनाए रखने की सोच और कोशिश है। विकृत्तियां कई स्तर पर हो सकती हैं। ये शारीरिक, दिमागी, गर्भस्थ आदि हो सकती हैं, लेकिन अभी तक जिस व्यवस्था को समाज और कानून में मान्यता प्राप्त है, उसका उल्लंघन क्यों किया जाए? ऐसा अतिक्रमण क्यों जरूरी है, जो प्राकृतिक भी नहीं है। सर्वोच्च अदालत ने 6 सितंबर, 2018 को एक महत्वपूर्ण, लगभग ऐतिहासिक, फैसले में धारा 377 (1) को 'गैर आपराधिक' घोषित किया था, जिसमें समलैंगिक संबंधों को 'अप्राकृतिक अपराध' कहा गया था। जिस एलजीबीटी समुदाय ने उस फैसले को अपनी निजता, कामेच्छा, स्वाभाविकता की ऐतिहासिक जीत करार दिया था, उसमें महिला-महिला संबंध, पुरुष-पुरुष संबंध, ट्रांसजेंडर, क्वीर, इंटरसेक्स, द्विलिंगी, एसेक्सुअल आदि मनोवृत्तियों के लोग, समुदाय आते हैं।

कुछ अलग

सुबह की प्रशासनिक सैर

जनादेश की अदालत में हाजिरी के सबूत, सुबह सूरज, शाम नई सुबह की धूप। जनादेश के मूड में सरकार का सदैव तत्पर होना, सारे फासले और सारे रास्ते बदल देता है। सत्ता की सादगी में जनता की शरण में सरकारी चरित्र बदल सकता है। हिमाचल में सरकारों के मुखिया की बनती बिगड़ती छवियों का भी हिसाब रहा है और विपक्षी तेवरों में इसी अंदाज का विरोध भी रहा। जाहिर है अपने जिन तूफानी इरादों से मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू ने विपक्ष की मांद में हाथ डाल कर, निर्णायक होने का पासा फेंका है, उसके सामने भाजपा बिफर कर सडक़ों पर उतर आई है। दूसरी ओर सुक्खू ने विपक्षी आक्रोश की सडक़ पर सरकार की चहलकदमी से आत्मीय डग भरे हैं। शिमला के मॉल रोड पर मुख्यमंत्री का सैर पर निकलना ऐसे संदेशों की सुबह है, जो सत्ता को सादगी के भ्रमण पर ले जाता है। यह औपचारिक सैर के बजाय घोषित सैर बन जाए, तो प्रशासन भी सडक़ पर आ कर अपनी खामियां देख सकता है। प्रदेश को ऐसा मुख्यमंत्री हमेशा से चाहिए, जो सडक़ पर उतर कर सडक़ का तापमान जाने, लेकिन पिछले कुछ समय से हम मुख्यमंत्रियों की उड़ान को हेलिकाप्टर की सदाबहार सवारी मान रहे हैं। सडक़ से मुख्यमंत्रियों का नाता न केवल हिमाचल की नब्ज दिखाता है, बल्कि सरकार की प्राथमिकताओं का सफर भी कराता है। हमने इससे पूर्व कई बार इन्हीं कॉलमों में लिखा है कि यदि मुख्यमंत्री सारा साल प्रदेश के अनेक शहरों में सुबह की सैर के बहाने हिमाचल की सुबह का मुयाना करें, तो सचिवालय की घंटियां बज उठेंगी। बेशक शिमला की सैर, सादगी की परिपाटी के साथ सुखविंदर सुक्खू के व्यक्तित्व को आम इनसान की सोहबत में ऊंचा कर देती है, लेकिन ऐसे भ्रमण की आदत तो हर प्रशासनिक, धार्मिक व प्रमुख शहर की सुबह पैदा कर सकती है। सुबह की सैर अगर प्रशासनिक जरूरतों को पूरा करे, तो विकास की वकालत हर सडक़ करेगी। कमोबेश शिमला में सत्ता की अदालत में सरकारें भले ही जनता के बीच नजर आएं, लेकिन सरकार को पूरे हिमाचल को आत्मसात करना है, तो पांव उस धरती पर रखने होंगे, जो राजधानी से नजर नहीं आती। हर मुख्यमंत्री के लिए चिन्हित होतीं शिमला की दूरियां पूरे हिमाचल में पांव पर चलकर ही दूर हुई हैं। शिमला से कांगड़ा, हमीरपुर, ऊना, चंबा, मंडी या कुल्लू को ठीक-ठीक देखने के लिए हर मुख्यमंत्री को निचले क्षेत्रों में भ्रमण करना ही पड़ा है। इससे राजनीति की एक वास्तुकला विकसित हुई है। इसे हम भले ही किसी निगाह से देखें, लेकिन वीरभद्र सिंह द्वारा शुरू किया गया शीतकालीन प्रवास दरअसल निचले हिमाचल की संवेदना को मापने की एक अनिवार्यता पैदा कर चुका है।

हिमाचल में सरकारों के मुखिया की बनती बिगड़ती छवियों का भी हिसाब रहा है और विपक्षी तेवरों में इसी अंदाज का विरोध भी रहा। जाहिर है अपने जिन तूफानी इरादों से मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू ने विपक्ष की मांद में हाथ डाल कर, निर्णायक होने का पासा फेंका है, उसके सामने भाजपा बिफर कर सडक़ों पर उतर आई है। दूसरी ओर सुक्खू ने विपक्षी आक्रोश की सडक़ पर सरकार की चहलकदमी से आत्मीय डग भरे हैं। शिमला के मॉल रोड पर मुख्यमंत्री का सैर पर निकलना ऐसे संदेशों की सुबह है, जो सत्ता को सादगी के भ्रमण पर ले जाता है।

साफ चेहरों के भीतर कौन कितना बदसूरत एवं उन्मादी मन समेटे है, कहना कठिन है

अमेरिका में बन्दूक-संस्कृति पर नियंत्रण के प्रयास

ललित गर्ग

पिछले साल जून में भारी तादाद में लोगों ने सड़कों पर उतर कर बंदूकों की खरीद-बिक्री से संबंधित कानून को बदलने की मांग की। जरूरत इस बात की है कि इस समस्या के पीड़ितों को राहत देने के साथ-साथ बंदूकों के खरीदार से लेकर इसके निर्माताओं और बेचने वालों पर भी सख्त कानून के दायरे में लाया जाए। अमेरिका की ही तरह पंजाब में पनप रही बन्दूक-संस्कृति को भी नियंत्रित किया जाना जरूरी है। अमेरिका में आए दिन ऐसी खबरें आती रही कि किसी सिरफिरे ने अपनी बंदूक से कहीं स्कूल में तो कभी बाजार में अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी और उसमें नाहक ही लोग मारे गए। इसके पीछे एक बड़ा कारण वहां आम लोगों के लिए हर तरह के बंदूकों की सहज उपलब्धता है और इन बन्दूकों का उपयोग मामूली बातों और उन्मादग्रस्त होने पर अंधाधुंध गोलीबारी में होता रहा है, जो गहरी चिन्ता का कारण बनता रहा।

हिंसा की बोली बोलने वाला, हिंसा की जमीन में खाद एवं पानी देने वाला, दुनिया में हथियारों की आंधी लाने वाला अमेरिका जब खुद हिंसा का शिकार होने लगा तो उसकी नींद टूटी हैं। अमेरिका की आधुनिक सभ्यता की सबसे बड़ी मुश्किल यही रही है कि यहां हिंसा इतनी सहज बन गयी है कि हर बात का जवाब सिर्फ हिंसा की भाषा में ही दिया जाने लगा। वहां हिंसा का परिवेश इतना मजबूत हो गया है कि वहां की बन्दूक-संस्कृति से वहां के लोग अपने ही घर में बहुत असुरक्षित हो गए थे। लंबे समय से बंदूकों की सहज उपलब्धता का खमियाजा उठाने के बाद वहां के लोगों ने अपने स्तर पर इसके खिलाफ मोर्चा खोलना शुरू कर दिया है और राष्ट्रपति जो बाइडेन को हथियारों के दुरुपयोग पर अंकुश से संबंधित कार्यकारी आदेश पर किये हस्ताक्षर करने को विवश होना पड़ा हैं। पिछले साल जून में भारी तादाद में लोगों ने सड़कों पर उतर कर बंदूकों की खरीद-बिक्री से संबंधित कानून को बदलने की मांग की। जरूरत इस बात की है कि इस समस्या के पीड़ितों को राहत देने के साथ-साथ बंदूकों के खरीदार से लेकर इसके निर्माताओं और बेचने वालों पर भी सख्त कानून के दायरे में लाया जाए। अमेरिका की ही तरह पंजाब में पनप रही बन्दूक-संस्कृति को भी नियंत्रित किया जाना जरूरी है। अमेरिका में आए दिन ऐसी खबरें आती रही कि किसी सिरफिरे ने अपनी बंदूक से कहीं स्कूल में तो कभी बाजार में अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी और उसमें नाहक ही लोग मारे गए। इसके पीछे एक बड़ा कारण वहां आम लोगों के लिए हर तरह के बंदूकों की सहज उपलब्धता है और इन बन्दूकों का उपयोग मामूली बातों और उन्मादग्रस्त होने पर अंधाधुंध गोलीबारी में होता रहा है, जो गहरी चिन्ता का कारण बनता रहा। आम जन-जीवन में किसी सिरफिरे व्यक्ति की सनक से किसी बड़ी अनहोनी का अन्देशा हमेशा वहां बना रहता है, वहां की आस्थाएं एवं निष्ठाएं इतनी जख्मी हो गयी कि विश्वास जैसा सुरक्षा-कवच मनुष्य-मनुष्य के बीच रहा ही नहीं। साफ चेहरों के भीतर कौन कितना बदसूरत एवं उन्मादी मन समेटे है, कहना कठिन है। अमेरिका की हथियारों की होड़ एवं तकनीकीकरण की दौड़ पूरी मानव जाति को ऐसे कोने में धकेल रही है, जहां से लौटना मुश्किल हो गया है। अब तो दुनिया के साथ-साथ अमेरिका स्वयं ही इन हथियारों एवं हिंसक मानसिकता का शिकार है। अमेरिका दुनिया पर आधिपत्य

स्थापित करने एवं अपने शस्त्र कारोबार को पनपाने के लिये जिस अपसंस्कृति को उसने दुनिया में फैलाया है, उससे पूरी मानवता कराह रही है, पीड़ित है। अमेरिका ने नई विश्व व्यवस्था (न्यू वर्ल्ड आर्डर) की बात की है, खुलेपन की बात की है लगता है "विश्वमानव" का दम घुट रहा है और घुटन से बाहर आना चाहता है। विडम्बना देखिये कि अमेरिका दुनिया का सबसे अधिक शक्तिशाली और सुरक्षित देश है लेकिन उसके नागरिक सबसे अधिक असुरक्षित और भयभीत नागरिक हैं। वहां की जेलों में आज जितने कैदी हैं, दुनिया के किसी भी देश में नहीं हैं। ऐसे कई वाकये हो चुके हैं कि किसी रेस्तरां, होटल या फिर जमावड़े पर अचानक किसी सिरफिरे ने गोलीबारी शुरू कर दी और बड़ी तादाद में लोग मारे गए। 2014 में अमेरिका में हत्या के कुल दर्ज करीब सवा चौदह हजार मामलों में अड़सठ फीसद में बंदूकों का इस्तेमाल किया गया था। खुद सरकार की ओर से कराए गए एक अध्ययन में यह तथ्य सामने आया था कि अमेरिका में सत्रह साल से कम उम्र के करीब तेरह सौ बच्चे हर साल बंदूक से घायल होते हैं। अमेरिकी प्रशासन को 'बंदूक संस्कृति' ही नहीं बल्कि हथियार संस्कृति पर भी अंकुश लगाना होगा, अब तो दुनिया को जीने लायक बनाने में उसे अपनी मानसिकता को बदलना होगा। कोई घातक हथियार साथ में होने के बाद मामूली बातों पर होने वाले झगड़े या फिर बेवजह ही किसी के उन्माद से ग्रस्त हो जाने पर कैसे नतीजे सामने आ सकते हैं, अमेरिका ने उसे करीब से देखा है, जहां हर साल सैकड़ों लोग इसकी वजह से मारे जाते हैं। किसी भी संवेदनशील समाज को इस स्थिति को एक गंभीर समस्या के रूप में देखना-समझना चाहिए। यह बेवजह नहीं है कि जिस अमेरिका में ज्यादातर परिवारों के पास अलग-अलग तरह की बंदूकें रही हैं, वहां अब इस हथियार की संस्कृति के खिलाफ आवाजें उठनी शुरू हो गई हैं। यह आवाज उठना बहुत जरूरी था, देर आये दुरस्त आये की कहावत के अनुसार अमेरिका की आंख खुली है तो अमेरिका के साथ दुनिया को एक शांति एवं अहिंसा का सन्देश जायेगा। निश्चित ही अमेरिका में हिंसा की इस संस्कृति पर नियंत्रण नितान्त जरूरी था। क्योंकि अमेरिका आज दुनिया में अपराध का सबसे बड़ा अड्डा है और हिंसा की जो संस्कृति उसने दुनिया में फैलाई, आज वह स्वयं उसका शिकार है। जाहिर है कि वहां होने वाली गोलीबारी की घटनाएं सैकडों लोगों के प्राण लेती रही है जो इस्लामी आतंकवाद की घटनाएं नहीं होती थी तो फिर यह क्या थी? यह ऐसा सवाल है, जो अमेरिकी सभ्यता को बेनकाब कर देता है। क्या यह अमेरिका की भौतिकतावादी एवं हिंसक संस्कृति की निष्पत्ति है? पीड़ितों के मानसिक आघात और अन्य मुश्किलों को समझते हुए अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने मंगलवार को बंदूक के दुरुपयोग पर अंकुश लगाने की दिशा में सार्थक पहल की है। इसके तहत बंदूक की बिक्री के दौरान की जाने वाली 'पृष्ठभूमि जांच' को बेहतर बनाया जाएगा। इसके जरिए बाइडेन ने मंत्रिमंडल को बंदूक हिंसा से जूझ रहे समुदायों के समर्थन के लिए एक बेहतर सरकारी तंत्र बनाने का निर्देश दिया है। यह छिपा नहीं है कि बिना किसी वजह के की गई गोलीबारी में किसी प्रियजन को गंवाने वालों को किस तरह के मानसिक आघात और अन्य मुश्किलों से जूझना पड़ता है। 'मन जो चाहे वही करो' की मानसिकता वहां पनपती है जहां इंसानी रिश्तों के मूल्य समाप्त हो चुके होते हैं, जहां व्यक्तिवादी व्यवस्था में बच्चे बड़े होते-होते स्वछन्द हो जाते हैं। 'मूड ठीक नहीं' की स्थिति में घटना सिर्फ घटना होती है, वह न सुख देती है और न दुःख। ऐसी स्थिति में आदमी अपनी अनंत शक्तियों को बौना बना देता है। यह दकियानूसी ढंग है भीतर की अस्तव्यस्तता को प्रकट करने का। ऐसे लोगों के पास सही जीने का शिष्ट एवं अहिंसक सलीका नहीं होता। वक्त की पहचान नहीं होती। ऐसे लोगों में मान-मर्यादा, शिष्टाचार, संबंधों की आत्मीयता, शांतिपूर्ण सहजीवन आदि का कोई खास ख्याल नहीं रहता। भौतिक सुख-सुविधाएं ही जीवन का अंतिम लक्ष्य बन जाता है। अमेरिकी नागरिकों में इस तरह का एकाकीपन उनमें गहरी हताशा, तीव्र आक्रोश और विषैले प्रतिशोध का भाव भर रहा है।

महिलाओं की पीड़ा समझने की जरूरत

महिलाओं की सुरक्षा के लिए बने कानून और प्रावधानों से राहत नहीं मिली है। ये कदम नाकाफी साबित हो रहे हैं और लगभग हर रोज ही बलात्कार और हत्याओं के कई और समाचार देखने-सुनने को मिल रहे हैं। मुद्दा दरअसल, ज्यादा बड़ा है और समस्या की जड़ें ज्यादा गहरी हैं। शायद सरकारी इंतजामों और कानूनी बदलावों के साथ-साथ सामाजिक परिवर्तन, बच्चों की परवशिर के तरीकों में बदलाव और हम सब की सोच में बदलाव कहीं ज्यादा आवश्यक है। सच तो यह है कि कमी ही यही है कि हमारी सोच में बदलाव के ज्यादा लक्षण नजर नहीं आ रहे, यही कारण है कि दिल्ली के जघन्य अपराध से जो शोर मचा वह अभी थमा भी नहीं था कि एक और बलात्कार की खबर आ गई और यह सिलसिला अब तक भी थमा नहीं है। पुरुषों और महिलाओं की समानताओं और विषमताओं की बहस शाश्वत है और यह भविष्य में भी जारी रहेगी। महिला अधिकारों के झंडाबरदारों ने महिला और पुरुष अधिकारों की समानता की मांग उठाकर इसे एक अलग ही रंग दे दिया।भारतीय संसद अभी तक महिला आरक्षण के बारे में अनिश्चित है, भारतीय समाज इस समस्या से अनजान है और भारतीय मीडिया के लिए यह एक फैशनेबल मुद्दा मात्र है। लेकिन चेन्नई की एक ब्लॉगर श्रीमती विशिदा कौशल ने इस संबंध में कई तर्कसंगत सवाल उठाये हैं।

अभी पिछले हफ्ते 8 मार्च को देश भर में रंगों के पर्व होली की धूम रही। इस वर्ष वृंदावन की होली, बरसाने की होली, और अभी इसी सप्ताह के पहले दिन रंग पंचमी के संदेशों की धूम रही। होली तो हो ली, लेकिन यह एक संयोग ही था कि इस वर्ष होली वाले दिन ही अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस भी था। हर साल की तरह महिला दिवस आया भी और चला भी गया। कार्यक्रम हुए, प्रस्ताव पास हुए, नारे लगे, अखबारों में खबरें छपीं और अब हम सब फिर से अपने-अपने काम में व्यस्त होने के लिए स्वतंत्र हैं। यह एक दुखद सत्य है कि जवानी के जोश में होने वाले प्यार और विवाह ही नहीं, बल्कि दो परिवारों द्वारा देखभाल के बाद होने वाले विवाह भी असफल हो रहे हैं। असफल होने वाले विवाहों में दंपत्ति पढ़े-लिखे भी थे, अच्छे पदों पर थे। सार्वजनिक स्थानों पर, बसों, ट्रेनों में और कार्यालयों में महिलाओं से छेड़छाड़ के मामलों में भी कोई ऐसा सुधार नहीं हुआ जिससे मन में कोई तसल्ली हो। बर्बर बलात्कार का किस्सा हो या प्यार में फंसी महिलाओं की हत्या का मामला हो, समाज में ऐसे कोई बदलाव नहीं हुए हैं कि महिलाएं स्वयं को सुरक्षित महसूस करना शुरू कर दें। महिलाओं की सुरक्षा के लिए बने कानून और प्रावधानों से राहत नहीं मिली है। ये कदम नाकाफी साबित हो रहे हैं और लगभग हर रोज ही बलात्कार और हत्याओं के कई और समाचार देखने-सुनने को मिल रहे हैं। मुद्दा दरअसल, ज्यादा बड़ा है और समस्या की जड़ें ज्यादा गहरी हैं। शायद सरकारी इंतजामों और कानूनी बदलावों के साथ-साथ सामाजिक परिवर्तन, बच्चों की परवरिश के तरीकों में बदलाव और हम सब की सोच में बदलाव कहीं ज्यादा आवश्यक है। सच तो यह है कि कमी ही यही है कि हमारी सोच में बदलाव के ज्यादा लक्षण नजर नहीं आ रहे, यही कारण है कि दिल्ली के जघन्य अपराध से जो शोर मचा वह अभी थमा भी नहीं था कि एक और बलात्कार की खबर आ गई और यह सिलसिला अब तक भी थमा नहीं है। पुरुषों और महिलाओं की समानताओं और विषमताओं की बहस शाश्वत है और यह भविष्य में भी जारी रहेगी। महिला अधिकारों के झंडाबरदारों ने महिला और पुरुष अधिकारों की समानता की मांग उठाकर इसे एक अलग ही रंग दे दिया। भारतीय संसद अभी तक महिला आरक्षण के बारे में अनिश्चित है, भारतीय समाज इस समस्या से अनजान है और भारतीय मीडिया के लिए यह एक फैशनेबल मुद्दा मात्र है। लेकिन चेन्नई की एक ब्लॉगर श्रीमती विदिशा कौशल ने इस संबंध में कई तर्कसंगत सवाल उठाये हैं। उनका कहना है कि जब हम बचपन में ही लडक़ों को 'जानवर' और लड़कियों को 'कोमल गुडिया' मानने लगते हैं तो भेदभाव वहीं से आरंभ हो जाता है। जब मांएं खेल के मैदान में छोटे बच्चों को पेड़ों की जड़ों में पेशाब करने देती हैं जबकि लड़कियों को बाकायदा शौचालय ले जाया जाता है, जब लड़कियों को धीमी आवाज में बात करने और बाकी बहन-भाइयों का ख्याल रखने की सीख दी जाती है लेकिन लडक़ों को इस ज़िम्मेदारी से छूट दी जाती है, और यह कह कर संतोष कर लिया जाता है कि 'लडक़े तो होते ही ऐसे हैं', और लड़कियों को सिखाया जाता है कि वे लडक़ों की बराबरी नहीं कर सकतीं, तो भेदभाव बढ़ता चला जाता है। श्रीमती कौशल कहती हैं कि रोने पर लडक़ों का मजाक उड़ाते हुए कहा जाता है 'क्या लड़कियों की तरह रो रहे हो', समाज के किसी भी आय वर्ग में अक्सर लडक़ों को घर की सफाई करने, खाना बनाने आदि की सीख नहीं दी जाती, लड़कियों को पैसे कमाने और संभालने की सीख नहीं दी जाती। अक्सर शादी के बाद भी महिलाएं जीवन बीमा, म्युचुअल फंड, बचत और निवेश के मामले में पति पर ही निर्भर रहती हैं। पुरुष प्रधान समाज में हालात ऐसे हैं कि यदि लड़कियों के साथ छोटी-मोटी छेडख़ानी हो तो वे उसकी उपेक्षा करने में ही अपनी भलाई समझती हैं, यहां तक कि वे अपने घर में भी कई बार ऐसी बातों की खुलकर शिकायत नहीं कर पातीं। महिलाओं पर अत्याचारों की बात छोड़ भी दें तो भी पुरुष समाज महिलाओं की विशिष्ट आवश्यकताओं से वाकिफ नहीं जान पड़ता। महिला अधिकारों के झंडाबरदारों ने महिला अधिकारों पर मीडिया का ध्यान आकर्षित करने में काफी सफलता प्राप्त की है। महिलाओं ने भी लगभग हर क्षेत्र में अपना सिक्का मनवाने में सफलता प्राप्त की है। इस सब के बावजूद महिलाओं की विशिष्ट आवश्यकताओं तथा मनःस्थितियों (फेमिनाइन नीड्स एंड मूड्स) के बारे में कोई सार्थक चर्चा देखने को नहीं मिलती। क्या यह आश्चर्यजनक नहीं कि सार्वजनिक स्थानों पर टायलेट की समस्या, माहवारी और गर्भावस्था के दौरान महिलाओं की देखभाल आदि के बारे में ज्यादातर पुरुष लगभग सारी उम्र पूर्णतः अनजान रहते हैं। जिन घरों में मां नहीं है, वहां बहनें या पुत्रियां अपने भाइयों और पिता को अपनी समस्या बता ही नहीं पातीं और अनावश्यक बीमारियों का शिकार बन जाती हैं। इसमें पुरुषों का दोष इसलिए नहीं है क्योंकि भारतीय समाज में पुरुषों को स्त्रैण आवश्यकताओं के बारे में शिक्षित ही नहीं किया जाता। महिलाओं के शोषण की कहानी सचमुच अजीब है।

पुरुष प्रधान समाज में अकेली महिलाओं की स्थिति अक्सर शोचनीय होती है और उन पर कई और नए बंधन लाद दिये जाते हैं। विधवा महिलाएं ससुराल में शेष सदस्यों के अधीन हो जाती हैं, परित्यक्ताएं और तलाकशुदा महिलाएं तो कई बार अपने मायके में भी दूसरे दर्जे की नागरिक बनकर रह जाती हैं। घर में सारा दिन काम करते रहने पर भी उन्हें कोई वेतन नहीं मिलता, स्वतंत्रता नहीं मिलती और अपेक्षित सम्मान नहीं मिलता। विधवाओं की कठिनाइयों के बारे में तो फिर गाहे-बगाहे बात होती रहती है लेकिन परित्यक्ताओं, तलाकशुदा एकल महिलाओं, किसी भी विवशतावश अविवाहित रह गई महिलओं की समस्याओं के बारे में हम शायद ज्यादा जागरूक नहीं हैं। सुश्री नलिनी राजन द्वारा संपादित पुस्तक 'ट्वेंटी फर्स्ट सेंचुरी जर्नलिज्म इन इंडिया' में अपने लेख 'दि जेंडर फैक्टर' में उन्होंने बताया है कि सन्2005 के सुनामी के कहर के कारण शरणार्थी कैंपों में महिलाओं की विशिष्ट आवश्यकताओं की ओर ध्यान न दिये जाने के कारण (महिलाओं के आंतरिक परिधान, सैनिटरी नैपकिन, खुले पानी की सुविधा वाले महिला टायलेट, माहवारी आदि के समय प्राइवेसी की आवश्यकता आदि) महिलाओं को अतिरिक्त परेशानियों का शिकार होना पड़ा क्योंकि शरणार्थी शिविरों का प्रबंध देखने वाले अधिकारी मूलतः पुरुष थे। हमें तय करना होगा कि हम अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर खुद से क्या चाहते हैं? क्या हम महिलाओं की समस्याओं, आवश्यकताओं, इच्छाओं, अपेक्षाओं आदि सभी बातों का ध्यान रखते हुए चर्चा करेंगे और समग्रता में सोचेंगे ताकि इस बार भी अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस सिर्फ एक औपचारिकता मात्र बनकर न रह जाए। इस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए मीडिया की भूमिका का भी जायजा लेना होगा और खुद हमें सोशल नेटवर्किंग साइट्स के जरिये तथा अन्य सभी साधनों से आवश्यक मुद्दों पर चर्चा करते रहना होगा और यह ध्यान रखना होगा कि यह चर्चा तब तक होती रहे जब तक महिलाओं से संबंधित महत्त्वपूर्ण समस्याओं का समाधान नहीं हो जाता।

देश दुनीया से

मिड डे मील में शामिल हो मोटा अनाज

संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा वर्ष 2023 को अंतरराष्ट्रीय मिलेट्स (मोटा अनाज) वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है जिसका नेतृत्व भारत कर रहा है। पूरी दुनिया में भारत सर्वाधिक मोटा अनाज पैदा करने वाला देश है। विश्व में मोटा अनाज उत्पादन का लगभग 41 प्रतिशत भारत में पैदा होता है। मोटे अनाज हमारी संस्कृति व सभ्यता का हिस्सा होने के साथ-साथ सस्ते और पोषण से भरपूर हैं। मोटे अनाज एनर्जी बार हैं तथा पोषण का पावर हाउस हैं। ज्वार, बाजरा, सांवा, कोदो, रागी, मंडवा, मक्का, चीना, कुट्टू और चौलाई जैसे मोटे अनाज यानी मिलेट्स आधुनिक सुपर फूड हैं। सरकार ने 2023-24 के बजट में मोटे अनाज को बढ़ावा देने हेतु अलग से एक योजना की शुरुआत की है जिसे 'श्री अन्न योजना' का नाम दिया गया है। इस योजना के माध्यम से देश में मोटे अनाज के उत्पादन और उसकी खपत को बढ़ावा दिया जाएगा। सरकारी स्कूलों में बच्चों में वृद्धि करने और कुपोषण की समस्या से निपटने हेतु 15 अगस्त 1995 को मिड-डे-मील योजना की शुरुआत की गई। इस योजना को विशेष उद्देश्य से आरंभ किया गया था। अधिकतर बच्चे खाली पेट स्कूल पहुंचते हैं। जो बच्चे स्कूल आने से पहले भोजन करते हैं उन्हें भी दोपहर तक भूख लग जाती है और वे अपना ध्यान पढ़ाई पर केंद्रित नहीं कर पाते। दोपहर का भोजन बच्चों की कुपोषण की समस्या दूर करता है तथा बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास में अहम भूमिका अदा करता है। यदि हम हिमाचल की बात करें तो प्रदेश के 10732 प्राइमरी स्कूलों के 306639 विद्यार्थियों और अपर प्राइमरी के 4783 स्कूलों के 212850 विद्यार्थियों को मिड-डे-मील दिया जाता है। प्री प्राइमरी कक्षाओं के 51000 बच्चों को भी मिड-डे-मील सुविधा प्रदत है। अगर हम विद्यार्थियों के स्वास्थ्य का आकलन करें तो प्रदेश में 26 फीसदी बच्चों का कद औसत से कम है, यानी बच्चे बौनेपन का शिकार हैं। वहीं आईजीएमसी शिमला के कार्डियोवेस्कुलर सर्जरी विभाग में दिल की सर्जरी के लिए आने वालों में बच्चे ज्यादा हैं। बहुत से बच्चों के दिल में छेद पाए जा रहे हैं। कई बच्चे एनीमियाग्रस्त हैं। भारत की राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण 2015-16 की रिपोर्ट के अनुसार हमारे देश में 14 साल से कम उम्र के बच्चे भी अवसाद का शिकार हैं। स्वास्थ्य विभाग के सर्वे के मुताबिक हिमाचल की आधी आबादी कुपोषण का शिकार है। प्रदेश का हर तीसरा मरीज मधुमेह पीड़ित है। भारत में सबसे अधिक टीबी के मामले हिमाचल में सामने आ रहे हैं। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन ने एनीमिया मुक्त हिमाचल के लिए अभियान शुरू किया है। केंद्र सरकार ने मिड-डे-मील योजना का नाम बदलकर प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना कर दिया है। बेहतर होगा कि नाम के साथ-साथ मिड-डे-मील की थाली का स्वरूप भी बदला जाए। बच्चों को रोज चावल ही दिए जाते हैं, यानी बच्चों की थाली मोटे अनाज से खाली है। अंतरराष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष 2023 तभी सार्थक होगा जब हम बच्चों को प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना में पोषण से भरपूर मोटा अनाज दें। आज देश के पांच सितारा होटलों में मोटे अनाज का प्रयोग सब्जियों एवं सलाद में हो रहा है। विद्यार्थियों को बाल्यवस्था से ही मोटे अनाज से रूबरू करवा देना चाहिए। बाजरे की रोटी, खिचड़ी, दलिया, भुना बाजरा थाली में परोसा जा सकता है। बाजरा आयरन का सबसे सस्ता स्त्रोत है। इससे विद्यार्थी एनीमिया मुक्त हो सकेंगे क्योंकि शरीर में हीमोग्लोबिन की कमी नहीं होगी। इसी प्रकार ज्वार व रागी की ब्रेड, बिस्कुट व केक भी थाली की शोभा बढ़ा सकते हैं। मोटे अनाज में ग्लूटेन की मात्रा बहुत कम होती है तथा रेशेदार होते हैं। इनका ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है। इसलिए मोटे अनाज उच्च शर्करा, मोटापे, पाचन समस्याओं, एनीमिया, शारीरिक कमजोरी को दूर करते हैं। हाल ही में बल्लभ महाविद्यालय मंडी की सहायक प्रोफेसर डा. तारा देवी सेन ठाकुर ने हिमाचली जड़ी-बूटियों से बनने वाले पास्ता की खोज की है। इस पास्ता में गिलोय पाउडर के अतिरिक्त अन्य स्वास्थ्यवर्धक जड़ी-बूटियों का प्रयोग किया गया है तथा इसमें कृत्रिम परिरक्षक भी नहीं हैं।

स्वास्थ्य विभाग के सर्वे के मुताबिक हिमाचल की आधी आबादी कुपो

न्यूजीलैंड में 7.1 तीव्रता का भूकंप: रिंग ऑफ फायर में मौजूद करमाडेक आईलैंड था केंद्र, अमेरिकी एजेंसी ने जारी की सुनामी की चेतावनी

वेलिंगटन।
न्यूजीलैंड के करमाडेक आईलैंड में गुरुवार सुबह भूकंप आया। जियोलॉजिकल सर्वे के मुताबिक, रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 7.1 रही। भूकंप का केंद्र जमीन से 10 किलोमीटर अंदर था। हालांकि, नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी का कहना है कि तीव्रता 6.8 थी और केंद्र जमीन से 41 किलोमीटर नीचे था। भूकंप के बाद स्तस ने न्यूजीलैंड में सुनामी की वॉर्निंग जारी की थी। हालांकि, न्यूजीलैंड की नेशनल इमरजेंसी मैनेजमेंट एजेंसी ने सुनामी का कोई खतरा नहीं होने की बात कही है। फिलहाल किसी तरह के नुकसान की खबर नहीं है।

15 फरवरी को 6.1 तीव्रता का भूकंप आया था – 15 फरवरी को न्यूजीलैंड में 6.1 तीव्रता का भूकंप आया था। राजधानी वेलिंगटन सहित ऑकलैंड और क्राइस्टचर्च शहर में लोगों ने करीब 30 सेकेंड झटके महसूस किए थे। इसका केंद्र परपरौमू शहर से 50 किलोमीटर दूर था। इसके कुछ ही देर बाद 4.0 तीव्रता का दूसरा झटका भी आया। इसका केंद्र साउथवेस्ट में तौमारुनुई शहर था। नुकसान की कोई खबर नहीं मिली थी। न्यूजीलैंड में भूकंप आते रहते हैं, क्योंकि ये दो टेक्टोनिक प्लेटों के जंक्शन के पास स्थित है। न्यूजीलैंड के अलावा पापुआ न्यू गिनी, ताइवान, वनुआतू और दूसरे प्रशांत द्वीपों में भूकंप आने की आशंका हमेशा बनी रहती है। यह इलाका महासागर के चारों ओर भूकंपीय फॉल्ट लाइनों की एक घोड़े की नाल के आकार की श्रृंखला– रिंग ऑफ फायर, के करीब स्थित है।

क्या है रिंग ऑफ फायर और टेक्टोनिक प्लेट्स – रिंग ऑफ फायर ऐसा इलाका है जहां कई कॉन्टिनेंटल के साथ ही ओशियनिक टेक्टोनिक प्लेट्स भी हैं। ये प्लेट्स आपस में टकराती हैं तो भूकंप आता है, सुनामी उठती है और ज्वालामुखी फटते हैं। दुनिया के 90प्रतिशत भूकंप इसी रिंग ऑफ फायर क्षेत्र में आते हैं। यह क्षेत्र 40 हजार किलोमीटर में फैला है। दुनिया में जितने सक्रिय ज्वालामुखी हैं, उनमें से 75प्रतिशत इसी क्षेत्र में हैं। 15 देश इस रिंग ऑफ फायर की जद में हैं। जापान, रूस, फिलिपींस, इंडोनेशिया, न्यूजीलैंड, अंटार्कटिका, कनाडा, अमेरिका, मैक्सिको, ग्वाटेमाला, कोस्टा रिका, पेरू, इक्वाडोर, चिली, बोलिविया।

न्यूज ब्रीफ

जहां कानून इजाजत देगा, वहां उड़ान भरेंगे: रूस की धमकी पर भड़का अमेरिका, दे डाली चेतावनी

वॉशिंगटन । रूस के लड़ाकू विमान द्वारा अमेरिका के सैन्य टोही ड्रोन को टक्कर मारकर गिराने की घटना के बाद से दोनों देशों में तनाव बढ़ गया है। इस मुद्दे पर रूस की रक्षा मंत्री और अमेरिका के रक्षामंत्री के बीच फोन पर बातचीत भी हुई। बातचीत में रूस ने अमेरिका पर उसकी जासूसी करने का आरोप लगाया। बातचीत के बाद अमेरिका के रक्षा मंत्री ने भी कह दिया है कि जहां तक अंतरराष्ट्रीय कानून इजाजत देंगे, वहां तक अमेरिका के विमान उड़ान भरेंगे। अमेरिका ने रूस को चेतावनी भी दी है कि वह सावधानी से अपने विमानों का संचालन करे। अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने बयान जारी कर कहा कि जहां-जहां अंतरराष्ट्रीय कानून उड़ान की इजाजत देते हैं, वहां अमेरिका अपने एयरक्राफ्ट उड़ाता रहेगा। यह रूस के ऊपर है कि वह अपने एयरक्राफ्ट को सुरक्षित और सही तरीके से संचालित करे। ड्रोन गिराने की घटना को अमेरिका ने रूस की लापरवाही और गलत रवैया करार दिया है। अमेरिका के सेना प्रमुख मार्क माइली ने कहा कि पेंटागन घटना के वीडियो का विश्लेषण कर रहा है और यह पता लगाने की कोशिश कर रहा है कि असर में हुआ क्या था। मार्क माइली ने कहा कि हम जानते हैं कि जानबूझकर हमारे ड्रोन को इंटरसेप्ट किया गया। हम जानते हैं कि यह जानबूझकर उग्र तरीके से किया गया और यह बेहद गलत और असुरक्षित है। वहीं रूसी रक्षा मंत्री सर्गेई सोइगु ने भी अमेरिकी रक्षा मंत्री के साथ बातचीत के दौरान अमेरिका पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि अमेरिका द्वारा रूस की जासूसी की जा रही है और अब ऐसी घटनाओं में बढ़ोतरी हुई है। इसी वजह से लड़ाकू विमान से ड्रोन टकराने की घटना हुई। रूस ने ये भी कहा है कि अमेरिका के रणनीतिक ड्रोन का क्रीमिया के तट पर उड़ान भरना उकसावे की कार्रवाई है।

निर्वासित चीनी कारोबारी गुओ वेंगुई गिरफ्तार, एक अरब अमेरिकी डॉलर की धोखाधड़ी की साजिश का आरोप

न्यूयार्क। भगोड़ा और निर्वासित चीनी कारोबारी गुओ वेंगुई को बुधवार (स्थानीय समय) को न्यूयॉर्क में वित्तीय साजिश के आरोप में गिरफ्तार किया गया। गुओ वेंगुई पर अपने हजारों ऑनलाइन फॉलोअर्स से एक अरब अमेरिकी डॉलर (यूएसडी) की ठगी करने का आरोप है। न्यूयॉर्क के दक्षिणी जिले के अमेरिकी न्याय विभाग ने एक बयान में यह जानकारी दी। गुओ वेंगुई और एक सह-प्रतिवादी ने गुओ की लोगों के बीच ऑनलाइन उपस्थिति का लाभ उठाते हुए कई तरह के वित्तीय रिटर्न और अन्य लाभों का वादा करके विभिन्न संस्थाओं और कार्यक्रमों में निवेश करने का लालच दिया। इस मामले में न्यूयॉर्क के दक्षिणी जिले के अमेरिकी अटॉर्नी डेमियन विलियम्स ने कहा कि भगोड़े कारोबारी पर उसके द्वारा ठगी किए गए पैसों से अपनी जेबें भरने का आरोप लगाया गया है, जिसमें उसके और उसके करीबी रिश्तेदारों द्वारा एक 50,000 वर्ग फुट की एक हवेली, 3.5 मिलियन अमेरिकी डॉलर की फेरारी और दो 36,000 यूएसडी के गद्दे की खरीदारी करना शामिल है। बयान के अनुसार, विलियम्स ने कहा कि इस पैसे का इस्तेमाल 37 मिलियन अमेरिकी डॉलर की लग्जरी याट के फंडिंग के लिए भी किया गया था। गुओ को माइल्स क्रोक के नाम से भी जाना जाता है। गुओ को पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के प्रशासन के साथ करीबी संबंध बनाने के लिए भी जाना जाता है, जिसमें पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शीर्ष सलाहकार स्टीव बैनन भी शामिल हैं। बैनन को गुओ की एक याट से संबंधित मामले में अगस्त 2020 में धोखाधड़ी मामले में गिरफ्तार किया गया था।

उत्तर कोरिया ने फिर दागी लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल, गिरने से पहले 1,000 किमी तक भरी उड़ान

सियोल । उत्तर कोरिया ने गुरुवार सुबह एक बार फिर अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल दागी। दक्षिण कोरिया की सेना ने यह जानकारी दी है। दक्षिण कोरिया की सेना ने कहा कि प्योंगयांग से स्थानीय समयानुसार बैलिस्टिक मिसाइल लॉन्च किए जाने के बाद कोरियाई प्रायद्वीप के पूर्वी समुद्री जल क्षेत्र की ओर उड़ी। वहीं, जापानी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि मिसाइल ने जापान के द्वीप से 250 किमी दूर गिरी। इससे पहले यह लगभग 70 मिनट तक 6,000 किमी से अधिक की ऊंचाई पर लगभग 1,000 किलोमीटर तक उड़ान भरी।

ब्रिटिश रॉयल फैमिली पर आरोप

शादी से पहले प्रिंसेस डायना-केट मिडलटन के फर्टिलिटी टेस्ट कराए, वजह- दोनों शाही परिवार से नहीं थीं

लंदन।
ब्रिटेन का शाही परिवार एक बार फिर गलत वजह से चर्चा में है। हाल ही में पब्लिश एक किताब में शाही परिवार को लेकर कुछ नए खुलासे हुए हैं। इनमें एक दावा चौंकाने वाला है। इसके मुताबिक- रॉयल फैमिली की पूर्व सदस्य प्रिंसेस डायना को 1981 में प्रिंस चार्ल्स से शादी के पहले फर्टिलिटी टेस्ट से गुजरना पड़ा था। खास बात यह है कि उस वक्त डायना को इस टेस्ट के बारे में अंदाजा भी नहीं था। प्रिंसेस डायना की बहू केट मिडलटन (प्रिंस विलियम की पत्नी) ने भी शादी से पहले 2011 में यह टेस्ट कराया था। इसकी वजह यह थी कि दोनों ही महिलाएं किसी शाही परिवार से नहीं आती थीं।

टॉम क्विन की नई किताब में दावा – ब्रिटेन के शाही परिवार के करीबी रहे टॉम क्विन ने एक किताब लिखी है और आजकल इस पर वर्ल्ड मीडिया काफी चर्चा कर रहा है। किताब का नाम है- गिल्डेड यूथ : एन इंटिमेट हिस्ट्री ऑफ ग्रोइंग अप इन द रॉयल फैमिली। इस किताब में एक चैप्टर प्रिंसेस डायना और प्रिंसेस केट मिडलटन पर है। इसमें लेखक ने एक अहम खुलासा किया है। इसके मुताबिक- 1981 में जब प्रिंस चार्ल्स और डायना की शादी हुई तो डायना का फर्टिलिटी टेस्ट कराया गया था। इससे भी खास बात यह है कि डायना को यह पता ही नहीं था कि उन्हें हॉस्पिटल जनरल मेडिकल चेकअप के लिए लाया गया है या किसी और वजह से। वो इसे अपनी होने वाली ससुराल की तरफ से कराया जाने वाला एक रूटीन टेस्ट ही समझ रहीं थीं। रिपोर्ट में इस किताब के हवाले से कहा गया- तब लेखक (टॉम क्विन) की मुलाकात प्रिंसेस डायना से हुई थी। इसमें डायना ने टॉम से कहा था- मैं तो यह समझकर हॉस्पिटल गई थी कि यह प्री-मैरिटल चेकअप होगा, जिसमें जनरल हेल्थ स्टेटस पता लगाया जाता है। बाद में मुझे पता लगा कि यह तो हकीकत में एक फर्टिलिटी टेस्ट था। उस वक्त मैं नादान थी, कुछ समझ भी नहीं सकी थी। 2011 में प्रिंसेस डायना के बेटे प्रिंस विलियम ने केट मिडलटन से शादी का ऐलान किया। शादी के पहले केट मिडलटन का भी यही फर्टिलिटी टेस्ट कराया गया था। हालांकि, केट ने कभी इस बारे में कुछ नहीं कहा। ब्रिटेन के शाही परिवार में यह परंपरा है कि अगर उनके परिवार का कोई लड़का (प्रिंस) किसी ऐसी लड़की से शादी कर रहा जो किसी दूसरी रॉयल फैमिली की मेंबर नहीं है, तो उसको इस फर्टिलिटी टेस्ट से गुजरना पड़ता है। इसकी वजह यह है कि ब्रिटिश रॉयल फैमिली शादी से पहले ही यह तय कर लेना चाहती है कि भविष्य में यह लड़की मां बन सकेगी या नहीं। मुझे लगता है कि अगर टेस्ट में यह पाया जाता कि केट को मां बनने में दिक्कत आ सकती है तो शायद उनकी प्रिंस विलियम से शादी ही नहीं होती। विलियम और केट की शादी 29 अप्रैल 2011 को लंदन के वेस्टमिंस्टर एबे में हुई थी। शादी में करीब 1900 मेहमानों को न्योता दिया गया था। शादी के लिए बेहद स्पेशल केक बनवाया गया था। इस दौरान ब्रिटेन में पब्लिक हॉलीडे डिक्लेयर किया गया था। केट मिडलटन आज तीन बच्चों की मां हैं। बच्चों के नाम हैं- प्रिंस जॉर्ज, प्रिंसेस चार्लोट और प्रिंस लुइस। तीन महीने पहले ब्रिटिश शाही परिवार के सदस्य और प्रिंस विलियम के छोटे भाई प्रिंस हैरी ने दो काम किए। नेटफ्लिक्स ने उन पर डॉक्यूमेंट्री जारी की। इसके पहले उनकी किताब 'स्पेयर' पब्लिश हुई। दोनों ही मौकों पर कई खुलासे हुए और इस तरह नए विवाद भी पैदा हुए।

प्रिंस हैरी ने स्पेयर में लिखा है कि जब प्रिंसेस डायना यानी उनकी मां की मौत हुई तो किंग चार्ल्स ने उन्हें गले तक नहीं लगाया। चार्ल्स ने सोते हुए प्रिंस हैरी को उठाया और कहा उनकी मां का एक्सीडेंट हुआ है। हैरी ने अपनी मां की मौत के बाद पेरिस की उस जगह पर कार चलाई ताकि उनकी मौत के बारे में कुछ पता चल सके, लेकिन वहां जाकर वो और उलझ गए और उनके मन में कई तरह के सवाल चलने लगे। हैरी ने किताब में यह भी लिखा है कि प्रिंस हैरी और प्रिंस विलियम को कैमिला पसंद नहीं थीं। दोनों भाईयों ने अपने पिता यानी किंग चार्ल्स से कहा था कि वो उनसे शादी न करें। उन्हें डर था कि कैमिला उनकी सौतेली मां बनाकर उन्हें परेशान करेंगी। किताब में यह भी बताया है कि कैमिला ने दोनों भाईयों से अलग- अलग मुलाकात की थीं। हैरी ने किताब में यह भी लिखा है कि जब वो पहली बार एटोन कॉलेज गए तो पहले से वहां पढ़ रहे प्रिंस विलियम को यह अच्छा नहीं लगा था। किताब के मुताबिक प्रिंस विलियम ने उन्हें कहा- यहां तुम मुझे नहीं जानते हैरोल्ड (प्रिंस हैरी का पूरा नाम) और मैं तुम्हें नहीं जानता हूं। अभी तक मेरे दो साल यहां अच्छे से गुजरे हैं। मुझ पर छोटे भाई का बोझ नहीं रहा है। जो अपने सवालों से और मेरे सोशल सर्किल में दखल अंदाजी करता हो। इस पर प्रिंस हैरी ने प्रिंस विलियम से कहा था- भाई आप चिंता न करें, मैं भूल जाउंगा की मैं आपको जानता हूं।

पाकिस्तान में आतंकी हमलों में मरने वालों की संख्या में रिकॉर्ड बढ़ोतरी, अफगानिस्तान में आई कमी

इस्लामाबाद ।
पाकिस्तान में आतंकी घटनाओं में मरने वाले लोगों की संख्या में साल 2022 में रिकॉर्ड बढ़ोतरी दर्ज की गई है। एक रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान में साल 2022 में आतंकी घटनाओं में 643 लोगों की मौत हुई, जो कि बीते साल की 292 मौतों के मुकाबले करीब 120 फीसदी ज्यादा है। ऑस्ट्रेलिया स्थित इंस्टीट्यूट फॉर इकोनोमिक्स एंड पीस की सालाना ग्लोबल टेरेरिज्म इंडेक्स रिपोर्ट यह आंकड़े दिए गए हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि अफगानिस्तान में आतंकी घटनाओं में होने वाली मौतों की संख्या में कमी आई है। बता दें कि साल 2022 में पाकिस्तान में आतंकी घटनाओं में होने वाली मौतों की संख्या दूसरी सबसे ज्यादा है। पहले नंबर पर अफ्रीकी देश बुर्किनी फासो है, जहां 2022 में आतंकी घटनाओं में 1135 लोगों की मौत हुई। बुर्किनी फासो में 2021 में 759 लोगों की मौत हुई थी। पाकिस्तान में आतंकी घटनाओं में मरने वाले लोगों में 55 फीसदी सेना या पुलिस के जवान हैं। पाकिस्तान में टीटीपी और ब्लूचिस्तान लिब्रेशन आर्मी सबसे खतरनाक आतंकी संगठन रहे, जिन्होंने पड़ोसी देश में कई बड़े आतंकी हमलों को अंजाम दिया

रिपोर्ट के अनुसार, साल 2007 से 2022 तक पाकिस्तान में आतंकी हमलों में 14,920 लोगों की मौत हुई है। पाकिस्तान में अफगानिस्तान सीमा के इलाकों में आतंकी घटनाएं ज्यादा हुई हैं। रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान की कुल आतंकी घटनाओं में से 63 फीसदी अफगानिस्तान सीमा के इलाकों में घटी। वहीं कुल मौतों में से 74 फीसदी यहीं पर हुईं। ब्लूचिस्तान लिब्रेशन आर्मी के हमलों में पाकिस्तान में 2022 में 77 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। पाकिस्तान में इस्लामिक स्टेट खुरासान का भी प्रभाव बढ़ रहा है और इस आतंकी संगठन ने पाकिस्तान में 2022 में 23 आतंकी हमले किए, जिनमें 78 लोगों की मौत हुई। ग्लोबल टेरेरिज्म इंडेक्स की रिपोर्ट में अफगानिस्तान को सबसे ज्यादा आतंकवाद प्रभावित देश बताया गया है। हालांकि एक अच्छी बात ये है कि अफगानिस्तान में आतंकी घटनाओं में होने वाली मौतों में साल 2022 में 58 फीसदी की कमी आई है। साथ ही आतंकी घटनाएं भी 75 फीसदी तक घट गई हैं। अफगानिस्तान में साल 2022 में आतंकी घटनाओं में 633 लोगों की मौत हुई, जबकि 2021 में यह आंकड़ा 1499 था।

ब्रिस्बेन में भारतीय दूतावास को खालिस्तानी समर्थकों ने कराया बंद, हिंदुओं के खिलाफ लहराए पोस्टर

ब्रिस्बेन।
ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज द्वारा देश में भारत विरोधी तत्वों पर अंकुश लगाने के आश्वासन के कुछ दिनों बाद ब्रिस्बेन में भारतीय वाणिज्य दूतावास को खालिस्तान समर्थकों ने बंद करने के लिए मजबूर किया। द ऑस्ट्रेलिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, ब्रिस्बेन के टारिंगा उपनगर में स्वान रोड पर स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास में अभद्र नारेबाजी की और हिंदुओं को सर्वोच्चतावादी लिखे पोस्टर लहराए। क्वींसलैंड पुलिस ने कहा कि यह एक अनधिकृत भीड़ थी। हिंदू मानवाधिकार की निदेशक सारा एल गेट्स ने द ऑस्ट्रेलिया टुडे को बताया कि सिख फॉर जस्टिस ने अपने प्रचार के साथ उन्हें निशाना बनाने के बाद सुरक्षा चिंताओं के कारण आज भारतीय वाणिज्य दूतावास को बंद करने के लिए मजबूर किया। गेट्स ने कहा कि वे खालिस्तान जिंदाबाद के नारे लगा रहे थे। उन्होंने कहा कि इलाके में भारी पुलिस बल मौजूद है। बता दें कि हाल ही में भारत यात्रा पर आए ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऑस्ट्रेलिया में खालिस्तानी संगठनों द्वारा की गई गड़बड़ी पर चर्चा की थी, जिसमें अल्बनीज ने शांति बरतने के सभी उपाय करने का आश्वासन दिया था। ऑस्ट्रेलिया में भारत की कॉन्सुलेट अर्चना सिंह को घटनास्थल से एक खालिस्तानी झंडा मिला था। उन्होंने तत्काल इसकी सूचना क्वींसलैंड पुलिस को दी।

अर्चना सिंह ने बताया कि हमें पुलिस और अधिकारियों पर पूरा भरोसा है। एक अन्य पत्रकार ने कहा कि अब तक भारतीय मूल के ऑस्ट्रेलियाई लोगों पर हमले हो रहे थे, लेकिन अब खालिस्तानी समर्थक भारत सरकार से संबंधित संस्थानों को भी निशाना बना रहे हैं। कुछ दिनों पहले ब्रिस्बेन में खालिस्तानियों ने एक हिंदू मंदिर को भी निशाना बनाया था। मार्च की शुरुआत में खालिस्तान समर्थकों ने श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर में तोड़फोड़ की थी। हिंदू मानवाधिकार की निदेशक सारा गेट्स ने कहा कि यह साफतौर पर ऑस्ट्रेलिया में हिंदुओं को डराने की कोशिश है। हमले के बाद हिंदू समुदाय के लोगों ने मंदिर की दीवारों से हिंदू विरोधी नारों को साफ किया था।

कौन हैं रवि चौधरी, जिन्हें अमेरिकी वायुसेना में सहायक सचिव बनाया गया, ये होगी जिम्मेदारी

वॉशिंगटन ।
अमेरिकी सिनेट ने बुधवार को भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिक रवि चौधरी को यूएस एयरफोर्स का असिस्टेंट सेक्रेटरी यानी सहायक सचिव बना दिया है। रवि एयरफोर्स में ऊर्जा, इंस्टॉलेशन और पर्यावरण संबंधी मामलों की जिम्मेदारी निभाएंगे। सीनेट में हुई वोटिंग के दौरान चौधरी के पक्ष में 65 वोट पड़े। 29 सदस्यों ने उनके खिलाफ वोट डाला। उन्हें पेंटागन (अमेरिकी सेना मुख्यालय) में टॉप सिविलियन लीडरशिप के पदों में से एक पद मिला है। चौधरी वायुसेना के सहायक सचिव बनने वाले पहले भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिक हैं। वह मिनिएपोलिस के रहने वाले हैं। रवि चौधरी अब तक फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) के वाणिज्यिक अंतरिक्ष परिवहन मिशन के समर्थन में उन्नत विकास और अनुसंधान कार्यक्रमों के निष्पादन के लिए जिम्मेदार थे। परिवहन विभाग में रहते हुए उन्होंने क्षेत्रों और केंद्र संचालन के कार्यकारी निदेशक के रूप में भी काम किया, जहां उन्होंने नौ क्षेत्रों में विमानन संचालन के एकीकरण और समर्थन को देखा। रवि चौधरी ने अमेरिकी

वायुसेना में 1993 से 2015 तक पायलट के रूप में एक्टिव ड्यूटी की है। उन्होंने अफगानिस्तान और इराक में हुई लड़ाई में हिस्सा लिया है। वायुसेना से रिटायर होने के बाद चौधरी ने फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन के कमर्शियल स्पेस ऑफिस में पांच साल काम किया। पूर्व राष्ट्रपति ओबामा ने उन्हें एशियाई अमेरिकियों और प्रशांत द्वीपसमूह पर राष्ट्रपति के सलाहकार आयोग में सेवा देने के लिए नियुक्त किया था। इस भूमिका में उन्होंने एएपीआई समुदाय के लिए पूर्व सैनिकों के समर्थन में सुधार के लिए कार्यकारी शाखा के प्रयासों पर राष्ट्रपति को सलाह दी। इससे पहले अपने करियर में उन्होंने ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम (जीपीएस) के लिए स्पेस लॉन्च ऑपरेशंस के लिए काम किया और पहले जीपीएस समूह की पूर्ण परिचालन क्षमता सुनिश्चित करने के लिए तीसरे चरण और उड़ान सुरक्षा गतिविधियों का नेतृत्व किया। एक सिस्टम इंजीनियर के रूप में चौधरी ने नासा के अंतरिक्ष यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए नासा के अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन सुरक्षा गतिविधियों का समर्थन भी किया। जॉर्जटाउन विश्वविद्यालय डीएलएस से एग्जिक्यूटिव लीडरशिप और इनोवेशन में स्पेशलाइजिंग डॉक्टरेट की उपाधि ली है। सेंट मैरी यूनिवर्सिटी से एमएस इन इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग की पढ़ाई की है। एयर यूनिवर्सिटी से ऑपरेशनल आर्ट्स एंड मिलिट्री साइंस में एमए की पढ़ाई की है। यूएस एयरफोर्स एकेडमी से एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई की है।

तिहाड़ जेल में बंद ब्रिटिश सिख ने यातना देने का किया दावा, सरकार ने कहा- यूके कोर्ट स्वीकार नहीं करे

लंदन।

भारतीय मूल के एक ब्रिटिश सिख व्यक्ति ने भारतीय पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए हैं, लेकिन ब्रिटिश सरकार ने उसके आरोपों को स्वीकार नहीं किया है। ब्रिटेन सरकार ने लंदन में उच्च न्यायालय को बताया कि एक ब्रिटिश सिख व्यक्ति का आरोप है कि हत्या के आरोप में हिरासत में रहने के दौरान उसे भारतीय पुलिस द्वारा प्रताड़ित किया गया था, जिस पर गुप्त रूप से ब्रिटेन में सुनवाई होनी है, इसे कानूनी चुनौती के हिस्से के रूप में स्वीकार नहीं किया जाए।

स्काटलैंड के डमबर्टन में रहने वाले 36 वर्षीय जगतार सिंह जोहल को 2017 में गिरफ्तार किया गया था। उस समय वह पंजाब में अपनी शादी के लिए आया हुआ था और वर्तमान में वह नई दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद है। ब्रिटेन का एक मानवाधिकार संगठन रेप्राइव जोहल के कानूनी दावे का समर्थन कर रहा है। रेप्राइव का कहना है कि हो सकता है कि ब्रिटिश एजेंसियां एम 15 और एम 16 ने भारतीय अधिकारियों के साथ खुफिया जानकारी साझा करके उसे गिरफ्तार कराया हो और उसकी हिरासत और यातना में योगदान दिया हो। इस सप्ताह अदालत में बीबीसी द्वारा कागजात देखे जाने के बाद सरकार के वकीलों ने कहा कि संदेह से बचने के लिए, पंजाब पुलिस द्वारा यातना या अमानवीय या अपमानजनक बर्ताव के आरोपों को स्वीकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने यह भी कहा कि यूके सरकार जोहल को हुई किसी भी व्यक्तिगत चोट, नुकसान या क्षति के लिए कानूनी जिम्मेदारी में योगदान देने से इनकार करती है।जोहल को हिरासत में लिए जाने के बाद ब्रिटिश उच्चायोग के कांसुलर कर्मचारियों द्वारा दौरा किए जाने के दौरान बिल्कुल ठीक था और उसके शरीर पर चोट के कोई निशान दिखाई नहीं दिए थे।

जोहल के परिवार और कानूनी प्रतिनिधियों का दावा है कि यह सफाई उनके मामले में ब्रिटेन सरकार के अधिकारियों द्वारा दिए गए सार्वजनिक और अन्य बयानों से अलग है, और उस सामग्री को चुनिंदा रूप से उद्धृत किया गया है। लेघ डे सॉलिसिटर और रेप्राइव के जोहल के वकील इस मामले से निपटने के लिए ब्रिटिश सरकार से अदालत में माफी मांगने की मांग कर रहे हैं।

एक बयान में विदेश कार्यालय के एक प्रवक्ता ने कहा कि ब्रिटेन सरकार के खिलाफ जोहल द्वारा लगाया गया आरोप चल रही अदालती कार्यवाही का विषय है और इस पर किसी तरह की टिप्पणी करना उचित नहीं होगा। लंदन में उच्च न्यायालय में गुप्त रूप से सुनवाई की तिथि अभी निर्धारित की जानी है।

पिछले कुछ वर्षों में जोहल की गिरफ्तारी और हिरासत का मुद्दा ब्रिटेन की संसद में भी उठाया गया है। हाल ही में जनवरी के अंत में जब विदेश, राष्ट्रमंडल और विकास कार्यालय (एफसीडीओ) के संसदीय अवर सचिव ने सांसदों को बताया था कि यह मुद्दा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ उनके ब्रिटिश समकक्षों द्वारा बैठकों के दौरान उठाया गया था। एफसीडीओ मंत्री लियो डोचर्टी ने 19 जनवरी को हाउस ऑफ कॉमन्स में बहस के दौरान कहा था कि मैं सदस्यों को आश्वस्त करता हूं कि हम जोहल और उनके परिवार का समर्थन करने के लिए उच्चतम स्तर पर जो कर सकते हैं वह कर रहे हैं, और हम ऐसा करना जारी रखेंगे। हम इस लंबे और जटिल मामले का समाधान चाहते हैं।

उन्होंने कहा, वह कई आरोपों का सामना कर रहा है। उनमें से कुछ में ट्रायल शुरू हो गया है। हमारे कांसुलर कर्मचारी पूरी प्रक्रिया के दौरान घटनाक्रम की बारीकी से निगरानी करते रहेंगे। जोहल पर भारत में हत्या की साजिश सहित नौ आरोप हैं, जिसमें मौत की सजा का प्रावधान है।

जगतार सिंह जोहल दक्षिणपंथी हिंदू नेताओं के टारगेट किलिंग में शामिल होने के आरोप में भारतीय जेल में कैद है। जगतार सिंह जोहल पर आरएसएस नेता ब्रिगेडियर, जगदीश गगनेजा समेत कई और नेताओं के टारगेट किलिंग में शामिल होने का आरोप लगा था।

बजट सत्र : प्रदेश में प्रशासन ने शहरों के संग अभियान में साढ़े सात लाख से अधिक पट्टे बांटे

जयपुर (हिंस)। प्रदेश में प्रशासन शहरों के संग अभियान के अंतर्गत अब तक 7 लाख 71 हजार से अधिक पट्टे जारी किए जा चुके हैं। साथ ही, अभियान के तहत भवन मानचित्र, नाम हस्तांतरण, उपविभाजन, पुनर्गठन, लीज आदि के भी लगभग 18 लाख 18 हजार आवेदनों का निस्तारण किया जा चुका है। स्वायत्त शासन मंत्री शांति कुमार धारीवाल ने बुधवार रात विधानसभा में ये जानकारी दी। धारीवाल बुधवार को विधानसभा में स्वायत्त शासन विभाग की अनुदान मांग पर हुई बहस का जवाब दे रहे थे। चर्चा के बाद सदन ने स्वायत्त शासन विभाग की 103 अरब 72 करोड़ 84 लाख 38 हजार रुपए की अनुदान मांगें ध्वनिमत से पारित कर दी। धारीवाल ने बताया कि इंदिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी योजना के अंतर्गत 800 करोड़ रुपए का बजट प्रावधान किया गया है। वर्ष 2023-24 के बजट में योजना के तहत प्रतिवर्ष प्रति परिवार रोजगार दिवस की संख्या 100 से बढाकर 125 दिन कर दी गई है। उन्होंने बताया कि वर्तमान

में योजना में 4.61 लाख जॉब कार्ड जारी किए गए हैं एवं 7.10 लाख व्यक्तियों का पंजीकरण किया गया है। स्वायत्त शासन मंत्री ने बताया कि इंदिरा रसोई योजना के अंतर्गत अब तक 10.59 करोड़ भोजन थालियां परोसी गई हैं। योजना के अंतर्गत जरुरतमंदों को 8 रुपए में शुद्ध एवं पौष्टिक भोजन सम्मानपूर्वक बैठाकर दिया जा रहा है। धारीवाल ने बताया कि स्मार्ट सिटी मिशन के अंतर्गत 421 परियोजनाओं में से 345 का कार्य पूर्ण कर लिया गया है तथा 46 प्रगतिरत है। इस योजना में राजस्थान ने पूरे देश में द्वितीय स्थान प्राप्त किया है। उन्होंने बताया कि अटल नवीनीकरण एवं शहरी परिवर्तन मिशन (अमृत) योजना के अंतर्गत विगत 4 वर्ष में 29 शहरों में सीवरेज, जलप्रदाय, ड्रेनेज एवं ग्रीन स्पेस आदि विकास कार्यों के लिए 1945 करोड़ रुपए व्यय किए गए हैं। अमृत 2.0 के अंतर्गत 26 शहरों में सीवरेज की कुल 3528 करोड़ की परियोजनाएं स्वीकृत की गई है। धारीवाल ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत दिसंबर 2018 से अब तक 1 लाख 56 हजार 316 आवास स्वीकृत कर गरीब एवं आवासहीन लोगों को 94 हजार 22 आवास सुपुर्द किए गए हैं। उन्होंने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) के अंतर्गत 3.68 लाख घरेलू शौचालयों तथा 22 हजार 547 सामुदायिक एवं सार्वजनिक शौचालयों का निर्माण कर 196 शहरी स्थानीय निकायों को खुले में शौच से मुक्त (ओडीएफ) किया जा चुका है। स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) 2.0 की राशि जारी करने हेतु एक्शन प्लान भारत सरकार को भिजवाया जा चुका है।

सरकार आने पर भाजपा सरकार के घोटालों की होगी जांच : कांग्रेस

यमुनानगर (हिंस)। हरियाणा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष उदयभान राज्य सरकार की नीतियों और महंगाई को लेकर भाजपा पर जमकर बरसे। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में आज जनता सड़कों से लेकर दफ्तरों तक धक्के खाने पर मजबूर है। हमारी सरकार आने पर भाजपा सरकार के घोटालों की जांच होगी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष उदयभान गुरुवार को यहां जगाधरी के लोक निर्माण विभाग के विश्रामगृह में पत्रकारों से वार्ता कर रहे थे। उदयभान कांग्रेस के 2 अप्रैल को यमुनानगर में होने वाले *विपक्ष आपके समक्ष* कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा करने आए थे। प्रदेशाध्यक्ष उदयभान ने भाजपा पर आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा सरकार में आज जनता सड़कों से लेकर दफ्तरों तक धक्के खाने पर मजबूर है। बुढ़ापा पेंशन के रूप में देवीलाल के समय से बुजुर्गों का सम्मान होता था, इस सरकार ने वो भी छीन लिया है। बीपीएल कार्ड से लाखों लोगों के नाम काट दिए गए है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार आने पर जनता को इन सभी परेशानियों से मुक्त कर दिया जाएगा और राज्य सरकार में चल रहे घोटालों की जांच की जाएगी। उन्होंने कहा कि आज प्रदेश की जनता पिछले नौ बरस से भाजपा के कुशासन से तंग आ चुकी है। उन्होंने कहा कि महंगाई अपनी चरम पर है। कानून व्यवस्था और बेरोजगारी पर हरियाणा नंबर वन बन चुका है। उन्होंने कहा कि आज प्रदेश में 1 लाख 82 हजार पद खाली पड़े है। आज प्रदेश में पैदा होने वाला बच्चा 1 लाख 18 हजार रुपए कर्ज के साथ पैदा होता है। उन्होंने प्रदेश सरकार पर आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने गौतम अडानी को हर तरह से लूटने की छूट दे रखी है। प्रदेश में एक हजार चार सौ 40 मेगावाट बिजली के लिए हुड्डा सरकार ने सन 2035 तक का 2 रुपए 94 पैसे प्रति यूनिट का करार किया था। लेकिन करार जारी ना रखने पर खट्टर सरकार ने उस पर कोई जुर्माना नही लगाया। प्रदेश को सात रुपए और 11 रुपए के दाम से बिजली खरीदनी पड़ी। जिससे प्रदेश को एक हजार एक सौ 24 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। पत्रकार वार्ता के दौरान पूर्व मंत्री सुभाष चौधरी भी उपस्थित थे।

फिल्म गबरू गैंग में दिखेगा हर तड़का : अभिनेत्री आरती

जोधपुर (हिंस)। रमैया वस्तामैया, एक्शन-जैक्शन सहित कई साउथ व पंजाबी फिल्मों में किरदार निभा चुकीं अभिनेत्री आरती पुरी ने कहा कि आने-वाली फिल्म गबरू गैंग में दर्शकों को हर तड़का देखने को मिलेगा। दुनिया के सबसे बड़े पतंग फेस्टिवल पर आधारित इस फिल्म की कहानी पूरी अलग है, इसमें पंजाबी सिंगर दिलेर पाजी का गाना भी शामिल किया गया है। घातक फिल्म के चाइल्ड आर्टिस्ट मुन्ना बहादुर उर्फ गौरव के शादी समारोह में शामिल होने आई आरती ने गुरुवार को प्रेसवार्ता में कहा कि पंजाब में जन्म लेने के बाद पंजाबी से लेकर साउथ व बॉलीवुड में फिल्मों से लेकर सीरिल्स में भी अभिनय किया। अभिनय के बाद अब प्रोडक्शन हाउस में कार्य करने जा रही हूं। एक सवाल के जवाब में उन्होने कहा कि महेश पुरोहित के साथ जोधपुर शहर को करीब से देखा। यहां की अपणायत से लेकर खान-पान का कोई जवाब नहीं है। घातक फिल्म में कात्या (डैनी) से भिड़ने वाले चाइल्ड आर्टिस्ट मुन्ना बहादूर गौरव पुरोहित फिल्मों के बाद पिछले कुछ समय से विदेश में बिजनेसमैन के तौर पर अपनी पहचान बना चुके है। गौरव के जोधपुर में शुरू हुए दो दिवसीय विवाह समारोह में नकारात्मक को सकारात्मक में बदलने वाले आयुष गुप्ता रेकी ने कहा कि वे अब तक अमिताभ बच्चन के साथ कई सितारों से मुलाकात कर चुकें है। उनकी प्रतिभा देख बॉलीवुड का हर सितारा दंग रह गया। प्रेसवार्ता में खोया-खोया सा रहता है दिल मेरा, सुनो ना मेरे संग... के साथ द कपिल शर्मा शो के लेखक व सिंगर सुधीर त्रिवेदी, विजे कीर्ति, साउथ व बॉलीवुड सेलिब्रिटी फोटोग्राफर श्वेता मन्ना, ये रिश्ता क्या कहलाता है, इस प्यार को क्या नाम दूं सहित कई सीरियल्स व फिल्मों के गानों में अपनी आवाज दे चुकीं प्लेबैक सिंगर अनुप्रिया चेटर्जी सहित कई अन्य सितारे भी शादी समारोह में भाग ले रहे है। 27 साल पहले सन्नी देओल की घातक फिल्म में मुन्ना बहादुर का किरदार निभाने गौरव जोधपुर के ही रहने वाले है। समारोह के पहले दिन हल्दी रस्म हुई।

मेवात पहुंची फरीदाबाद पुलिस टीम पर हमला, मामला दर्ज

फरीदाबाद (हिंस)। सूरजकुंड से ट्रैक्टर चोरी मामले के आरोपी पकड़ने के लिए मेवात के गोकुलपुर पहुंची फरीदाबाद क्राइम ब्रांच की टीम पर हमला करने के मामले में गुरुवार को पुलिस ने 15 आरोपियों सहित अन्य के खिलाफ संगीन धाराओं के तहत मामलादर्ज किया है। पुलिस आयुक्त विकास अरोड़ा ने नूंह एसपी से बात करके इस मामले में आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के आदेश दिए। पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने गुरुवार को बताया कि ट्रैक्टर चोरी के मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया था, जिसने बताया कि उसने चोरी का ट्रैक्टर में मेवात के रहने वाले अजहरुद्दीन को बेच दिया था। सूचना के आधार पर क्राइम ब्रांच की टीम अजहरुद्दीन की तलाश में मेवात के गोकुलपुर गांव पहुंची थी, जहां पर आरोपी ने अपने साथियों को बुला कर हमला कर दिया। इस मामले में दो पुलिसकर्मियों को चोट आई है। आरोपियों के खिलाफ मेवात के पुन्हाना थाने में सरकारी कर्मचारी पर हमला करने, हत्या का प्रयास, सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने, अवैध हथियार अधिनियम, जान से मारने की धमकी आदि धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस द्वारा आरोपियों की तलाश की जा रही है, जिन्हें जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

हरियाणा विधानसभा का बजट सत्र आज से, पेश होगी आठ कमेटियों की रिपोर्ट

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा विधानसभा के बजट सत्र का दूसरा चरण शुक्रवार से शुरू हो रहा है, जिसे लेकर विधानसभा सचिवालय ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। इस सत्र से पहले गुरुवार को चंडीगढ़ में पत्रकारों से बातचीत करते हुए विधानसभा स्पीकर ज्ञान चंद गुप्ता ने बताया कि सदन के समय का पूरी तरह से जनहित में सदुपयोग हो, इसके लिए सभी दलों के सदस्यों को अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। उन्होंने कहा कि समय-समय पर हमें अपनी संसदीय परंपराओं की समीक्षा भी करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हाल ही देखने में आ रहा है कि अनेक सदस्य ऐसे विषयों पर भी ध्यानाकर्षण प्रस्ताव लगा देते हैं, जिनका कोई तत्काल महत्व नहीं होता। उन्होंने सदस्यों से अपील की कि वे विधायी कामकाज की तकनीकियों को बारीकी से समझें और देखें कि कौन सा विषय सदन में किस ढंग से उठाया जा सकता है। गुप्ता ने कहा कि ध्यानाकर्षण प्रस्ताव तत्काल महत्व के विषयों पर ही उठाए जाने चाहिए। सरकार के नीतिगत निर्णयों को भी ध्यानाकर्षण प्रस्ताव से दूर रखना चाहिए। इसके अलावा उत्तर प्रदेश की तर्ज पर प्रश्नकाल का समय बढ़ाने पर भी विचार किया जा रहा है। ध्यानाकर्षण प्रस्तावों की सीमा तय करने तथा प्रश्नकाल का समय बढ़ाने को लेकर आगामी सत्र में फैसला किया जा सकता है। विस अध्यक्ष ने कहा कि शुक्रवार से शुरू हो रहे बजट सत्र के दूसरे चरण की शुरुआत प्रश्नकाल से होगी। इस दिन शून्यकाल भी होगा। बजट पर अनुदान की मांगों पर विचार करने के लिए हरियाणा विधान सभा के प्रक्रिया तथा कार्य संचालन संबंधी नियमों के नियम 190(ख) के अंतर्गत 8 विभागीय संबंधित स्थायी समितियों की रिपोर्ट भी सदन में पेश होगी। बता दें कि 24 फरवरी से 16 मार्च तक सत्रावकाश रहा। इसी दौरान इन स्थायी समितियों ने संबंधित विभागों की अनुदान मांगों पर विचार कर रिपोर्ट तैयार की है। 17 मार्च से बजट पर व्यापक चर्चा होगी। 18 और 19 मार्च को राजकीय अवकाश है। 20 और 21 मार्च को भी बजट पर ही चर्चा होगी। 21 मार्च को ही मुख्यमंत्री इस पर विस्तृत जवाब देंगे। 22 मार्च का दिन विधायी कामकाज के लिए निर्धारित किया गया है। विधान सभा अध्यक्ष ज्ञान चंद गुप्ता ने कहा कि इस सत्र के लिए 52 विधायकों की ओर से 339 तारांकित प्रश्न और 21 विधायकों की ओर से 185 अतारांकित प्रश्न विधान सभा सचिवालय को प्राप्त हुए हैं। इन सभी के लिए ड्रा निकाला जा चुका है। इसके साथ ही विधायकों से 71 ध्यानाकर्षण सूचनाएं, 2 कार्य स्थगन प्रस्ताव, 2 गैर सरकारी प्रस्ताव, 2 अल्पावधि प्रस्ताव भी प्राप्त हुए हैं। सचिवालय को एक प्राइवेट सदस्य विधेयक तथा सरकार की ओर से 6 विधेयकों का प्रारूप भी मिला है।

कोटकपूरा गोलीकांड में पूर्व सीएम बादल को मिली अग्रिम जमानत

चंडीगढ़(हिंस)। पंजाब की पूर्व अकाली सरकार के कार्यकाल के दौरान कोटकपूरा गोलीकांड में फरीदकोट की कोर्ट ने पूर्व मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल को राहत देते हुए उनकी अग्रिम जमानत मंजूर कर ली है। वहीं तत्कालीन उपमुख्यमंत्री सुखबीर सिंह बादल की याचिका को खारिज कर दिया गया है, जिसके बाद सुखबीर सिंह बादल पर गिरफ्तारी की तलवार लटक गई है। सुखबीर बादल अब राहत के लिए हाई कोर्ट में याचिका दायर करेंगे। दरअसल, 12 अक्तूबर, 2015 को फरीदकोट के बरगा ?ी में श्री गुरु ग्रंथ साहिबजी की बेअदबी की घटना के बाद सिख संगठनों ने कोटकपूरा व बहबलकलां में प्रदर्शन शुरू किए थे। 14 अक्तूबर को कोटकपूरा व बहबलकलां में चल रहे प्रदर्शनों को पुलिस ने बल प्रयोग से खत्म करवाया। इस दौरान बहबलकलां में पुलिस की फायरिंग में दो सिख युवकों की मौत हो गई थी। वहीं, कोटकपूरा गोलीकांड में करीब एक सौ प्रदर्शनकारी घायल हुए थे। पुलिस ने 7 अगस्त, 2018 को अज्ञात लोगों पर हत्या के प्रयास के तहत केस दर्ज किया था। फरीदकोट की कोर्ट ने कोटकपूरा गोलीकांड में पेश चार्जशीट पर सुनवाई के बाद पूर्व मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल और पूर्व उप मुख्यमंत्री सुखबीर सिंह बादल के अलावा पूर्व पुलिस महानिदेशक सुमेध सिंह सैनी और पांच अन्य पुलिस अधिकारियों को अपना पक्ष रखने के लिए 23 मार्च को अदालत में पेश होने के लिए तलब किया गया है। कोटकपूरा गोलीकांड मामले में एसआईटी ने 24 फरवरी को फरीदकोट अदालत में सात हजार पेज की चार्जशीट दायर की थी। एडीजीपी एलके यादव और एसएसपी बठिंडा गुलनीत सिंह खुराना की अगुवाई वाली टीम द्वारा यह चार्जशीट दाखिल की गई थी। इसमें प्रकाश सिंह बादल, सुखबीर सिंह बादल, पूर्व डीजीपी सुमेध सिंह सैनी, तत्कालीन आईजी परमराज उमरानंगल, एसएसपी मोगा चरणजीत शर्मा, एसएसपी फरीदकोट सुखमंदर मान, डीआईजी फिरोजपुर अमर सिंह चाहल और तत्कालीन सिटी कोटकपूरा गुरदीप सिंह के नाम शामिल हैं। गिरफ्तारी की आशंका के चलते प्रकाश सिंह बादल, सुखबीर बादल व अन्यों ने फरीदकोट की अदालत में अग्रिम जमानत याचिका दायर की थी। गुरुवार को इस पर सुनवाई के दौरान अदालत ने प्रकाश सिंह बादल की जमानत मंजूर करते हुए सुखबीर बादल की जमानत याचिका को खारिज कर दिया है।

ब्राह्मणों व राजपूतों ने बारी-बारी से मुख्यमंत्री बनाने की मांग रखी

जयपुर (हिंस)। प्रदेश के ब्राह्मण एवं राजपूत समाज के लोग अब और अन्याय नहीं सहेंगे। यह कहना है *हम भारत के ब्राह्मण* मिशन के संयोजक योगेश्वर नारायण शर्मा का, जिन्होंने गुरुवार को राजधानी जयपुर स्थित यूथ होस्टल में प्रेसवार्ता आयोजित कर इन दोनों समाजों की पीड़ा से पत्रकारों को अवगत कराया। उन्होंने कहा कि विगत 75 वर्षों में जान बूझकर दोनों बड़ी पार्टियों भाजपा और कांग्रेस ने आशापूर्वक भारत को भारत बनाने वाले ब्राह्मण और राजपूत समाजों को अन्य समाजों की अपेक्षा दयनीय स्थिति में लाकर खड़ा कर दिया है। इस तरह अब दोनों ही समाजों के लोगों के लिए यह अत्याचार सहन करने की सीमा समाप्त हो गई है। उन्होंने बताया कि *मिशन-हम भारत के ब्राह्मण* के तहत ब्राह्मण व राजपूत समाजों के साथ 30 राजपूत बाहुल्य ग्राम पंचायतों एवं प्रतापगढ, उदयपुर, जैसलमेर व कुचामनसिटी से बड़ी संख्या में पहुंचे दोनों समाजों के प्रतिनिधियों ने संयुक्त रूप से पूरे राजस्थान में ब्राह्मण और राजपूत समाजों को एक मंच पर लाने का दृढ संकल्प लेते हुए बिना क्रोध, बिना विरोध किए मिशन की अवधारणा का लचीला रुख अपनाते हुए तीन मांगों पर अपनी सहमति दी है। इनकी तीन मांगों में पहली मांग विगत 75 वर्षों में राजपूत व ब्राह्मण दोनों बड़े समाजों की निर्दोष तीन पीढ़ियों को बर्बादी की सीमा तक नुकसान पहुंचाया गया है। इसलिए अब आगे के 30 वर्षों तक दोनों बड़ी पार्टियों भाजपा व कॉंग्रेस में से कोई भी एक बार ब्राह्मण को एक बार राजपूत को मुख्यमंत्री बनाए। दूसरी मांग यह है कि दोनों बड़ी पार्टियां अनारक्षित 141 सीटों में से 71 सीटों पर राजपूतों को और 70 सीटों पर ब्राह्मणों को टिकट दे।

मुख्यमंत्री की घोषणाएं धरातल से कोसों दूर, विधानसभा घेरेंगे सरपंच

हिसार (हिंस)। जिला सरपंच एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री मनोहर लाल की उन घोषणाओं को झूठ का पुलिंदा व गुमराह करने वाली बताया है, जिसमें उन्होंने पंचायतों को पांच लाख की छूट देने सहित अन्य बातें कही है। एसोसिएशन का कहना है कि मुख्यमंत्री की घोषणाओं का धरातल से कोई संबंध नहीं है। प्रदेशभर के सरपंच 17 मार्च को विधानसभा का घेराव करेंगे। एसोसिएशन के जिला कोषाध्यक्ष आजाद सिंह हिंदुस्तानी, गंगवा सरपंच भगवान दास एवं अन्य सरपंचों ने गुरुवार को एकत्रित होकर मुख्यमंत्री की घोषणाओं को झूठा बताया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल की घोषणाएं धरातल से कोसों दूर हैं। वास्तव में सरकार इस तरह की घोषणाओं से सरपंचों के आंदोलन से जनता का ध्यान भटकाना चाहती है परंतु राज्यभर के सरपंच मुख्यमंत्री की ऐसी घोषणाओं के झांसे में नहीं आएंगे और 17 मार्च को जोरदार ढंग से विधानसभा का घेराव करेंगे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने अपनी घोषणा में कहा है कि अब पंचायतें कोटेशन से पांच लाख तक के कार्य करवा सकती है। मुख्यमंत्री को यह ज्ञात होना चाहिए कि सरकारी काम कोटेशन से नहीं बल्कि सरकारी रेटों पर होते हैं। आजाद सिंह हिंदुस्तानी ने नलवा विधानसभा क्षेत्र के गांवों में खेत खलिहान योजना के तहत बनवाए जा रहे रास्तों पर भी सवालिया निशान लगाया और कहा कि इन रास्तों के निर्माण में निम्न स्तर की सामग्री का प्रयोग किया गया है। यही नहीं, रास्तों के लिए जमीन तो पंचायतों ने दी है लेकिन रास्ते बनाने के बाद जो बोर्ड लगाए गए हैं, उनमें सरपंचों के नाम तक नहीं है, जिससे सरपंचों में रोष है। उन्होंने कहा कि नलवा के विधायक एवं डिप्टी स्पीकर ने इन रास्तों के उद्घाटन में जितनी जल्दबाजी दिखाई है, उतनी जल्दी अगर वे सामग्री ठीक लगवाने में दिखाते तो शायद ये रास्ते बहुत अच्छे बन सकते थे।

हरियाणा : 20 लाख तक टर्नओवर वाले व्यापारियों को जीएसटी पंजीकरण के लिए सीए प्रमाण-पत्र मुफ्त

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने प्रदेश के छोटे व्यापारियों को बड़ी राहत देते हुए ऐलान किया है कि जिन व्यापारियों का टर्नओवर 20 लाख रुपए सालाना है, उन्हें जीएसटी पंजीकरण के लिए अब सीए प्रमाणपत्र राज्य सरकार के एंपेनल्ड चार्टर्ड अकाउंटेंट से नि:शुल्क प्राप्त होगा। मुख्यमंत्री ने यह घोषणा गुरुवार को हरियाणा निवास में आयोजित व्यापारी क्षतिपूर्ति योजना का शुभारंभ करने के बाद की। इस अवसर पर हरियाणा व्यापारी कल्याण बोर्ड के चेयरमैन बाल किशन व सदस्य तथा प्रदेशभर से आए व्यापारी भी उपस्थित थे। इस मौके पर मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि छोटे व्यापारियों को अपना पंजीकरण कराने के लिए सीए प्रमाणपत्र की आवश्यकता होती है और इसे प्राप्त करने के लिए उन्हें कुछ राशि का भुगतान करना पड़ता है। अब इस घोषणा के बाद छोटे व्यापारी, जिनका टर्नओवर

20 लाख रुपए तक है, वह सरकार के एंपेनल्ड चार्टर्ड अकाउंटेंट से सीए प्रमाणपत्र ले सकेंगे। इस खर्च का भुगतान राज्य सरकार करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार की प्रदेश में व्यापारियों के कल्याण के लिए चलाई जा रही मुख्यमंत्री व्यापारी क्षतिपूर्ति योजना का दायरा बढ़ा दिया गया है। अब इस योजना में छोटे व्यापारियों, जिनका वार्षिक कारोबार 1.50 करोड़ रुपए तक है, को भी शामिल किया गया है। यह योजना एक अप्रैल से शुरू हो जाएगी। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत आग लगने, दुर्घटना, प्राकृतिक आपदा आदि के कारण माल के नुकसान के लिए लाभार्थी की श्रेणी के अनुसार मुआवजा राशि प्रदान की जाएगी। योजना के अंतर्गत उन व्यापारियों को लाभ दिया जाएगा, जो 31 मार्च या पंजीकरण की तिथि को या बाद की तिथि को राज्य या केंद्रीय क्षेत्राधिकार में जीएसटी अधिनियम, 2017 के तहत पंजीकृत पात्र करदाता हैं। ऐसे करदाता योजना के ऑनलाइन पोर्टल पर पंजीकृत होने चाहिएं। उनके पंजीकरण शुल्क का भुगतान हितधारक अर्थात हरियाणा व्यापारी कल्याण बोर्ड द्वारा हरियाणा परिवार सुरक्षा न्यास को किया गया होना चाहिए। इस योजना के तहत डेढ़ करोड़ रुपए तक के कारोबार पर 20 लाख रुपए तक मुआवजा राशि दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रति व्यक्ति जीएसटी संग्रह के मामले में 68142 करोड़ की कलेक्शन के साथ हरियाणा बड़े राज्यों में शीर्ष स्थान पर है। कार्यक्रम में हरियाणा व्यापारी कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष बाल किशन ने मुख्यमंत्री की प्रशंसा करते हुए कहा कि व्यापारी हितैषी और अन्य कल्याणकारी योजनाओं के कारण ही दिल्ली के व्यापारी भी अपना कारोबार हरियाणा में स्थानांतरित करने को तैयार हैं।

धूमधाम से मनाया भगवान ऋषभदेव का जन्मोत्सव

उदयपुर (हिंस)। भगवान ऋषभदेव जन्मकल्याणक महोत्सव गुरुवार को उदयपुर में धूमधाम से मनाया गया। मेवाड़ जैन युवा संस्थान के संरक्षक पारस सिंघवी ने बताया कि प्रात: 7 बजे से भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा नगर निगम प्रांगण से शुरू होकर विभिन्न मार्गों से होती हुई पुन: नगर निगम पहुंची जहां आर्यिका सुप्रकाशमति का प्रवचन हुआ। इसी के साथ समाज का अलंकरण समारोह भी हुआ। शोभायात्रा संयोजक जैन युवा परिषद के राजेश गदावत व रितेश जैन संयुक्त रूप से बताया कि शोभायात्रा नगर निगम से सूरजपोल, मंडी की नाल, देहलीगेट से बापू बाजार होकर नगर निगम सभा स्थल पहुंची। करीब एक किलोमीटर लंबी शोभायात्रा में सबसे आगे जैन ध्वज बाद में 1100 टू व्हीलर मोटरसाइकिल बाद में हाथी घोड़े बग्घियां एवं विभिन्न प्रकार के सामाजिक

संदेश देती हुई झांकियां शामिल थीं। भक्ति गीतों पर महिलाएं केसरिया वस्त्र में तथा पुरुष सफेद वस्त्र में आदिनाथ के जन्म की खुशी में भक्ति नृत्य करते हुए चल रहे थे। संस्थान अध्यक्ष निर्मल मालवी ने बताया कि अलंकरण सम्मान समारोह में मेवाड़ समाज गौरव अलंकरण महेंद्र कुमार टाया को, मेवाड़ युवा गौरव अलंकरण सुरेश कुमार केशुलाल मालवी को प्रदान किया गया। संस्थान के महामंत्री शान्ति लाल गांगावत ने बताया कि मेवाड़ भामाशाह अलंकरण सुशीला देवी शांतिलाल वेलावत एवं बसंती देवी विजय लाल वेलावत को तथा मेवाड़ आदर्श श्रावक शिरोमणि ग्राम अलंकरण बीसा नागदा समाज कानपुर को प्रदान किया गया। संस्थान के मंत्री गौरव गनोडिया एवं राजेश देवड़ा ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पदम कुमार शिखर कुमार शीतल कुमार रत्नावत, समारोह अध्यक्ष रमेश रटोडिया, समारोह गौरव अशोक कुमार सुरेश कुमार विमल कुमार पाटनी परिवार थे। ध्वजारोहण कुसुम पत्नी स्व. अनिल लूणदिया द्वारा किया गया। मीडिया संयोजक सीपी भोपावत ने बताया कि कुलदीप नाहर को श्रेष्ठ तपस्वी अलंकरण, इंदर सिंह मेहता को भामाशाह अलंकरण, ओपी चपलोत को धर्म वत्सल अलंकरण प्रदान किया गया।

No. CE/H&UA/Tech/17/PT-III/22-23/65

PRESS NOTICE

The Chief Engineer, H&UA (Technical Cell), Assam on behalf of the Governor of Assam invites proposal from reputed Class-III and above Contractor/Farm registered under P.W.D, Assam and having extensive experience in the relevant field of work for the following work.

Sl. No.	Name of work	Approx value of work (in Lakhs)	Cost of RFP and BID Document	EMD/BID security	Last Day of Submission of Bid
1	Dismantling of Godown in dilapidated Condition in Front of Integrated Convention Centre for Deputy Commissioner Sonitpur at Batamari (Gr-II)	₹11.35 Lakhs	₹ 200.00	Rs. 0.23 Lakhs for Unreserved Category & Rs. 0.11 Lakhs for ST/SC/OBC/ MOBC/UGE	23-03-2023

1. Details of the bid may be seen at e-procurement portal website i.e., www.assamtenders.gov.in and also in the office of the undersigned during office hours from 14:00 hrs of 17-03-2023 to 23-03-2023
2. The BID validity period of the RFP shall be 180 days from the date of submission.
3. The Bidders must be registered with the E-tendering system (ETS) of the Govt. of Assam.
4. The Chief Engineer, H&UA (Technical Cell), Assam reserves the right to accept or reject any or all proposals without showing any reason thereof.

Chief Engineer (Technical Cell)
Department of Housing and Urban Affairs
Assam, Guwahati-03

-- Janasanyog /C/22921/22

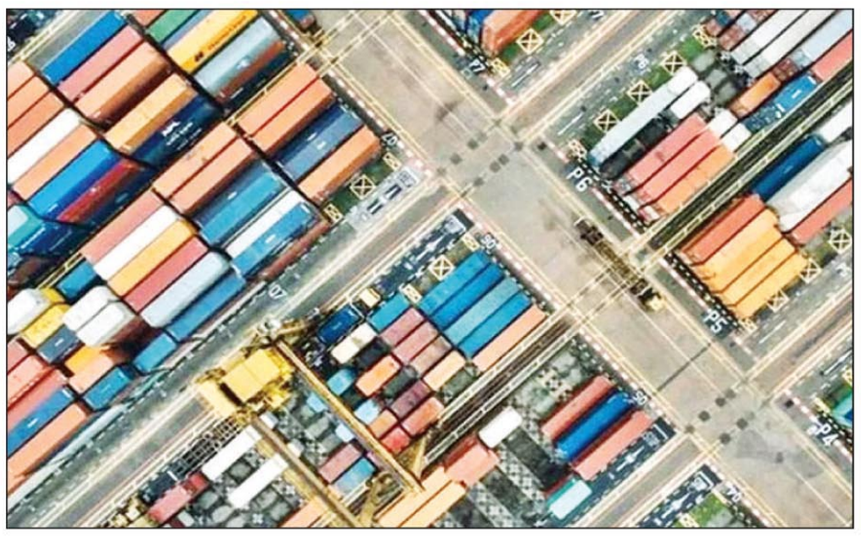

अप्रैल से फरवरी के बीच निर्यात 7.5 फीसदी बढ़कर 406 अरब डॉलर, आयात में 19 फीसदी की तेजी

नई दिल्ली।
पिछले साल अप्रैल से इस साल फरवरी के बीच देश का निर्यात 7.5 फीसदी बढ़कर 405.94 अरब डॉलर रहा है। इस दौरान आयात भी 18.82 फीसदी बढ़कर 653.47 अरब डॉलर हो गया। वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने कहा कि आंकड़े बहुत उत्साहजनक हैं। हम गति बनाए रखने में सक्षम हैं। इस रुझान को देखते हुए कह सकते हैं कि वित्त वर्ष 2023 में 750 अरब डॉलर के निर्यात के आंकड़े को पार कर जाएंगे। विनिर्माण गतिविधियों में कमजोरी से देश का निर्यात सालाना आधार पर लगातार तीसरे महीने गिरा है। फरवरी, 2023 में यह 8.8 फीसदी घटकर 33.88 अरब डॉलर रह गया है जो फरवरी, 2022 में 37.15 डॉलर था। उधर, आयात भी इसी दौरान 8.21 फीसदी गिर कर 51.31 अरब डॉलर रह गया जो एक साल पहले समान अवधि में 55.9 अरब डॉलर था।

वाणिज्य मंत्रालय की ओर से बुधवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, देश का व्यापार घाटा फरवरी में 17.43 अरब डॉलर रहा है जो एक साल के निचले स्तर पर पहुंच गया है। अप्रैल, 2022 से फरवरी, 2023 के बीच जिन क्षेत्र में गिरावट रही उसमें प्रमुख रूप से इंजीनियरिंग, जेम्स एवं जूलरी और सोना शामिल रहे। बढ़त वाले क्षेत्रों के आयात में कच्चा तेल, कोयला, पेट्रोलियम उत्पाद, केमिकल, फार्मा, इलेक्ट्रॉनिक सामान, चावल, तैयार कपड़े और टेक्सटाइल्स रहे।

वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने कहा कि हमने वैश्विक विपरीत परिस्थितियों के बावजूद गति बनाए रखी है। निर्यातकों ने भी गति बनाए रखी है। सेवा निर्यात बहुत अच्छा कर रहा है। व्यापार घाटा वास्तव में कम हुआ है। उम्मीद है कि हम बेहतर प्रदर्शन करेंगे। मंत्रालय ने अगले वित्त वर्ष के लिए भी लक्ष्य तय करने की कवायद शुरू कर दी है।

पाम तेल आयात 30प्रतिशत गिरकर आठ माह के निचले स्तर पर – कमजोर मांग से देश में पाम तेल का आयात फरवरी में 30 फीसदी गिरकर 5.86 लाख टन रह गया है। यह जून, 2022 के बाद का निचला स्तर है। हालांकि, कीमतें कम होने से नवंबर, 2022 से जनवरी, 2023 के बीच पाम तेल के आयात में 86प्रतिशत का उछाल आया था। अब कारोबारी पहले के भंडार को खाली कर रहे हैं। सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ने बताया कि नवंबर और जनवरी में ज्यादा आयात के कारण फरवरी में कम आयात हुआ। सोया तेल का आयात तीन फीसदी गिरकर 3.55 लाख टन, सूरजमुखी तेल का आयात 66 फीसदी घटकर 1.56 लाख टन रह गया।

न्यूज ब्रीफ

10 ग्राम गोल्ड फिर 58 हजार के पार: साल के आखिर तक 65 हजार तक पहुंच सकता है, चांदी 66 हजार के ऊपर

नई दिल्ली। सोना के कीमतों में भी तेजी देखने को मिली। इसी के चलते सोना 58 हजार के पार निकल गया है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, 16 मार्च को सोना 213 रुपए महंगा होकर 58,115 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट अनुज गुप्ता कहते हैं कि शेयर बाजार में जारी उतार-चढ़ाव के कारण सोने को सपोर्ट मिल रहा है। इसके चलते इस साल के आखिर तक सोना 65 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है। अगर 999 प्योरिटी वाली चांदी की बात करें तो इसकी कीमत में गिरावट देखने को मिली है। चांदी 361 रुपए सस्ती होकर 66,500 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई है। एक दिन पहले यानी 15 मार्च को ये 66,861 हजार पर पहुंच गई थी। अपने ऑलटाइम हाई के करीब सोना बढ़त के बाद सोना अपने ऑलटाइम हाई के करीब पहुंच गया है। पिछले महीने 2 फरवरी को सोना अपने ऑल टाइम हाई पर था। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के मुताबिक, तब सोना 58 हजार 882 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया था। नए नियम के तहत एक अप्रैल से छह डिजिट वाले अल्फान्यूमेरिक हॉलमार्किंग के बिना सोना नहीं बिकेगा। जैसे आधार कार्ड पर 12 अंकों का कोड होता है, उसी तरह से सोने पर 6 अंकों का हॉलमार्क कोड होगा। इसे हॉलमार्क यूनीक आइडेंटिफिकेशन नंबर कहते हैं।

शक्तिकांत दास को मिला दुनिया के बेस्ट गवर्नर का खिताब: सेंट्रल बैंकिंग ने भारतीय रिजर्व बैंक गवर्नर दास को गवर्नर ऑफ द ईयर अवॉर्ड से नवाजा

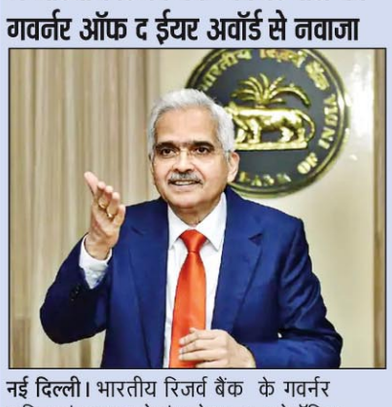

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास को इंटरनेशनल इकोनॉमिक रिसर्च जर्नल सेंट्रल बैंकिंग ने 2023 के लिए गवर्नर ऑफ द ईयर सम्मान से नवाजा है। कठिन समय में अपनी स्थिर लीडरशिप के लिए दास को ये अवॉर्ड मिला है। वहीं सेंट्रल बैंक ऑफ द ईयर अवॉर्ड यूक्रेन के नेशनल बैंक को दिया गया है। दास के सामने बड़ी नॉन-बैंकिंग फर्म के डूबने से लेकर कोविड-19 महामारी की पहली और दूसरी लहर के साथ यूक्रेन पर रूस के आक्रमण जैसी चुनौतियां आई। दास की लीडरशिप में भारतीय रिजर्व बैंक ने क्रिटिकल रिफॉर्म्स को लागू किया, इनोवेटिव पेमेंट सिस्टम्स की शुरुआत की और महामारी के दौरान ग्रोथ-सपोर्टिव मेजर्स भी प्रदान किए। इंटेंस पॉलिटिकल प्रेशर और इकोनॉमिक डिजास्टर्स के बीच भारतीय रिजर्व बैंक को चतुराई से चलाने के लिए भी इंटरनेशनल सेंट्रल बैंकिंग ने दास की तारीफ की है। शक्तिकांत दास को भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर उर्जित पटेल के इस्तीफे के बाद गवर्नर बनाया गया था। यह दूसरी बार है, जब किसी भारतीय केंद्रीय बैंक के गवर्नर ने यह अवॉर्ड जीता है। दास से पहले 2015 में रघुराम राजन को गवर्नर ऑफ द ईयर अवॉर्ड से सम्मानित किया गया था। सेंट्रल बैंकिंग पब्लिकेशन पब्लिक पॉलिसी और फाइनेंशियल मार्केट से जुड़ी पब्लिकेशन कंपनी है।

शाहजहांपुर में दो से तीन रुपए किलो बिक रहा आलू

लखनऊ । यूपी के शाहजहांपुर में आलू की सरकारी खरीद ना होने से किसान खेतों से खुद रहे आलू को मंडी लेकर पहुंच रहे हैं, लेकिन आलू का सही दाम न मिलने से किसानों की लागत भी नहीं निकल रही है। जिसके चलते किसानों ने मुख्यमंत्री योगी से सरकारी खरीद की मांग की है। किसानों का आरोप है कि सरकारी कीमत ना मिलने से यहां आलू थोक में 2 से 3 रुपए किलो में बिक रहा है, जबकि पिछले साल यही आलू 10 रुपए में बिक रहा था। आलू के वाजिव दाम ना मिलने से किसान औने पौने दामों में आलू बेचने पर मजबूर हो रहा है. जिसके चलते माफिया मोटी रकम बनाने के लिए किसानों का आलू खरीद कर कोल्ड स्टोरेज में जमा कर रहे हैं।

ग्रीन अफोर्डेबल हाउसिंग क्या है, यह सिर्फ अमीरों को रिझाने का शिगूफा है या समय की जरूरत

नई दिल्ली ।
ग्रीन हाउसिंग सिर्फ एक ग्रीन हाउस नहीं है, बल्कि यह जीवन जीने का एक जिम्मेदार, स्वस्थ और किफायती तरीका भी है! पर्यावरण के हिसाब से गैर-जिम्मेदार व्यवहार की भविष्य में क्या कीमत चुकानी पड़ सकती है, इस बारे में विचार करते हुए प्रकृति और इसके संसाधनों के साथ सद्भाव में रहना इसमें शामिल है। लोग अक्सर ग्रीन हाउसिंग से यह सोचकर दूर भागते हैं कि यह एक महंगा विकल्प है, जो केवल अमीरों के लिए है, लेकिन एक बार जब आप इसे बारीकी से देखते हैं, तो ग्रीन हाउसिंग वास्तव में लंबे समय में अधिक किफायती लग सकता है। 1800 के दशक के बाद से प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक उपयोग और दुरुपयोग, जनसंख्या विस्फोट आदि जैसे कारकों ने वैश्विक स्तर पर पर्यावरण को दीर्घकालिक नुकसान पहुंचाया है। जहां पहले हम कहीं दूर ग्लेशियरों के पिघलने और ओजोन परत को हो रहे नुकसान की बातें करते थे, वहीं अब हम रोजमर्रा के जीवन में मौसम के बदलाव और प्रदूषण के असर को महसूस कर सकते हैं। हमारी दुनिया को आने वाली पीढ़ियों के लिए प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा करने और अधिक टिकाऊ उपायों को अपनाने की आवश्यकता है और एक ग्रीन होम ठीक यही काम करता है! होमफर्स्ट फाइनेंस कंपनी के चीफ मार्केटिंग ऑफिसर गौरव मेहता के अनुसार ग्रीन अफोर्डेबल हाउसिंग एक ऐसा घर है जिसमें टिकाऊपन होता है। जो पर्यावरण के अनुकूल और रिनुएबल निर्माण सामग्रियों से बना होता है। साथ ही यह पानी, ऊर्जा व कार्बन उत्सर्जन को नियंत्रित करने में सक्षम होता है। इसे हम ग्रीन होम भी कह सकते हैं। भले ही ग्रीन होम की अवधारणा सुनने में थोड़ा

पेचीदा लगे पर इसे किफायती तरीके से भी अमल में लाया जा सकता है। पर्यावरण के अनुकूल डिजाइन का उपयोग करके, एएसी ब्लॉक, कृत्रिम रेत, एसआरआई पेंट, लो फ्लो फिक्स्चर जैसी ग्रीन निर्माण सामग्रियों का इस्तेमाल करके और प्राकृतिक संसाधनों का कुशल उपयोग करके किफायत के साथ टिकाऊपन का लाभ उठाया जा सकता है। गौरव के अनुसार एक ग्रीन हाउस न केवल गैर-नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों पर निर्भरता को कम करता है, बल्कि इसके कई अन्य लाभ भी हैं, जो इस प्रकार हैं: ऊर्जा की बचत करता है: ग्रीन होम्स को इस तरीके से डिजाइन किया जाता है कि वे प्राकृतिक संसाधनों का ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल कर ऊर्जा की खपत को कम करते हैं, जैसे रोशनी के लिए दिन में सूर्य के प्रकाश का इस्तेमाल करना और सौर वॉटर हीटर जैसे नवीकरणीय स्रोतों का इस्तेमाल करना। यह पारंपरिक ऊर्जा के इस्तेमाल पर आपकी निर्भरता को कम करता है और साथ ही साथ बिजली के बिल को भी कम करता है। 5 स्टार रेटिंग वाले उपकरणों, एलईडी लाइट्स आदि को अपनाने से आपको बहुत कम कीमत पर ऊर्जा बचाने में मदद मिल सकती है।

पानी बचाता है: ताजा पानी एक बहुत ही कीमती संसाधन है, जो तेजी से दुर्लभ होता जा रहा है। ग्रीन होम्स पानी के इस्तेमाल को और प्रभावी बनाते हैं। रेनवाटर हार्वेस्टिंग जैसे पानी बचाने के तरीके भूजल स्तर को रिचार्ज करने में मदद करते हैं, जबकि लो फ्लो फिक्स्चर और डुअल फ्लश शौचालय जैसे उपकरण दैनिक खपत को कम करने में मदद करते हैं।

स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देता है: हम अक्सर यह मान लेते हैं कि जब आप घर में होते हैं तो बाहर का वायु प्रदूषण आपको प्रभावित नहीं करता है। हालांकि, दुनिया भर में औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक बिगड़ने के चलते घर में भी प्रदूषण हमारे नियमित जीवन पर उतना ही असर डालता है, जितना कहीं और। इसी कारण श्वसन संक्रमण, हृदय रोग और फेफड़ों का कैंसर आम होता जा रहा है। एयर वेंटिलेटर लगाने से बिना किसी रुकावट के हवा के प्रवाह में मदद मिलती है, जबकि लो वीओसी पेंट में कम वाष्पशील रसायन होते हैं, जिससे हानिकारक रसायनों का उत्सर्जन सीमित हो जाता है। इस प्रकार ग्रीन हाउस न केवल पर्यावरण के लिए, बल्कि हमारे लिए भी स्वास्थ्यवर्धक हैं।

ग्रीन अफोर्डेबल होम का चुनाव कैसे करें

ग्रीन अफोर्डेबल होम चुनने के दो तरीके हैं- अपना खुद का ग्रीन होम बनाएं: चूंकि आप इसे सीधे जमीन से खड़ा करते हैं, आप अपने घर में टिकाऊ तरीकों और उपकरणों को अपनाने के लिए अपने आर्किटेक्ट से सलाह लें। इस तरह आप अपनी आवश्यकताओं के अनुसार टिकाऊ तरीकों को शामिल कर अपने हिसाब का ग्रीन होम बना सकते हैं। इसके बाद आप अपने ग्रीन होम को संबंधित प्राधिकरण द्वारा प्रमाणित करवा सकते हैं। भारत में कुछ सबसे भरोसेमंद ग्रीन बिल्डिंग एजेंसियों में लीडरशिप इन एनर्जी एंड एनवायरनमेंटल डिजाइन ग्रीन रेटिंग फॉर इंटीग्रेटेड हैबिटेट असेसमेंट और इंडियन ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल शामिल हैं। इससे आपको अपने ग्रीन होम के टिकाऊपन का मूल्यांकन करने और किसी भी सरकारी प्रोत्साहन का लाभ उठाने में मदद मिल सकती है।

ग्रीन सर्टिफाइड अपार्टमेंट खरीदें: जब आप अपने लिए नया घर खोज रहे हों, तो अपने बिल्डर/ब्रोकर से गेटेड कम्युनिटी, नियमित जल आपूर्ति और पर्याप्त वेंटिलेशन के बारे में पूछताछ करते समय अमल में लाए गए ग्रीन उपायों के बारे में भी पूछें और यह भी सुनिश्चित करें कि बिल्डिंग को आईजीबीसी, आईएफसी, गृह आदि जैसे प्राधिकरणों से हरित प्रमाणन प्राप्त है या नहीं। इन संगठनों के द्वारा दी गई रेटिंग के आधार पर आप अपनी आवश्यकता के अनुसार अपार्टमेंट की सुविधाओं का आकलन कर सकते हैं। गौरव मेहता का मानना है कि जो लोग अपना नया घर बनाना चाहते हैं, उनके लिए ग्रीन होम बनाना या कम से कम बाद में ग्रीन उपायों को शामिल करने की गुंजाइश छोड़कर रखना बुद्धिमानी भरा निर्णय है।

चैट जीपीटी-4 ज्यादा क्रिएटिव और सटीक

इलाज का सही तरीका बताएगा और दवाओं की सलाह भी देगा जीपीटी-4

नई दिल्ली।
कैड मेट्ज और केथ कॉलिन्स आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कंपनी ओपनएआई ने चैटबोट चैटजीपीटी का नया एडवांस संस्करण जीपीटी-4 लॉन्च किया है। ये कई विषयों का एक्सपर्ट है। ये चिकित्सीय सलाह भी देता है, जिसे देखकर डॉक्टर भी हैरान रह जाते हैं। ये इमेज देखकर उसको डिस्क्राइब कर सकता है। इसके चुटकुले भी पहले से ज्यादा मजेदार हो गए हैं। आइए जानते हैं क्या हैं इसकी खूबियां और खामियां।

जीपीटी-4 की खूबियां

पहले से ज्यादा सटीक: भाषाओं और व्याकरण सहित कई विषयों के मामले में पहले से ज्यादा समृद्ध, व्यवस्थित और सटीक हो गया है। तथ्यों के ज्यादा करीब: ये अब पहले से ज्यादा फेक्चुअल (तथ्यपरक) जानकारियां देता है। पहले की तुलना में ये सवालों के सीधे और अधिक सटीक जवाब देता है। इमेज देखकर सवालों का जवाब: ये इमेज का प्रभावी वर्णन (डिस्क्राइब) करने में सक्षम है। फ्रिज में रखी वस्तुओं की तस्वीर देखकर सुझा सकता है कि उनसे किस तरह के व्यंजन तैयार किए जा सकते हैं। विशेषज्ञता बढ़ी: किसी मरीज की बीमारी और उससे संबंधित मुश्किल मेडिकल शब्दावली समझ सकता है। इलाज का सही तरीका और दवाओं की सलाह भी दे सकता है। आर्टिकल एडिट: ये किसी आर्टिकल को पढ़कर उसका संपादन (एडिट) कर सकता है। कैप्शन, विवरण और संक्षेप भी लिख सकता है। ये 25,000 शब्दों तक प्रोसेस करने में सक्षम है। सेंस ऑफ ह्यूमर: ये न केवल पहले से बेहतर और नए जोक्स सुना सकता है, बल्कि विषय दिए जाने पर नए जोक्स गढ़ भी सकता है। इसका सेंस ऑफ ह्यूमर अच्छा है। पहेलियां सुलझाने में माहिर: इसकी रीजनिंग क्षमता काफी बेहतर हो गई है। ये कई जटिल पहेलियां और क्विज हल करने में सक्षम है। परीक्षा पास करने में सक्षम: ये कई स्टैंडराइज परीक्षा अच्छे पर्सेंटाइल के साथ पास कर सकता है। इसने कई अमेरिकी स्कूली और यूनिवर्सिटी स्तर की परीक्षाओं में ये कमाल करके दिखाया है। यूजर के मुताबिक अब भी कुछ खराबियां कायम हैं। ये कुछ वैसे ही गलतियां करता है, जो पिछला चैटबॉट चैटजीपीटी करता था।

ब्याज दरों में वृद्धि से सस्ते घर की बिक्री 15 फीसदी घटी, छोटे खरीदारों का हौसला पस्त

नई दिल्ली।
पिछले साल से लगातार बढ़ रही ब्याज दरों ने छोटे घर खरीदारों का हौसला पस्त कर दिया है। जबकि महंगे घर खरीदने वालों पर इसका कोई असर नहीं हुआ है। एसबीआई की रिपोर्ट के अनुसार, जनवरी- फरवरी, 2023 में सभी शेडयूल्ड कमर्शियल बैंक (एएससीबी) की ओर से 30 लाख रुपये तक के नए दिए गए होम लोन का हिस्सा कुल कर्ज में घटकर 45 फीसदी हो गया है। जून तिमाही में यह हिस्सा 60 फीसदी का था। रिपोर्ट के अनुसार, 50 लाख रुपये से ज्यादा वाले होम लोन का हिस्सा चालू वित्त वर्ष में 15 फीसदी से बढ़कर 25 फीसदी हो गया है। इससे यह पता चलता है कि कम कमाई वाले लोगों पर ब्याज दरों के बढ़ने का ज्यादा असर हुआ है जो सस्ते घर खरीदते हैं। मई, 2022 से फरवरी, 2023 के बीच छह बार में आरबीआई ने रेपो दर में 2.50 फीसदी इजाफा किया है। अप्रैल, 2022 से जनवरी, 2023 के बीच 1.80 लाख करोड़ रुपये के हाउसिंग लोन बैंकों ने बांटे। 2021-2022 में

इसी दौरान 1.40 लाख करोड़ रुपये के कर्ज दिए गए थे।

55 लाख वाले मकान खरीदारों में हुई वृद्धि – करीब 55 लाख होम लोन के खाते एक्सटर्नल बेंचमार्क लिंक्ड लेंडिंग रेट्स (ईबीएलआर) से जुड़े हैं। होम लोन को अक्तूबर, 2019 में रेपो दर से जोड़ दिया गया था। रेपो दर में 2.50 फीसदी की वृद्धि से खुदरा ग्राहकों की किस्त के ब्याज में सालाना 16प्रतिशत का इजाफा होगा। आरबीआई के फैसले से होम लोन ग्राहकों के ब्याज में 20,000 करोड़ रुपये की बढ़त हो सकती है। केवल 8.2 लाख ही ऐसे होम लोन ग्राहक हैं।

लेंसकार्ट ने जुटाई 4 हजार करोड़ रुपए की फंडिंग: अबू धाबी इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी के साथ एग्रीमेंट साइन किया, आईपीओ लाने का भी प्लान

नई दिल्ली।
आईवियर रिटेलर लेंसकार्ट ने 500 मिलियन डॉलर (करीब 4 हजार करोड़ रुपए) जुटाने के लिए अबू धाबी इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी के साथ एग्रीमेंट साइन किया है। बुधवार को कंपनी ने इसकी घोषणा की। लेंसकार्ट ने 4.5 बिलियन डॉलर के वैल्यूएशन पर ये फंड रेज किया है। लेंसकार्ट में अपने पिछले राउंड में भी इसी वैल्यूएशन पर निवेश किया था।

लेंसकार्ट ने कहा कि प्राइमरी और सेकंडरी दोनों शेयरों की खरीद के माध्यम से निवेश करेगा। इसके साथ ही लेंसकार्ट के बड़े शेयरहोल्डर्स में से एक बन जाएगा। इस फंडिंग के साथ, लेंसकार्ट ने 2022 से करीब 750 मिलियन डॉलर जुटाए हैं। लेंसकार्ट में केकेआर एंड कंपनी, सॉफ्टबैंक ग्रुप कॉर्प, टेमासेक होल्डिंग्स पीटीई जैसे इन्वेस्टर्स की भी हिस्सेदारी है।

इंटरनेशनल प्रजेंस बढ़ाने में होगा फंड का इस्तेमाल – नई फंडिंग का इस्तेमाल कंपनी भारत में अपनी पहुंच को गहरा करने और एशिया और मध्य पूर्व में अपनी इंटरनेशनल प्रजेंस को बढ़ाने के लिए करेगी। लेंसकार्ट के अभी 2,000 से ज्यादा स्टोर हैं, जिनमें से 1,500 भारत में और बाकी दक्षिण पूर्व एशिया और मध्य पूर्व में हैं। लेंसकार्ट की नई फैक्ट्री भी जल्द लॉन्च होगी। इसमें आईवियर के 2 करोड़ पेयर मैन्युफैक्चर हो सकेंगे।

पसंदीदा काम की खोज में लौटे थे देश – पीयूष अमेरिका की टेक कंपनी माइक्रोसॉफ्ट में काम करते थे। कुछ नया करने के लिए वह साल 2007 में इंडिया वापस आ गए। उनके इस फैसले से उनके पेरेंट्स बहुत परेशान हुए, लेकिन पीयूष ने अपने पसंद के काम की खोज जारी रखी। उन्होंने सबसे पहले सर्च पोर्टल माय कैंपस डॉट कॉम की शुरूआत की। इस वेबसाइट पर स्टूडेंट्स को लिए एकोमॉडेशन्स, बुक्स, कारपूल सर्विसेस और पार्टटाइम जॉब्स के बारे में जानकारी मिलती थी। ऑनलाइन बिजनेसेज की सफलता को देखते हुए उन्होंने एक साथ कई प्रयोग करने का फैसला लिया और लेंसकार्ट डॉट कॉम, जूलरी डॉट काम, वॉचकार्ट डॉट कॉम, बैग्स डॉट कॉम जैसे ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स की शुरूआत की। थोड़े समय बाद इन सभी प्लेटफॉर्म्स पर कस्टमर्स के फीडबैक्स के आधार पर उन्होंने लेंसकार्ट डॉट कॉम पर अधिक ध्यान देना शुरू किया।

दूसरे साल भी भारत ने चीन को पछाड़ा

2022 में देश में बने 23 यूनिकॉर्न, 18 फीसदी की वृद्धि

नई दिल्ली ।
भारत ने 2022 में 23 यूनिकॉर्न जोड़कर चीन को लगातार दूसरी बार पीछे छोड़ दिया है। चीन ने इसी दौरान केवल 11 यूनिकॉर्न बनाए हैं। आईवीसीए-बैन एंड कंपनी की जारी एक रिपोर्ट में कहा गया है भारत में ऐसे यूनिकॉर्न की संख्या 96 हो गई है। हालाँकि, इस वर्ष की संख्या 2021 में बनाए गए 44 यूनिकॉर्न की तुलना में आधी है। उस वर्ष कुल 73 यूनिकॉर्न देश में थे। रिपोर्ट के अनुसार, 23 यूनिकॉर्न में से नौ शीर्ष 3 महानगरों के बाहर के शहरों से निकले हैं। इसका मतलब है कि गैर-महानगरों में स्टार्टअप की कुल फंडिंग में 18 फीसदी की वृद्धि हुई है। इस साल भी कई निवेशकों ने अपना सबसे बड़ा फंड भारत केंद्रित स्टार्टअप से जुटाया है। वार्षिक रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2022 में देश में वेंचर कैपिटल निवेश (वीसी) में बढ़ोतरी देखी गई, क्योंकि वृहद आर्थिक अनिश्चितता और मंदी की आशंकाओं ने

निवेश की गति को प्रभावित किया। देश में 2021 में स्टार्टअप के सौदों का मूल्य 38.5 अरब डॉलर था जो 2022 में घटकर 25.7 अरब डॉलर रह गया। सौदों में ज्यादा गिरावट दूसरी छमाही यानी अक्तूबर से मार्च के दौरान देखी गई।

सरकार जुटा सकती है 15.43 लाख करोड़ – सरकार अगले वित्त वर्ष में बाजार से 15.43 लाख करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य रखी है। यह कुल उधारी का करीब 55 से 58प्रतिशत होगा। चालू वित्त वर्ष में 14.21 लाख करोड़ जुटाने का लक्ष्य था। दो सरकारी अधिकारियों ने बताया कि इस पर अंतिम निर्णय 27 मार्च को भारतीय रिजर्व बैंक के साथ बैठक में लिया जाएगा। सरकार हालांकि इस दौरान कोई 20 या 50 साल वाले बॉन्ड्स को लॉन्च नहीं करेगी क्योंकि पहले के बॉन्ड्स से कोई खास प्रतिक्रिया नहीं मिली है। इस साल सरकार 160 अरब रुपये हरित बॉन्ड्स से जुटाई है।

नई विदेश व्यापार नीति इस महीने के अंत तक – सरकार इस महीने के अंत तक नई पंचवर्षीय विदेश व्यापार नीति (एफटीपी) जारी कर सकती है। वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने कहा कि वस्तुओं व सेवाओं के निर्यात को बढ़ावा देने पर यह नीति होगी। मंत्रालय 2030 तक वस्तुओं और सेवाओं के निर्यात को दो लाख डॉलर ले जाने का लक्ष्य बना रहा है। बर्थवाल ने कहा, हमने अपना एफटीपी तैयार किया है और हम उम्मीद कर रहे हैं कि यह इस महीने के अंत तक जारी हो जाएगी। एफ़टीपी आर्थिक विकास को बढ़ावा देने और रोजगार सृजित करने के लिए दिशानिर्देश प्रदान करेगी।

एलआईसी ने एनएमडीसी में दो फीसदी हिस्सा 700 करोड़ रुपये में बेच दिया है। शेयर बाजारों से मिली जानकारी के मुताबिक, 14 मार्च तक एलआईसी का हिस्सा 11.69प्रतिशत रहा है जो पहले 13.69 फीसदी था। इसे 119.37 रुपये प्रति शेयर पर बेचा गया है।

एप्पल के कर्मचारियों को देर से मिलेगा बोनस

नई दिल्ली । अमेरिकी टेक दिग्गज और आईफोन बनाने वाली कंपनी एप्पल के कर्मचारियों को बोनस में देरी कर रही है। इसके अलावा कंपनी लागत घटाने की कोशिशें कर रही है। एप्पल के कॉरपोरेट कर्मचारी को अब बोनस कम मिलेगा। इससे पहले कंपनी में आमतौर पर साल में डिवीजन के हिसाब से एक या दो बार अप्रैल और अक्टूबर में बोनस और प्रमोशन की प्रक्रिया होती थी लेकिन अब नई योजना के तहत अगले महीने यह नहीं होगा। इसके अलावा कंपनी हायरिंग भी बंद कर रही है। कंपनी अब किसी कर्मचारी के कंपनी छोड़ने पर खाली हुई जगह पर ही हायरिंग की स्ट्रैटजी अपना रही है। नई योजना के तहत एप्पल में इस बार सिर्फ एक बोनस-प्रमोशन होगा। सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग और सर्विसेज समेत कंपनी के अधिकतर डिवीजन पहले ही बोनस और प्रमोशन के लिए साल में एक बार वाले शेड्यूल में चले गए थे लेकिन ऑपरेशंस, कॉरपोरेट रिटेल और बाकी ग्रुप में कर्मचारियों ने अभी भी साल में दो बार वाले प्लान से चल रहे हैं।

वेब सीरीज हंटर-टूटेगा नहीं, तोड़ेगा का ट्रेलर जारी

- ट्रेलर में सुनील शेट्टी का अलग अंदाज

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड एक्टर सुनील शेट्टी ने अपनी अगली वेब सीरीज हंटर-टूटेगा नहीं, तोड़ेगा का ट्रेलर जारी कर दिया है। अभी हाल इस सीरीज का एक टीजर सामने आया था, जिसमें सुनील शेट्टी एकदम अलग लुक में दिखाई दिए। टीजर के बाद फैंस ट्रेलर का इंतजार कर रहे थे। जो अब रिलीज हो गया है। सीरीज का ये ट्रेलर आते ही हर जगह छा गया है। सुनील शेट्टी, राहुल देव और ईशा देओल की वेब सीरीज हंटर - टूटेगा नहीं तोड़ेगा में सुनील शेट्टी एसीपी विक्रम के किरदार में नजर आ रहे हैं। हंटर - टूटेगा नहीं तोड़ेगा सीरीज ट्रेलर में काफी दमदार एक्शन सीन्स दिखाए गए हैं। ट्रेलर में ईशा देओल के किरदार की भी झलक दिखाई गई है। एक्शन सीन्स के साथ-साथ ट्रेलर में कई संवाद भी हैं, जो लोगों को पसंद आ सकते हैं। जानकारी के लिए बता दें कि ये एक एक्शन थ्रिलर वेब सीरीज है। हंटर - टूटेगा नहीं तोड़ेगा के ट्रेलर को सुनील शेट्टी ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर किया है।

इस ट्रेलर को शेयर करते हुए सुनील शेट्टी ने एक दमदार कैप्शन भी लिखा है। वेब सीरीज हंटर - टूटेगा नहीं तोड़ेगा के ट्रेलर के लिए एक इवेंट का आयोजन किया गया था। इस इवेंट में सीरीज के स्टार कास्ट नजर आई थी। बता दें कि गत वर्ष के अन्त में सुनील शेट्टी एमएक्स प्लेयर की फिल्म धारावी बैंक में नजर आए थे। इस फिल्म में सुनील ने उम्र दराज गैंगस्टर का किरदार निभाया था, जिसे दर्शकों ने बहुत ज्यादा पसन्द किया था। एक बार फिर से सुनील एक्शन भूमिका में नजर आएंगे।

ऑस्कर जीत हॉलीवुड में खोले सिनेमा के नए द्वार

-विविध संस्कृति को फिल्मों ने नाटकीय रूप से किया प्रदर्शित

मुंबई (ईएमएस)। सर्वश्रेष्ठ मूल गीत का ऑस्कर आरआरआर के नाटू-नाटू ने जीता और 95वें ऑस्कर में सर्वश्रेष्ठ वृत्तचित्र लघु का ऑस्कर द एलिफेंट व्हिस्परर्स ने जीता। भारत की सुंदरता और इसकी विविध संस्कृति को दोनों फिल्मों ने नाटकीय रूप से अलग-अलग तरीकों से प्रदर्शित किया। एक तरफ, निर्देशक एसएस राजामौली की तीन घंटे लंबी मैग्नम ओपस, राम चरण और जूनियर एनटीआर अभिनीत आरआरआर ने दुनिया भर में 1250 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की और इसका गाना नातू नातु विश्व स्तर पर वायरल हो गया। दूसरी ओर, हमारे पास कार्तिकी गोंसाल्विस और गुनीत मोंगा की 40 मिनट की डॉक्यूमेंट्री-फिल्म थी, जो तमिलनाडु में कट्टुनायकन आदिवासी दंपति, बोम्मन और बेली के बारे में है और कैसे वे अपने बच्चों की तरह अनाथ हाथियों को पालते हैं। आर-आरआर दो वास्तविक स्वतंत्रता सेनानियों (अल्लूरी सीताराम राजू और कोमाराम भीम) और एसएस राजामौली की कल्पना से उत्पन्न भाईचारे और स्वतंत्रता के बारे में जीवन से बड़ी फिल्म है, जबकि द एलिफेंट व्हिस्परर्स एक वास्तविक जीवन की दिल को छू लेने वाली कहानी है। तथ्य यह है कि इन दो भारतीय फिल्मों ने ऑस्कर जीता, यह साबित करता है कि भारतीय इतिहास में असंख्य कहानियां मौजूद हैं। दुनिया धीरे-धीरे अपनी आंखें खोल रही है कि हमें क्या देना है और हमारी संस्कृति क्या है। अब, भारत के लिए 12 मार्च को ऑस्कर जीतने का मतलब यह है कि न केवल हॉलीवुड में अभिनेताओं, फिल्म निमार्ताओं और तकनीशियनों के लिए बल्कि भारत की सामग्री के लिए भी दरवाजे खुलेंगे। विदेशी दर्शक, जो अब तक मानते थे कि सभी भारतीय सिनेमा अवास्तविक थे, अब तक के शीर्ष लाउड म्यूजिकल थे, अब उन्होंने देखा है कि सामग्री की विविध श्रेणियां हैं जो पश्चिम की तरह ही मौजूद हैं।

इस जागृति का एक बड़ा हिस्सा नेटफ्लिक्स और अमेजन प्राइम वीडियो जैसे अंतर्राष्ट्रीय ओटीटी प्लेटफार्मों को भी देना चाहिए, जो विश्व स्तर पर विविध भारतीय सामग्री का उत्पादन और प्रदर्शन करते हैं। उदाहरण के लिए, द एलिफेंट व्हिस्परर्स का निर्माण गुनीत मोंगा के सिख्या एंटरटेनमेंट द्वारा किया गया था, लेकिन नेटफ्लिक्स द्वारा विश्व स्तर पर वितरित किया गया था। इस प्रकार अब तक भारतीय सिनेमा बॉलीवुड से जुड़ा रहा है। ऑस्कर की रात में भी, मेजबान जिमी किमेल ने आरआरआर को बॉलीवुड फिल्म के रूप में संदर्भित किया, जो कई भारतीयों के साथ अच्छा नहीं हुआ। यूट्यूब के आगमन के साथ भारत में पिछले दशक में स्वतंत्र वृत्तचित्र और लघु फिल्में बेहद लोकप्रिय हो गई हैं। कई युवा रचनात्मक और प्रतिभाशाली हैं, लेकिन उनके पास बड़े बजट की फिल्में बनाने का साधन नहीं है। यूट्यूब जैसे ऑनलाइन वितरण प्लेटफॉर्म ने उन्हें व्यावहारिक रूप से बिना किसी या बहुत कम लागत पर - वैश्विक दर्शकों को बूट करने के लिए - सामग्री डालने का अवसर दिया है। लघु फिल्में आकांक्षी फिल्म निमार्ताओं के लिए कॉलिंग कार्ड हैं और आपको यह भी पता चलता है कि कुछ फीचर फिल्में शॉर्ट्स से प्रेरित हैं। स्वतंत्र फिल्म निमार्ताओं ने यह भी पता लगाया है कि अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोहों में अपनी फिल्मों का प्रदर्शन - बड़ा या छोटा - उन्हें ध्यान आकर्षित करता है और फीचर फिल्म निमार्ताओं के लिए भी यह एक जाना-माना बन गया है।

रहस्य और मौत का रोमांचक संगम है गैसलाइट

-सारा अली खान की गैसलाइट ओटीटी पर होगी रीलिज

मुंबई (ईएमएस)। एक बार फिर से सारा अली खान सिनेमाघरों के स्थान पर अपनी फिल्म को सीधे ओटीटी प्लेटफार्म पर प्रदर्शित करने जा रही हैं। गैस लाइट एक मर्डर मिस्ट्री है, जिसमें सारा अपने पिता के खूनी की तलाश कर रही हैं। इस फिल्म का निर्देशन पवन कृपलानी ने किया है, जो इससे पहले दर्शकों को रागिनी एमएमएस दे चुके हैं। फिल्म में सारा अली खान के साथ अक्षय ओबरॉय, विक्रांत मैसी, चित्रांगदा सिंह भी हैं। फिल्म 31 मार्च को हॉटस्टार पर रिलीज होगी। आज इसका ट्रेलर जारी किया गया है। अक्षय ने सोशल मीडिया पर फिल्म का ट्रेलर पोस्ट कर लिखा- ये एक मिस्टीरियस फिल्म है। इस फिल्म में मेरा करैक्टर भी काफी मिस्टीरियस है। गैसलाइट फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो गया है। एक ऐसी फिल्म जहां काम करना मजेदार रहा। फिल्म का निर्देशन पवन कृपलानी ने किया है। यह एक मर्डर मिस्ट्री है। सारा अपने पिता की मौत का कारण तलाश रही है। सारा को अपने सबसे करीबी लोगों पर ही शक है। ये सस्पेंस थ्रिलर की कैटेगरी में सारा अली खान की पहली फिल्म है। अक्षय ओबेरॉय के साथ राहुल देव भी इस फिल्म में लीड रोल में हैं। ट्रेलर में सारा अली खान और विक्रांत मैसी की एक्टिंग को काफी पसंद किया जा रहा है। फिल्म की शूटिंग के दौरान मीडिया से हुई बातचीत में अक्षय ने कहा- मैं थिएटर बैकग्राउंड से हूं। मेरे लिए किसी भी रोल की तैयारी करने के लिए करैक्टर के मूड में जाना जरूरी है। इससे पहले भी मैं दो सस्पेंस थ्रिलर फिल्मों की शूटिंग कर रहा था। इन फिल्मों के लिए मैंने कई मर्डर मिस्ट्री पर बेस्ड किताबें पढ़ी थीं। मैंने किताबों से काफी कुछ सीखा है। इन फिल्मों में काफी थ्रिल और चेज होता है। मुझे विक्टिम और मर्डरर दोनों का पर्सपेक्टिव मिलता है। मुझे किताबें पढन्ना बहुत पसंद है। फिल्म के बारे में बात करते हुए सारा ने कहा- गैसलाइट मेरे लिए सीखने का सबसे बड़ा कर्व है। इस फिल्म की स्टोरी और मेरा करैक्टर पहले किए मेरे रोल से काफी अलग है। सारा ने कहा- इस फिल्म ने मुझे नई उम्मीद दी है। बता दें कि सारा अली खान गत वर्ष दर्शकों के सामने अतरंगी रे को लेकर वे आईं थीं और इस बार वे गैस लाइट को लेकर आ रही हैं।

नीतू कपूर ने बहुरानी पर लुटाया बहुत सारा प्यार

एक्ट्रेस आलिया भट्ट आज अपना जन्मदिन मना रही हैं। आलिया आज पूरे 30 साल की हो गई हैं। उनके इस खास दिन पर उनके परिवार ने उन्हें खास अंदाज में विश किया है। इस विश लिस्ट में आलिया की सासू मां नीतू कपूर ने अपनी बहूरानी को खास अंदाज में विश किया। आलिया भट्ट पति रणबीर के साथ ही ससुराल में भी सबकी लाड़ली हैं। सास नीतू कपूर तो उन्हें पलकों पर रखती हैं। ऐसे में उन्होंने अपनी बहुरानी को स्पेशल पोस्ट के जरिए जन्मदिन की बधाई दी है। नीतू ने अपने इंस्टाग्राम पर आलिया की खूबसूरत फोटो शेयर की है।

जिसके कैप्शन में उन्होंने लिखा कि हैप्पी बर्थडे बहुरानी। सिर्फ प्यार और बहुत सारा प्यार। ननद रिद्धिमा ने भी भाभी आलिया को खास अंदाज में विश किया है। रणबीर की बहन ने अपने इंस्टाग्राम पर आलिया की फोटो शेयर कर लिखा कि हैप्पी बर्थडे डार्लिंग आलू।

तू झूठी मैं मक्कार मूवी ने कमाया 82 करोड़, पठान बाद इस साल की दूसरी 100 करोड़ी फिल्म

मुंबई (ईएमएस)। वर्ष 2023 में हिन्दी सिनेमा को पहली 500 करोड़ी फिल्म पठान के रूप में मिली। पठान के जरिये शाहरुख खान ने बड़े परदे पर जबरदस्त वापसी की। उनकी इस वापसी ने विश्व भर में भारतीय सिनेमा का डंका बजाने में सफलता प्राप्त की। इस वर्ष की पहली सफलता के बाद बॉक्स ऑफिस को दूसरी बड़ी सफलता (हालांकि यह पठान के सामने बौनी है) तू झूठी मैं मक्कार के रूप में मिली है। अपने प्रदर्शन के 7 दिन पूरे कर चुकी यह फिल्म अब तक बॉक्स ऑफिस पर 82 करोड़ का कारोबार करने में सफल हो गई है। बताया जा रहा है कि तू झूठी मैं मक्कार ने मंगलवार को बॉक्स ऑफिस पर लगभग 5.50 करोड़ का कारोबार करने में सफलता प्राप्त कर ली है। रणबीर कपूर श्रद्धा कपूर स्टारर फिल्म तू झूठी मैं मक्कार ने प्रदर्शन के 5 दिनों में बॉक्स ऑफिस पर अच्छी गति से कमाई करते हुए स्वयं को 70 करोड़ के पार पहुंचाने में सफलता प्राप्त कर ली थी। फिल्म के कारोबार में सोमवार और मंगलवार को जबरदस्त गिरावट आई। हालांकि यह गिरावट आना तय था, क्योंकि सोमवार से गुरुवार पूरी तरह से वर्किंग डे रहता है, जिसके चलते दर्शक सिनेमाघरों की ओर रुख कम करते हैं। सोमवार को इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 6.05 करोड़ और मंगलवार को इस फिल्म ने 5.50 करोड़ की कमाई करते हुए स्वयं को 81.79 करोड़ तक पहुँचाने में सफलता प्राप्त कर ली है। बॉक्स ऑफिस पर जिस गति से तू झूठी मैं मक्कार प्रदर्शन कर रही है, उसे देखते हुए यह कहा जा सकता है कि यह फिल्म आने वाले रविवार को स्वयं को 100 करोड़ के क्लब में शामिल करवाने में सफल हो जाएगी। यदि ऐसा होता है तो यह रणबीर कपूर की लगातार दूसरी ऐसी फिल्म होगी, जो 100 करोड़ से ज्यादा का कारोबार करने में सफल होगी। इससे पहले उन्होंने गत वर्ष ब्रह्मास्त्र दी थी, जिसने बॉक्स ऑफिस पर 250 करोड़ से ज्यादा का कारोबार करने में सफलता प्राप्त की थी। रणबीर कपूर अब अगस्त माह में दर्शकों के सामने एनिमल में नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्देशन अर्जुन रेड्डी और कबीर सिंह दे चुके निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा कर रह हैं। इस फिल्म में उनके साथ अनिल कपूर और रश्मिका मंदाना भी नजर आएंगे। ये फिल्म इन दिनों शूटिंग स्टेज पर है। इस फिल्म के बाद रणबीर कपूर की ब्रह्मास्त्र-2 भी चर्चा में है।

सिगरेट के कश लगाती दिखीं अनन्या पांडे

एक्ट्रेस अनन्या पांडे मंगलवार को अपनी बहन अलाना पांडे की मेहंदी सेरेमनी में स्पॉट हुईं, जहां वह मेहंदी सेरेमनी के लिए पहुंची हुई थीं। इसी बीच अनन्या पांडे की स्मोकिंग करते हुए एक फोटो इंटरनेट पर खूब वायरल हो रही है, जिसमें अनन्या बहन की मेहंदी सेरेमनी में सिगरेट पीते हुए स्पॉट की गई।

हालांकि, फोटो को जिस अकाउंट से पोस्ट किया गया था, वहां से अब डिलीट कर दिया गया है, लेकिन इसी बीच सोशल मीडिया पर पोस्ट का स्क्रीनशॉट वायरल हो रहा है। बता दें कि अलाना पांडे की मेहंदी सेरेमनी सोहेल खान के घर पर हुई थी। इस फंक्शन में सलमान खान की मां सलमा खान और हेलेन भी पहुंची थीं। सलमान की बहन अलवीरा अग्निहोत्री और अतुल अग्निहोत्री भी इस फंक्शन में शामिल हुए और वहीं एक्टर बॉबी देओल भी पत्नी के साथ पहुंचे थे। वहीं आपको बता दें कि अनन्या पांडे इन दिनों अपनी लव लाइफ को लेकर भी चर्चा में बनीं हुई।

करिश्मा लक्मे फैशन वीक के रेड कार्पेट पर उतरीं

हाल ही में बालीवुड एक्ट्रेस करिश्मा कपूर लक्मे फैशन वीक के रेड कार्पेट पर उतरीं। एक्ट्रेस ने शिमरी ड्रेस पहन रेड कार्पेट पर हुस्न के खूब जलवे बिखेरे और अपनी अदाओं से लोगों को दीवाना बनाती दिखीं। अब उनकी ये तस्वीरें इंटरनेट पर खूब धमाल मचा रही हैं। करिश्मा कपूर ने डिजाइनर रन्ना गिल की क्रिएशन दिखाने के लिए रैंप पर उतरीं। बैकलेस गोल्डन और मल्टीकलर के शिमरी गाउन में एक्ट्रेस बेहद खूबसूरत दिखीं। गाउन के साथ उन्होंने मैचिंग हील पेयर की। ड्रेस के साथ कानों में मैचिंग इयररिंग्स, पफी हेयरस्टाइल में करिश्मा की खूबसूरत देखते ही बनी। रैंप पर उतरी करिश्मा ने हुस्न के खूब जलवे बिखेरे और मुड-मुडकर पोज देते हुए दर्शकों पर अपनी इम्प्रेशन जमाती दिखीं। फैंस करिश्मा के इस लुक को खूब तारीफ कर रहे हैं। बता दें, बीते दिन करिश्मा कपूर को एक्स हसबैंड संजय कपूर संग कई सालों बाद पब्लिक प्लेस पर स्पॉट किया गया था, यहां वे अपने बेटे कियान के बर्थडे पर लंच करने पहुंचे थे।

सतीश कौशिक की आखिरी इच्छा

मशहूर फिल्म अभिनेता सतीश कौशिक की मौत ने उनके शुभचिंतकों और प्रशंसकों को झकझोर दिया है। होली पर सतीश कौशिश दिल्ली स्थित एक फार्म हाउस में पार्टी करने गए थे। यहीं पर उनकी तबीयत बिगड़ी और 9 मार्च को उनकी मौत हो गई। मेडिकल जांच में पता चला कि सतीश कौशिक की मौत का कारण हार्ट अटैक था। हालांकि पुलिस अब पूरे मामले की गहनता से जांच कर रही है। अचानक निधन से सतीश कौशिक की अंतिम इच्छा अधूरी रह गई है। सतीश कौशिक चाहते थे कि उनके जीवन पर एक किताब प्रकाशित हो।

वह करीब दो साल से इसके लिए काम कर रहे थे। उन्होंने कुछ दिन पहले अपनी आत्मकथा की योजना बनाई थी। वह दो महीने से इसी पर काम कर रहे थे। सतीश कौशिक के भतीजे निशांत ने बताया कि उन्होंने अपनी अंतिम इच्छा के बारे में बताया था। उसने बताया कि चाचा अपने जीवन पर ऑटोबायोग्राफी लिखना कहते थे। वह अपना हरियाणा से मुंबई तक का सफर दिखाना चाहते थे और साथ ही अपना अनुभव दूसरों के साथ शेयर करना चाहता थे और अपनी सभी कहानियों को किताब के जरिए फैंस को बताना चाहते थे। आप को बता दे कि यह किताब वे खुद लिख रहे थे उन्हें जब भी समय मिलता था तो वो उस पर काम करते थे। अब उनकी यह इच्छा अधूरी रह गई है।

काइली जेनर ने कैमरे के सामने दिए कातिलाना पोज

हॉलीवुड एक्ट्रेस काइली जेनर अपने लुक्स को लेकर अक्सर चर्चा में रहती हैं। एक्ट्रेस अपने अलग-अलग लुक की तस्वीरें और वीडियोज फैंस के साथ भी शेयर करती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपनी कुछ लेटेस्ट तस्वीरें शेयर की हैं, जो इंटरनेट पर खूब धमाल मचा रही हैं। लुक की बात करें तो इन तस्वीरों में काइली जेनर ब्लैक ड्रेस में नजर आ रही हैं। ब्लैक क्रॉप टॉप और स्कर्ट के साथ ट्रांसपेरेंट ब्लैक नेट में वह काफी बोल्ड दिख रही हैं। इस लुक को उन्होंने न्यूड मेकअप और खुले बालों से कंप्लीट किया है। अपने लुक से फैंस के होश ठिकाने लगाते हुए काइली कैमरे के सामने सिजलिंग पोज दे रही हैं। बता दें काइली सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती है। एक्ट्रेस के इंस्टाग्राम पर 376 मिलियन फॉलोवर्स हैं।

मौनी रॉय ने बिकिनी में शेयर की तस्वीरें

एक्ट्रेस मौनी रॉय इन दिनों मियामी के समुद्र तटों पर अपनी खूबसूरती का जलवा बिखेर रही हैं। इस बार उन्होंने मियामी बीच पर मस्ती करते हुए बिकिनी लुक में अपनी कुछ फोटोज शेयर की हैं। उनकी ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर धमाल मचा रही हैं। सोशल मीडिया पर फैंस मौनी रॉय के स्टाइल मैजिक के कायल हैं। अभिनेत्री मौनी रॉय रंगीन टू-पीस बिकिनी में मौनी का लुक वायरल हो रहा है। बिकिनी फोटो शेयर करते हुए मौनी रॉय ने कैप्शन में लिखा "हैलो मियामी" इन फोटोज में मौनी रॉय ने एक से बढ़कर एक किलर पोज देकर फैंस का दिल जीत लिया है। मौनी की ये हॉट फोटोज इस समय काफी चर्चा में हैं। बता दे कि मौनी रॉय इस समय अक्षय कुमार, नोरा फतेही और अभिनेत्री दिशा पटानी जैसे सितारों के साथ अमेरिका में हैं।

सूडोकु नवताल- 6372

★☆☆☆☆ सरल

		6	4		5	8		
9				1				7
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
3				8				9
		8	6		9	5		

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6371 का हल

2	4	5	6	9	8	1	7	3
1	7	6	4	3	5	8	2	9
3	8	9	1	2	7	6	5	4
9	1	7	3	6	2	4	8	5
5	6	3	8	7	4	9	1	2
4	2	8	5	1	9	3	6	7
7	3	1	9	5	6	2	4	8
8	9	2	7	4	1	5	3	6
6	5	4	2	8	3	7	9	1

शब्दजाल- 7119

मा	म	मा	चु	प	चु	प	के	ह	क	ल
हा	ला	सू	ह	वि	ल	जी	स	ल	क	भा
हे	वी	मा	द	अं	रा	त	र	म	ल	ग
रा	र	दा	ल	ल	क	स	ओ	ह	सु	म
फे	मु	न	ष	वी	म	मी	त	ल	न	भा
री	मी	स्कु	स	जि	क	क	प	च	स	ग
के	ह	बु	रा	टी	म	ली	टे	ल	र	दा
न	पू	कु	द	ह	प	नी	का	ला	पा	नी
हं	गा	मा	सू	ह	ट	ने	ने	ल	जी	क
सा	त	रं	ग	के	स	प	ने	री	क	ल
म	ह	न	ह	ज	तु	द	न	ज	ल	ना

शब्दजाल में प्रियादर्शन निर्देशित की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए.नाम ऊपर से नीचे,दाएं से बाएं एवं तिरछे हो सकते हैं

चुप चुप के, भागमभाग, हलचल, हंगामा, हेराफेरी, विरासत, काला पानी, सात रंग के सपने, मालामाल वीकली, मुस्कुराहट

शब्दजाल - 7118 का हल

ख	न	र	कु	डु	प्ली	के	ट	ला	नी	क
ज	या	फु	ज	इं	डो	ने	ह	क	गु	प
फ	दौ	ओ	ट	म	न	इ	दो	न	ना	म
च	र	रा	मो	पा	ल	स	रा	प	ह	ह
स	म	बा	ज	त	त	उ	हें	ख	री	म
डै	जे	ज	र	नी	द	ला	म	ल	इ	द
डी	मा	दे	ख्म	व	बा	स	म	पी	ख	स्त
र	दे	श	बा	र	प	र	थ	ड़	भ	क
म	दि	ल	क	ले	दा	र	ल	क	थ	थ
क्षि	ज	ति	त	हि	द	ह	मा	ह	ल	है
ते	रा	जा	क	दि	प	ने	सा	थी	स	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग- 6072

7	5	2		6		1
	34		28		34	
	4	1		3	6	7
1	21	5	29		36	
4				2		5
	27	6	39		35	
	1			7		3

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6071 का हल

5	6	4	1	2	3	7
2	32	5	34	6	33	1
1	2	7	4	5	6	3
4	34	6	31	1	27	2
7	6	1	4	3	2	5
6	33	3	30	4	32	6
3	5	2	6	7	1	4

Jagrutidaur.com, Bangalore

क्रिस गेल ने सुरेश रैना की पारी पर फेरा पानी, वर्ल्ड जायंट्स ने इंडिया महाराजास को दी करारी शिकस्त

नई दिल्ली।
क्रिस गेल (57) और ब्रेट ली (3 विकेट) के शानदार प्रदर्शन की बदौलत वर्ल्ड जायंट्स ने लीजेंड्स लीग क्रिकेट 2023 के पांचवें मैच में इंडिया महाराजास को 8 गेंदें शेष रहते हुए तीन विकेट से मात दी। वर्ल्ड जायंट्स ने एलएलसी 2023 में अपनी पहली जीत दर्ज की। दोहा के वेस्ट एंड पार्क अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम पर खेले गए मुकाबले में इंडिया महाराजास ने पहले बल्लेबाजी करके 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 136 रन बनाए। जवाब में वर्ल्ड जायंट्स ने 18.4 ओवर में सात विकेट खोकर लक्ष्य हासिल किया। इंडिया महाराजास की यह तीन मैचों में दूसरी शिकस्त रही।

क्रिस गेल का बल्ला चला

137 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी वर्ल्ड जायंट्स को क्रिस गेल और हाशिम अमला (6) ने 42 रन की साझेदारी करके शानदार शुरुआत दिलाई। अमला को अशोक डिंडा ने एलबीडब्ल्यू आउट करके वर्ल्ड जायंट्स को पहला झटका दिया। यहां से गेल को शेन वॉटसन (26) का साथ मिला। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 51 रन की साझेदारी की। प्रवीण तांबे ने वॉटसन को बोल्ड करके इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद इंडिया महाराजास के गेंदबाजों ने लो स्कोरिंग मैच को रोमांचक बना दिया। वर्ल्ड जायंट्स के कप्तान आरोन फिंच (5), रॉस टेलर (7), समित पटेल (12) और रिकॉर्डो पावेल (3) जल्दी-जल्दी आउट हुए। गेल को इस बीच रैना ने एलबीडब्ल्यू आउट किया। मगर मोर्ने वेन विक (10*) और टिनो बेस्ट (1*) ने 8 गेंद पहले वर्ल्ड जायंट्स को जीत दिला दी। क्रिस गेल ने 46 गेंदों में 9 चौके और एक छक्के की मदद से 57 रन बनाए। शेन वॉटसन ने 16 गेंदों में 5 चौके की मदद से 26 रन बनाए। भारत की तरफ से यूसुफ पठान को दो विकेट मिले। सुरेश रैना, प्रवीण तांबे, अशोक डिंडा और हरभजन सिंह के खाते में एक-एक विकेट आया।

रैना की पारी पर पानी फिरा

वर्ल्ड जायंट्स ने टॉस जीतकर इंडिया महाराजास को बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। इंडिया की शुरुआत खराब रही और रॉबिन उथप्पा (5) को समित पटेल ने फिंच के हाथों कैच आउट कराया। रीतेंदर सिंह सोढ़ी (2) को मोफू ने शिकार बनाया। यहां से मानविंदर बिस्ला (36) और सुरेश रैना (49) के बीच तीसरे विकेट के लिए 60 रन की साझेदारी हुई। मोंटी पानेसर ने बिस्ला को आउट करके इस साझेदारी को तोड़ा। फिर इंडिया महाराजास को जल्दी-जल्दी दो झटके लगे। यूसुफ पठान (3) और स्टुअर्ट बिन्नी को टिनो बेस्ट ने लगातार दो गेंदों में आउट किया। ब्रेट ली ने सुरेश रैना को अर्धशतक बनाने से रोका। बाएं हाथ के बल्लेबाज ने 41 गेंदों में दो चौके और तीन छक्के की मदद से 49 रन बनाए। इसके अलावा इरफान पठान ने 20 गेंदों में 1 चौके और दो छक्के की मदद से 25 रन बनाकर टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया।

न्यूज ब्रीफ

देश में अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताएं लौटाने के लिए रूस की पहल, एसीओ गेम्स शुरू करने का प्रस्ताव दिया

नई दिल्ली । रूस ने शंघाई कॉपरेशन संगठन खेलों की मेजबानी का प्रस्ताव रखा है। रूस के खेल मंत्री

ओलेग मैटिसिन ने दिल्ली में हुई बैठक में यह प्रस्ताव सभी सदस्यों के सामने रखा। इस बैठक में शंघाई कॉपरेशन संगठन के सभी सदस्य देशों के प्रमुख शामिल हुए थे। इस बैठक में रूस, भारत, कजाखस्तान, चीन, किर्गिस्तान, पाकिस्तान, ताजिकिस्तान और उजबेकिस्तान के खेल मंत्रालय और एजेंसी के अधिकारी शामिल हुए थे। यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद इस देश को और यहां के खिलाड़ियों को सभी अंतरराष्टीय प्रतियोगिताओं से बाहर कर दिया गया है। साथ ही यहां होने वाली सभी अंतरराष्टीय प्रतियोगिताओं की मेजबानी भी रूस से छीन ली गई है। इसके बाद रूस की योजना कॉमनवेल्थ की तर्ज पर संघाई कॉपरेशन गेम्स शुरू करने की है। इससे रूस में अंतरराष्टीय स्तर की खेल प्रतियोगिताओं की वापसी होगी। बैठक के बाद रूस के खेल मंत्री ओलेग ने कहा हमने शंघाई कॉपरेशन संगठन के सदस्य देशों के सहकर्मियों से बात की और पहले शंघाई कॉपरेशन संगठन खेलों की मेजबानी पर चर्चा की। हमने रूस में इन खेलों के आयोजन का प्रस्ताव रखा। हम कजाखस्तान से भी बात करेंगे, जो अगले साल मंत्रियों की बैठक की अध्यक्षता करेगा। अगर सभी मंत्री सहमत होते हैं तो रूस खेलों की मेजबानी के लिए तैयार होगा। उन्होंने आगे कहा कि खेलों के जरिए शंघाई कॉपरेशन संगठन की मजबूती बढ़ेगी। इस संगठन की बैटख दूसरी बार हुई है। यह सीधे और खुले संवाद का मंच है। हमारा उद्देश्य है कि खिलाड़ी और बड़ी प्रतियोगिताएं राजनीति से दूर रहें। यह सिर्फ सभी देशों के बीच समानता और सम्मान से ही संभव है। मैं इस क्षेत्र में खिलाड़ियों के अधिकारों की सुरक्षा के लिए संयुक्त रूप से राजनैतिक वातावरण तैयार करने का प्रस्ताव रखता हूं। रूस के खेल मंत्री ने कहा कि रूस के पास कई बड़ी खेल प्रतियोगिताएं आयोजित करने का अनुभव है। इससे उसे इन खेलों की मेजबानी में मदद मिलेगी और यह खेल किसी भी प्रारूप और स्तर पर आयोजित किए जा सकेंगे। उन्होंने बैठक में शामिल सभी देशों के अधिकारियों को रूस में आयोजित होने वाली खेल प्रतियोगिताओं को देखने का निमंत्रण दिया।

विमेंस प्रीमियर लीग में दिल्ली कैपिटल्स और गुजरात जायंट्सः दिल्ली के पास प्लेऑफ में जगह बनाने का मौका

मुंबई। विमेंस प्रीमियर लीग में दिल्ली कैपिटल्स और गुजरात जायंट्स के बीच मुकाबला होगा। मैच मुंबई के ब्रबोर्न स्टेडियम में खेला जाएगा। इस मैच में दिल्ली के पास प्लेऑफ में जगह पक्की करने का मौका है। दिल्ली 8 पॉइंट्स के साथ टेबल में दूसरे नंबर पर है। मुंबई अपनी जगह पक्की कर चुका है। वह 10 पॉइंट्स के साथ टॉप पर है। गुजरात को टूर्नामेंट में अब तक एक ही जीत नसीब हुई है। बेंगलुरु के जीतने के बाद गुजरात अब 2 पॉइंट्स के साथ ही आखिरी पायदान पर पहुंच गया है। गुजरात के पास तीसरे नंबर पर आने का मौका है। दोनों टीमें टूर्नामेंट में आपस में एक बार भिड़ चुकी है। पिछले मुकाबले में दिल्ली ने गुजरात को एक तरफा मुकाबले में 10 विकेट से हराया था। टूर्नामेंट में दिल्ली का सफर अच्छा रहा है। टीम अब तक 5 में से सिर्फ एक मुकाबला हारी है। उसे एक मरता हार मुंबई के खिलाफ मिली है। पिछले मुकाबले की बात करें तो दिल्ली ने बैंगलोर को नजदीकी मुकाबले में 6 विकेट से हराया था। टीम के पास हर मैच के बाद बेहतर होते जा रही है। इसके पास एक अच्छा टीम कॉम्बिनेशन और लाइनअप है। आखिरी तक बल्लेबाजी का टीम को फायदा होता है। टीम प्ले ऑफ में जाने से सिर्फ एक कदम दूर है।

ऋषभ पंत स्विमिंग पूल में कर रहे चलने की प्रैक्टिसः वीडियो पोस्ट किया; कार एक्सीडेंट के बाद 6 हफ्ते तक अस्पताल में एडमिट रहे

मुंबई। कार हादसे में गंभीर रूप से घायल हुए टीम इंडिया के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत अब ठीक हो रहे हैं। 25 साल के स्टार विकेटकीपर पंत अब स्टिक के सहारे चलने भी लगे हैं। वे जल्द ही ठीक हो जाएंगे। इसके लिए पंत कड़ी मेहनत भी कर रहे हैं। पंत ने इसकी झलक अपने सोशल मीडिया फैंस को दिखाई है। उन्होंने एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वे स्विमिंग पूल के अंदर पानी में चलते नजर आ रहे हैं। उनके हाथ में एक स्टिक है। पंत ने पोस्ट में लिखा, छोटी-बड़ी हर चीज के लिए आभारी हूं । पंत कुछ दिन पहले बैसाखी के सहारे चलते दिखे थे। उन्होंने 10 फरवरी को कुछ फोटोज पोस्ट किए थे।

भारत-ऑस्ट्रेलियावनडे आज से सीरीज, आंकड़ों में ऑस्ट्रेलिया आगे

43 साल में 143 वनडे, 80 ऑस्ट्रेलिया जीता ; पिछले 13 साल से भारत टक्कर दे रहा

मुंबई।
भारत-ऑस्ट्रेलिया वनडे सीरीज 17 मार्च से शुरू हो रही है। यह सीरीज दोनों टीमों के लिए इसलिए भी अहम है, क्योंकि यह साल वर्ल्ड कप का है और भारत में ही यह टूर्नामेंट होना है। ऐसे में यह सीरीज तैयारियां परखने का मौका है। पहला मुकाबला कल मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला जाएगा। दोनों टीमों के बीच अब तक 143 वनडे मैच हुए हैं। इनमें से 80 ऑस्ट्रेलिया जीता है। 53 में भारत को जीत मिली और 10 मैचों का नतीजा नहीं निकला। हालांकि, दोनों के बीच वनडे इतिहास का एक इंट्रेस्टिंग फैक्ट भी है। पहला मैच भारत ने ऑस्ट्रेलिया को उसके घर में ही हराया था। अब तक हुए 12 वनडे वर्ल्ड कप में 5 ऑस्ट्रेलिया ने जीते हैं। इस टूर्नामेंट में भारत से खेले गए ज्यादातर मैच ऑस्ट्रेलिया ने ही जीते। इस सदी की शुरुआत में टीम को लगभग अजेय कहा जाता था। पहले दशक में ऑस्ट्रेलिया वनडे में हम पर हावी रहा। लेकिन, दूसरे दशक में भारत ने कहानी बदल दी।

दोनों के बीच पहला वनडे भारत ने ही जीता, गावस्कर कप्तान थे और मैच के हीरो संदीप पाटिल - 6 दिसंबर 1980 को पहली बार वनडे क्रिकेट में भारत-ऑस्ट्रलिया आमने-सामने हुए थे। सुनील गावस्कर की कप्तानी वाली भारतीय टीम ने कंगारुओं को उनके गढ़ मेलबर्न के मैदान पर हराया था। भारत की 66 रनों की उस जीत का सेहरा संदीप पाटिल के सिर बंधा था। संदीप (64 रन और एक विकेट) ने दोहरा प्रदर्शन कर कंगारुओं को करारी शिकस्त दी थी। यह जीत इसलिए भी खास थी, क्योंकि भारतीय टीम को टेस्ट में कंगारुओं को उनकी सरजमीं पर पहली बार हराने में 30 साल लग गए थे।

30 साल ऑस्ट्रेलिया का दबदबा, पिछले 13 साल से भारत टक्कर देने लगा - भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पहला वनडे 6 दिसंबर 1980 को खेला गया था। इसके बाद से ऑस्ट्रेलिया ने शुरुआती 30 साल भारत पर दबादबा बनाए रखा। 1980 से 2010 के बीच दोनों टीमों के बीच 104 वनडे खेले गए। इसमें से भारत 35 मैच ही जीत सका। वहीं, ऑस्ट्रेलिया 61 मुकाबलों में विजयी रहा। यानी, ऑस्ट्रेलिया ने लगभग दो तिहाई मैच जीते। पिछले 13 साल की बात करें तो भारत ने इस दौरान ऑस्ट्रेलिया को कड़ी टक्कर दी। कुल 39 वनडे खेले गए। भारत ने 18 तो ऑस्ट्रेलिया ने 19 वनडे जीते। 2 मैच का परिणाम नहीं निकल सका।

पहले 10 साल में 12 मैच ही जीत सका था भारत - 1980 में भारत-ऑस्ट्रेलिया पहले वनडे के बाद के दस साल में इन दोनों टीमों के बीच कुल 33 वनडे मैच खेले गए थे। इनमें से भारतीय टीम महज 12 ही जीत सकी थी, यानी की आधे से भी कम। वहीं, ऑस्ट्रेलिया ने, आधे से ज्यादा, 18 मैच जीते थे। 3 मैच नो रिजल्ट रहे थे। 1990 से 2000 के बीच भी यही हाल रहा। भारत ने कुल 29 मैचों में से 11 ही जीते। इस बार हमारे जीत का प्रतिशत 34 फीसदी थी। 21वीं सदी के पहले दशक में यह और भी कम हुआ। दोनों टीमों के बीच 2000 से 2010 के बीच सबसे ज्यादा 42 मैच खेले गए, लेकिन हमारी जीत का प्रतिशत और कम होता चला गया। हमने 42 में से 12 मैच ही जीते। तब हमारी जीत का प्रतिशत 28 फीसदी था। पिछले 10 साल में भारतीय टीम ने कंगारुओं को तगड़ी टक्कर दी है। 2010 के बाद अब तक दोनों टीमों के बीच 39 मैच खेले गए हैं। इनमें भारत ने 18 और ऑस्ट्रेलिया ने 19 जीते हैं। 2 मैच नो रिजल्ट रहे। पिछले दशक में हमारी जीत का प्रतिशत 46प्रतिशत हो गया है।

ऑस्ट्रेलियाई पिचों पर हमारी स्थिति खराब - हमने भले ही कंगारुओं से उनके घर में पहला मैच जीता है, लेकिन ऑस्ट्रेलियन्स को उनके घर में हराना हमारे लिए कभी आसान नहीं रहा है। हमने ऑस्ट्रेलिया से उसके घर में 54 मैच खेले हैं, लेकिन 14 ही जीत सके हैं।

घर में मुकाबला बराबरी का - भारतीय सरजमीं की बात करें तो दोनों देशों के बीच मुकाबला बराबरी का है। भारतीय पिचों पर दोनों टीमों का 64 दफा आमना-सामना हुआ है। इनमें से भारत ने 29 और ऑस्ट्रेलिया ने 30 जीते हैं। शेष 5 मैच नो रिजल्ट रहे हैं।

सिंधु ऑल इंग्लैंड ओपन के पहले ही दौर में हारीं

इस साल लगातार तीसरे टूर्नामेंट के पहले दौर से बाहर, जॉली-गायत्री ने 7वीं सीड जोड़ी को चौंकाया

मुंबई।
दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप 2023 टूर्नामेंट में पहले दौर में हारकर बाहर हो गई। वहीं चैपिंयनशिप के दूसरे दिन भारतीय महिला जोड़ी ने बड़ा उलटफेर किया। त्रेसा जॉली और गायत्री गोपीचंद पुलेला ने 7वीं सीड जोड़ी जोंगकोलफान किटीथाराकुल और राविंडा प्रजोंगजाई को शिकस्त दी। दुनिया की नौवें नंबर की खिलाड़ी सिंधु को महिला एकल मुकाबले में चीन की खिलाड़ी झांग यी मैन के खिलाफ सीधे गेम में 17-21, 11-21 से हार का सामना करना पड़ा। दोनों के बीच बराबरी की टक्कर देखने को मिली, लेकिन अंत में चीन की खिलाड़ी को जीत मिली। सिंधु इस साल लगातार तीसरे टूर्नामेंट के पहले दौर से बाहर हुई है। इससे पहले वह इस साल जनवरी में खेले गए मलेशिया ओपन और इंडिया ओपन के पहले दौर से बाहर हो गई थीं। वहीं जॉली और गायत्री की जोड़ी ने किटीथाराकुल और प्रजोंगजाई को 21-18, 21-14 से हराया।

झांग और सिंधु का आपसी रिकॉर्ड - इस जीत के साथ झांग ने सिंधु के खिलाफ हार-जीत का अपना रिकॉर्ड सुधारते हुए 2-1 कर लिया। सिंधु और झांग की भिड़ंत 1-1 से बराबरी पर है। इन दोंनो खिलाड़ियों की आखिरी भिड़ंत मलेशिया में 2022 में हुई थी, जिसे सिंधु ने सीधे गेमों में जीता था। इससे पहले झांग ने सिंधु को 2022 में हराया था।

पहले दिन एचएस प्रणय और लक्ष्य सेन जीते - ऑल इंग्लैंड

ओपन बैडमिंटन चैपिंयनशिप के पहले दिन एचएस प्रणय और लक्ष्य सेन पहला राउंड जीतकर दूसरे राउंड में पहुंच गए। एचएस प्रणय ने ताइवान के वांग जू-वी को हराया। खेले गए इस मुकाबले में भारतीय शटलर ने लगातार दो गेम्स 21-19 और 22-20 से जीतकर दूसरे दौर में अपनी जगह बना ली। वहीं, लक्ष्य सेन ने भी ताइवान के ही चाउ टीएन-चेन को हराकर उनके अगले दौर में पहुंचने की उम्मीदों को तोड़ दिया। सेन ने यह मुकाबला 21-18, 21-19 से जीत लिया।

भारत को 22 साल से खिताब का इंतजार - भारत की ओर से देखे तो इस टूर्नामेंट में अब तक 2 बार ही भारतीय खिलाड़ी जीते है। भारत को 22 साल से खिताब की आस है। आखिरी बार इस खिताब को फुलेला गोपीचंद ने 2001 में जीता था। गोपीचंद से पहले इसे प्रकाश पादुकोण ने साल 1980 में पहली बार जीता था। हालांकि पीवी सिंधु साल 2015 और लक्ष्य सेन साल 2022 में टूर्नामेंट के फाइनल तक पहुंच चुके हैं, लेकिन जीत नहीं सके।

ऋषभ की जगह पर वार्नर बने दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान

मुम्बई ।
दिल्ली कैपिटल्स ने ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर को आईपीएल के 16 वें सत्र के लिए अपना नया कप्तान बनाया गया है। वार्नर को कार हादसे में घायल आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की जगह पर कप्तान बनाया गया है। दिल्ली इस 16 वें सत्र में अपना पहला मैच एक अप्रैल को लखनऊ सुपर जायंट्स से खेलेगी। टीम के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने प्रबंधन के साथ विचार-विमर्श के बाद तय किया कि इस समय पर टीम का नेतृत्व करने के लिए वार्नर सबसे बेहतर व्यक्ति रहेंगे। वहीं ऋषभ अभी कार हादसे के बाद से उबर रहें हैं। उनके इस साल खेलने की संभावना कम ही है। इसी कारण टीम के लिए एक अंतरिम कप्तान के तौर पर वार्नर का रखा गया है।

वार्नर को दूसरी बार कैपिटल्स का कप्तान बनाया गया है। साल 2009 और 2013 में भी वह उन्होंने कुछ मैचों में टीम क कमान संभाली थी। उन्हें सनराइजर्स हैदराबाद ने साल 2014 में खरीदा था और 2016 में उन्होंने अपने पहले खिताब के लिए टीम की कप्तानी की थी। आईपीएल में वार्नर पांचवें संयुक्त सबसे सफल कप्तान हैं। उन्होंने कप्तान के तौर पर 69 में से 35 मैच जीते, 32 हारे जबकि दो मैच टाई रहे।

कप्तानी के भार से भी उनकी बल्लेबाजी प्रभावित नहीं हुई है। उनके नाम 47.33 के औसत और 142.28 के स्ट्राइक रेट से कप्तान के रूप में एक शतक और 26 अर्द्धशतक के साथ 2,840 रन हैं हालांकि साल 2021 के आईपीएल की पहली छमाही में उनका फॉर्म अच्छा नहीं रहा। इसी कारण उन्हें सनराइजर्स ने कप्तानी से हट दिया था। इसके बाद प्रबंधन से मतभेदों के कारण वार्नर को साल 2022 की मेगा नीलामी से पहले बाहर कर दिया गया था।

इसके बाद नीलामी में कैपिटल्स ने उन्हें 6.25 करोड़ रुपए में खरीदा। वह टीम की ओर से सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी के तौर पर उभरे। इस दौरान उन्होंने 48 के औसत से 432 रन बनाए थे। वार्नर की स्ट्राइक रेट 150.52 की थी जिसमें पांच अर्धशतक थे। गत सत्र में अपने अंतिम लीग मैच में मुंबई इंडियंस से मिली मामूली हार के बाद कैपिटल्स प्लेऑफ में जगह नहीं बना पायी थी। वहीं दिल्ली सात जीत और सात हार और कुल 14 अंकों के साथ अंक तालिका में पांचवें स्थान पर रही।

बैंगलोर विमेंस टीम से मिले कोहली बताया अपना संघर्षः कहा- आईपीएल अभी तक नहीं जीता, लेकिन यह मुझे हर साल उत्साहित होने से नहीं रोकता

नई दिल्ली ।
महिला प्रीमियर लीग 2023 के पहले सीजन में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर की खराब शुरुआत के बाद भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार खिलाड़ी विराट कोहली महिला टीम से मिले और उसकी जीत में अहम भूमिका भी निभाई। उन्होंने टीम की जीत के लिए महिला खिलाड़ियों से बात की और जीत का मंत्र दिया। वहीं विमेंस प्रीमियर लीग का 13वां मैच यूपी वॉरियर्स और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के बीच खेला गया। बैंगलोर ने टूर्नामेंट में अपने पहले पांच मैच गंवाए और यूपी वारियर्स के खिलाफ अपनी पहली जीत दर्ज की।

बैंगलोर ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया - फ्रैंचाइजी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है। जिसमें कोहली आईपीएल में अपने संघर्षों के बारे में बातचीत करते नजर आ रहें है। कोहली विडियो में कहते दिख रहें है, मैं 15 साल से आईपीएल खेल रहा हूं, लेकिन मैंने अभी तक एक भी खिताब नहीं जीता है। लेकिन यह मुझे हर साल उत्साहित होने से नहीं रोकता है। मैं यही कर सकता हूं, मैं बस हर मैच में प्रयास कर सकता हूं। हर मैच और हर टूर्नामेंट में मैं यही सोच कर उतरता हूं कि अगर हम जीत गए, तो बढ़िया, अगर नहीं तो यह नहीं सोचने लगता कि अगर मैं आईपीएल जीतूंगा तो ही खुशी से मर सकूंगा। ऐसा नहीं होता है।

हमारे पास दुनिया के सबसे अच्छे फैंस - हमेशा उस अवसर के बारे में सोचें जो आपके पास है, बजाय इसके कि अभी कितना बुरा हो रहा है। हमने अभी तक आईपीएल नहीं जीता, लेकिन मुझे अब भी लगता है कि हमारे पास दुनिया के सबसे अच्छे फैंस हैं। यह इस वजह से क्योंकि हम बैंगलोर के लिए प्रतिबद्ध हैं, यह हमारे फैंस के लिए सबसे बड़ी बात है। हम फैंस को हर साल ट्रॉफी नहीं दे सकते, लेकिन हम उन्हें हर बार अपना 110प्रतिशत जरूर दे सकते हैं। स्मृति मंधाना की कप्तानी वाली रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने विमेंस प्रीमियर लीग में पहली जीत हासिल की है। टीम ने यूपी वारियर्ज को 5 विकेट से हराया। इस जीत के साथ ही बेंगलुरु ने लीग के प्ले ऑफ में प्रवेश की उम्मीदें कायम रखी हैं। मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में बेंगलुरु ने टॉस जीता और फील्डिंग करने का फैसला लिया। यूपी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए हेरिस-दीप्ति की अर्धशतकीय साझेदारी के दम पर 135 रन बनाए। 136 रनों का टारगेट बेंगलुरु ने 18 ओवर में 5 विकेट पर हासिल कर लिया।

आईआईटी आइएसएम में सात साल बाद शुरु होने जा रहा खेल उत्सव पराक्रम, देश भर के आइआइटीयंस दिखाएंगे अपना जलवा

धनबाद।
आइआइटी आइएसएम धनबाद में लगभग सात वर्षों बाद चर्चित खेल उत्सव पराक्रम होने जा रहा है। यह पूर्वी भारत का सबसे बड़ा स्पोटर्स फेस्ट है। तीन दिवसीय यह खेल उत्सव 17 मार्च यानि शुक्रवार से शुरू हो रहा है और 19 मार्च तक चलेगा। सुबह साढ़े छह बजे से आयोजन शुरू होगा। आइआइटी आइएसएम धनबाद इसकी मेजबानी कर रहा है।

कार्यक्रम में दिखेगी प्रतिभाओं की झलक

खेल उत्सव में आइआइटी बॉम्बे, आइआइटी दिल्ली समेत पूर्वी भारत के लगभग 23 कालेज के एक हजार आइआइटीयंस दमखम दिखाएंगे। पूर्वी भारत के सबसे बड़े खेल उत्सव पराक्रम में रोमांचक खेल और सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ ही खेल भावना भी देखने को मिलेगी। पराक्रम में सर्वश्रेष्ठ एथलीट शामिल होंगे। पहली बार पराक्रम खेल उत्सव में ई-स्पोटर्स भी डेब्यू कर रहा है। यह वर्चुअल इवेंट 18 और 19 मार्च को होगा। इसमें वर्चुअल बैटल ग्राउंड पर खिलाड़ी प्रतिभा दिखाते नजर आएंगे।

इवेंट में कई नामी-गिरामी हस्ती होंगे शामिल

पराक्रम के आयोजकों में से एक ऋतिक राज ने बताया कि प्रधानमंत्री के अभियान लोकल फार वोकल थीम को मुख्य आधार बनाया गया है। पिछले कई दिनों से आइआइटी के इस खेल उत्सव को कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय अपने वीडियो मैसेज से प्रोत्साहित कर रहे हैं। इसमें ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा, नेशनल टेबल टेनिस विजेता सुतरिथा मुखर्जी, भारतीय पारा बैडमिंटन प्लेयर मनोज सरकार, भारतीय हाकी खिलाड़ी अशोक कुमार ध्यानचंद, अंतरराष्ट्रीय वेटलिफ्टर पूर्णिमा पांडेय, गोल्ड मेडलिस्ट एथलीट सुगंधा कुमारी, स्वप्ना बर्मन, करिश्मा यादव, सौरव घोषाल आदि प्रमुख तौर पर शामिल हैं।

प्रतिस्पर्धा के लिए यह एक आदर्श मंच

स्पोटर्स फेस्ट के कनवीनर प्रो सौमित चटर्जी ने बताया कि यह खेल उत्सव देश के मेधावी छात्रों की खेल भावना को सामने लाता है। यह सभी खेल प्रेमियों को प्रतिस्पर्धा करने के लिए एक आदर्श मंच प्रदान करता है। छात्र अपने खेल कौशल का प्रदर्शन करने के लिए प्रत्येक खेल में भाग लेते हैं। हमारी टीम छात्रों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धी भावना को बढ़ाने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करती है।

विजेताओं को मिलेगा लाखों का पुरस्कार

उन्होंने आगे कहा, छात्रों के बीच खेल भावना को प्रोत्साहित करते हुए हमारा उद्देश्य सभी प्रमुख खेलों और खेलों के लिए मंच प्रदान करना है। देश में आयोजित सबसे प्रतिष्ठित कार्यक्रमों में से एक होने के नाते, खेल और खेल का यह भव्य त्योहार सीमाओं और बाधाओं को तोड़ने वाला है। यह तीन दिवसीय उत्सव उतना नगद पुरस्कार और अवसर प्रदान करता है। लगभग 12 लाख रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा।

इन खेलों का होगा आयोजन

एथलेटिक्स, बास्केटबाल, वालीबाल, बैडमिंटन, लान टेनिस, टेबल टेनिस, कराटे, फुटबाल, क्रिकेट, स्क्वैश, हाकी, वेटलिफ्टिंग, कबड्डी, शतरंज आदि खेलों का आयोजन होगा। इसके साथ ही विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम, अनौपचारिक खेल गतिविधियां और अन्य मनोरंजक कार्यक्रम होंगे। संगीत एवं नृत्य कार्यक्रम भी आकर्षण का केंद्र होगा। आइआइटी आइएसएम के संगीत क्लब मंथन की ओर से द लास्ट स्टेज का आयोजन होगा। पराक्रम के अंतिम दिन आइआइटी आइएसएम धनबाद के वी द क्रू एक शानदार कार्यक्रम का प्रदर्शन करेगा।

बालों को स्ट्रेटनर से सीधा करने का सही तरीका

सीधे बाल हमेशा ही अच्छे दिखते हैं। यहाँ बताया गया है कि आप किस प्रकार सही तरीके से बालों को सीधा कर सकते हैं। आजकल सीधे बालों का फैशन पुन आ गया है। क्या आप सोचती हैं कि सीधे बालों का फैशन बहुत पुराना हो गया है? नहीं, ऐसा नहीं है।

अत आपको जानना चाहिए कि आप किस प्रकार बालों को सही तरीके से सीधा बना सकती हैं। क्योंकि सीधे बालों का फैशन पुन आ गया है अत- सही तरीका जानना बहुत आवश्यक है क्योंकि गलत तरीके से आपके बालों को नुकसान हो सकता है। निश्चय ही हम आपको यह सलाह नहीं देंगे कि आप रोज अपने बालों को सीधा करें। परन्तु क्या आप जानते हैं कि यदि आप इसे सही तरीके से करेंगी तो आपको बालों को सीधा करने की जरूरत नहीं होगी और एक बार सीधा करने पर बाल कुछ दिनों तक सीधे ही रहेंगे।

तो बालों को रोज सीधा करने से अच्छा है कि सही तरीका अपनाया जाए, हैं कि आजकल बहुत से सेलिब्रिटीज इस स्टाइल को अपना रहे हैं। यदि आपके बाल सीधे ही हैं तो आपको अधिक मेहनत करने की आवश्यकता नहीं है।परन्तु यदि आपके बाल वेवी या कर्ली (घुंघराले) हैं तो इसमें कुछ समय लग सकता है। तो यहाँ बालों को सीधा करने का सही तरीका बताया गया है। इन सलाहों को माने और सही तरीके से अपने बालों को सीधा करें।

कंघी करें

अपने बालों को कंघी करें ताकि इसमें कोई गठान न रह जाएँ। उलझे हुए बाल होने से बालों को सीधा करने से तकलीफ होती है और बालों को नुकसान भी होता है। बालों को सीधा करने की प्रक्रिया में यह सबसे महत्वपू र्ण चरण है जिसे छोड़ना नहीं चाहिए।

हीट प्रोटेक्ट

यदि आप अपने बालों को सीधा कर रही हैं तो हीट प्रोटेक्टिंग क्रीम या मिस्ट का उपयोग बहुत आवश्यक है। हीट स्टाइलिंग से आपके बालों को नुकसान होता है और इस तरह के स्प्रे या क्रीम आपके बालों और हीट टूल्स के बीच एक रोधक बना देते हैं।

ब्लो ड्राय

बालों को प्रोटेक्ट करने के बाद ब्लो ड्राय से अपने बालों को सेट करें। ब्लो ड्राय करने के बाद आप अगले चरण की तरफ बढ सकते हैं।

बालों को बाँटें

अब जब आपके बाल सेट हो चुके हैं तो बालो को छोटे छोटे भागों में बांटे और उनमें क्लिप लगायें। इन सेक्शन का आकार आपकी सहूलियत के अनुसार रखें।

सेक्शंस को सीधा करें

अब एक सेक्शन को छोडे और एक समय में एक सेक्शन को सीधा करें। आपको प्रत्येक सेक्शन पर एक से अधिक बार भी स्ट्रेटनर चलाना प? सकता है जब तक यह ठीक तरह से स्ट्रेट न हो जाएँ। यदि आप पहली बार टूल का उपयोग कर रहे हैं तो इसका संभालकर उपयोग करें और जब बालों में कंघी करें या सेक्शन बनायें तब इसे दूर रखें।

सीरम-सीरम का उपयोग करके बालों को सेट करें। इससे बाल अधिक समय तक स्ट्रेट बने रहेंगे और बालों में चमक भी आएगी।

छीन सकती हैं आपकी प्यारी मुस्कान

धूम्रपान करने से दांत पीले हो जाते हैं। लेकिन इसके नुकसान अधिक भयावह होते हैं। किसी भी रूप में तंबाकू का सेवन करने से आपके दांतों और मसूड़ों को बेहद नुकसान पहुंचाता है। इससे गले और मुंह का कैंसर हो सकता है और कई मामलों में यह मृत्यु का कारण भी बन सकता है। तंबाकू में मौजूद टार से दांतों पर एक परत जम जाती है, जिसमें बैक्टीरिया उत्पन्न होता है। दांतों और मसूड़ों को काफी नुकसान हो सकता है।

नहीं छूट रही सिगरेट की लत तो अपनाएं ये टिप्स!

आज का लाइफस्टाइल ही कुछ ऐसा है कि हर कोई इस तनाव भरी और भागदौड़ भरी जिंदगी में अपने काम में घंटो तक लगा रहता है और कई बार इसी कारण कुछ लोगो को सिगरेट पीने की लत लग जाती है। जिससे पीछा छुडाना बहुत मुश्किल हो जाता है।इस लत का आदि आदमी किसी काम में अपना मन नहीं लगा पाता उसे थोड़ी थोड़ी देर बाद सिगरेट पीना पढ़ता है। ऐसा व्यक्ति दूसरों को भी नुकसान पहुंचाता है।इस आदत से पीछा छुडाने के लिए लोग डॉक्टर से लेकर कई अन्य उपाय अपनाते हैं,लेकिन फिर भी इस बुरी लत से पीछा नहीं छुड़वा पाते। लेकिन कहते है कि कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती बस आपके अंदर उसे छोड़ने का दृढ़-निश्चय होना चाहिए।इसके लिए आपको किसी दवा की जरूरत नहीं है बस इन 10 घरेलू नुस्खों को अजमा कर आप सिगरेट पीने की लत से आसानी से पीछा छुड़ा सकते हैं।

1. शहद के साथ मूली का सेवन करने से जल्दी ही इस लत को छोड़ने में मदद मिलती है।
2. जब भी आपका सिगरेट पीने का मन करे तो अदरक के टुकड़े में नींबू का रस और काला नमक लगाकर चूसें, यह स्मोकिंग की इच्छा को कम करता है।
3. नमक लगे हुए आंवले के टुकड़ों को स्मोकिंग की इच्छा होने पर चूसने से यह आदत छूट जाती है।इसमें मौजूद विटामिन सी निकोटिन की आदत छुड़ाने में मदद करता है।
4. जब भी सिगरेट पीने की इच्छा हो तो चुइंगम चबाना चाहिए।इससे ध्यान हट जाएगा और इसे पाने को मन नहीं करेगा।
5. यदि आप अपनी डायट में लाल मिर्च को शामिल करे तो यह निकोटिन की इच्छा को कम करने में मदद करती है।
6. इसमें व्यक्ति को शहद चाटना चाहिए क्योंकि इसमें मौजूद विटामिन्स और प्रोटीन इस लत को छुडवाने में काफी मददगार है।
7. जब भी सिगरेट पीने की तलब लगे आप दालचीनी का एक टुकड़ा अपने मुंह में रखकर चूसें।दालचीनी का तीखा स्वाद निकोटिन से आपका ध्यान हटाने में मदद करेगा।
8. इस लत से छुटकारा पाने के लिए दिनभर में दो से तीन बार बेकिंग सोड़ा को पानी में घोलकर पीना चाहिए।
9. इससे पीड़ित आदमी अपनी डायट में ओट्स को जरूर शामिल करें क्योंकि ओट्स शरीर के विषैले तत्व बाहर निकाल देता है और स्मोकिंग की इच्छा कम होने लग जाती है।
10. यदि आप दिनभर में 6-8 ग्लास पानी पीते हैं तो इससे आपकी बॉडी हाइड्रेट रहती है और शरीर में पानी की मौजूदगी निकोटिन के बूरे प्रभाव को कम करती है।

धूम्रपान का सेवन कर रहा यौन क्षमता को प्रभावित

धूम्रपान से न सिर्फ दिल का दौरा, लकवा और रक्तचाप बढ़ने जैसी समस्याएं हो सकती हैं, बल्कि यह पुरुषों की यौन क्षमता पर भी असर कर सकता है। जो लोग दिन में 20 सिगरेट पीते हैं उनमें मर्दाना ताकत कम होने की संभावना 40 प्रतिशत तक बढ़ जाती है, यह जानकारी इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के मनोनीत अध्यक्ष डॉ। के.के. अग्रवाल ने दी। उन्होंने कहा कि धुएं में मौजूद निकोटीन विभिन्न अंगों को सिकोड़ सकता है। %टोबैको कंट्रोल% में प्रकाशित एक अध्ययन के मुताबिक धूम्रपान करने वाले 16 से 59 वर्ष के पुरुषों में मर्दाना कमजोरी की संभावना दोगुनी होती है।

घर में चार चांद लगाते खूबसूरत रंग

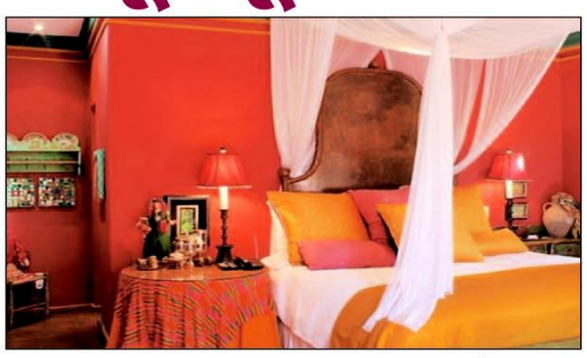

पुराने रंग की दीवारों से घर में बोरियत आने लग जाती है। यदि आप अपने ड्रीम होम का मेकओवर चाहते हैं तो आप अपने घर की दीवारों को नए खूबसूरत रंगो से पेंट करवाएं। यदि घर का लुक बदलता रहे तो दिल और दिमाग दोनों ही खुश और अपनी जगह पर रहते हैं। घर के इंटीरियर को चेंज करना कोई फैशन नहीं बल्कि ये जरूरत है। क्योंकि सारे दिन की थकान हम घर पर ही आकर उतारते हैं। डिजाइनर दीवारें पेंट करवाने के बदलते तरीकों से आप अपने घर का लुक बिल्कुल चेंज कर सकते हैं।

1. ग्रीन : अगर आप प्रकृति के करीब रहना पसंद करते है तो घर को ग्रीन कलर से पेंट करवाए। ग्रीन कलर से घर को सॉफ्ट लुक मिलता है। इसके अलावा ट्रेंडी लुक देने के लिए ऑलिव ग्रीन कलर बैस्ट है।

2. ऑरेंज : घर को न्यू लुक देने के लिए ऑरेंज कलर का चुनाव करें। कमरे की एक दीवार को ऑरेंज कलर से पेंट करवाएं और बाकी दीवारों के लिए न्यूट्रल कलर जैसे ऑफ व्हाइट, बेज आदि का इस्तेमाल करें।

3. ब्लू : यह रंग आंखों को सुकून देता है। जिस कमरे में सनलाइट भरपूर आती हो तो उसके लिए सही है। अगर कमरा छोटा हो तो डार्क ब्ल्यू कलर का इस्तेमाल ना करें। यह रंग हमें तनावमुक्त रखने में मदद करता है।

4. येलो : रूम का येलो कलर ताजगी का एहसास दिलाता है। अगर आप अपने रूम को येलो कलर से पेंट करा रही हैं तो इसके साथ व्हाइट, ऑफ व्हाइट, लाइम ग्रीन कलर की एक्सेसरीज का इस्तेमाल करें। ये कॉम्बिनेशन रूम को ब्राइट और ट्रेंडी लुक देता है।

5. रेड : रेड कलर सभी को अपनी ओर आकर्षित करता है। अगर आप बेडरूम या किसी अन्य रूम को रोमांटिक व हॉट लुक देना चाहते हैं तो उसका मेकओवर हॉट रेड कलर से करें। कमरे की सभी दीवारों के बजाएं किसी एक दीवार पर रेड कलर करवाएं।

घर में सकारात्मक ऊर्जा बनाए रखते हैं ये पौधे

सभी लोगों को अपने घर और दफ्तर में पौधे लगाने का शौंक होता है। इससे वातावरण स्वच्छ रहता है और घर भी सुंदर लगता है। ज्यादातर लोग घरों में रंग-बिरंगे फूलों वाले पौधे लगाते हैं लेकिन कुछ ऐसे पौधे होते हैं जिन्हें घर में लगाने से सकारात्मक ऊर्जा फैलती है। आइए जानिए ऐसे ही कुछ प्लांट्स के बारे में

1. लिली : लिली एक ऐसा पौधा है जिसके फूल बहुत ही सुंदर होते हैं। यह घर को तो सुंदर रखता ही है, साथ में हानिकारक और विषैली गैसों को घर से बाहर निकालता है। इसके अलावा यह मानसिक और शारीरिक समृद्धि भी प्रदान करता है। यह पौधा अंधेरे और सूरज की रोशनी के बिना ही पनपता है इसलिए इसे घर के अंदर किसी भी कोने में रख सकते हैं।

2. चमेली : पति-पत्नी में मधुर संबंध बनाए रखने में यह पौधा काफी सहायक है। जैस्मीन का पौधा सकारात्मक ऊर्जा को अपनी तरफ आकर्षित करता है और संबंधो को मजबूत बनाता है। इस पौधे को घर के उत्तर-पूर्वी हिस्से में रखने से फायदा होता है।

3. रोजमैरी : रोजमैरी के पौधे में छोटे-छोटे लेकिन बहुत ही खूबसूरत फूल लगे होते हैं जो घर की शोभा बढ़ाते हैं। यह हानिकारक और विषैले पदार्थों को खत्म करके हवा को साफ करता है और बीमारियों को दूर रखता है। रोजमैरी के फूलों की सुंगध से मूड बदल जाता है और मन को शांति मिलती है।

4. मनी प्लांट: यह एक ऐसा पौधा है जो हर घर में आसानी से देखने को मिलेगा। इससे घर में ताजगी और हरियाली आती है। घर की नैगेटिव ऊर्जा और स्ट्रैस को दूर करने के लिए किसी कोने में इस पौधे को लगाना चाहिए।

5. आर्किड : यह बहुत ही सुंदर सफेद रंग के फूलों वाला पौधा है जो पॉजिटिव ऊर्जा को घर में बिखेरता है। यह सभी आकार में मिल जाता है और इसके फूल काफी लंबे समय तक फ्रैश रहते हैं। ऑर्केड का पौधा रात के समय ऑक्सीजन गैस छोड़ता है जो सांस लेने के लिए बहुत जरूरी होती है। ऐसे में इस पौधे को कमरे के अंदर रखना चाहिए।

शादी के कपड़ों को ऐसे सहेज कर रखें

हर नवविवाहिता अपनी शादी के कपड़ों को सहेज कर रखना चाहती हैं। महंगे और भारी भरकम दुल्हन के कपड़ों को नमी से बचाकर लंबे समय तक सुरक्षित रखने के लिए उन्हें सही ढंग से बैग में रखना चहिए। डिजाइनर श्वेता चौधरी के सुझावों को अपनाकर आप भी अपनी शादी के यादगार कपड़ों को लंबे समय तक सुरक्षित रख सकती हैं।

- अलमारी में शोल्डर स्ट्रैप की तरह लटकाकर कपड़े रखने के बजाय छोरों से लटका कर रखें अन्यथा यह कपड़े को ढीला कर देगा।
- कपड़ों को तह करके रखते समय बीच में कोई प्लेन पेपर लगा कर तह करें जिससे आपकी कढ़ाई व कपड़ों की रौनक नहीं खराब होगी।

- कपड़े को पारदर्शी सिलोफन बैग में रखें क्योंकि यह नमी रोधी होता है।
- तेज प्रकाश या कड़ी धूप से कपड़े को बचा कर रखें क्योंकि इससे कपड़े का रंग बदल सकता है।
- दुपट्टे को उपर्युक्त बताए हुए तरीकों से सुरक्षित रखा जा सकता है। जबकि ब्लाउज को टांग कर या तह लगाकर रखने से यह लंबे समय तक सुरक्षित रह सकता है।
- जिस स्टोर, शोरूम या दुकान से आप शादी के कपड़े खरीदें वहां से इन्हें सुरक्षित रखने के लिए और भी पारदर्शी बैग मांग लें।

छुट्टियों में हैदराबाद जा रहे हैं, ऐसे करें एन्जॉय

जिस तरह लखनऊ को नवाबों का शहर कहा जाता है उसी तरह हैदराबाद निजामों का शहर कहलाता है। यहां के पुराने शहर में जहां आज भी निजामों की शान-ओ-शौकत मौजूद है वहीं, न्यू हैदराबाद आईटी सेक्टर का हब है। लिहाजा इस बार अगर आप छुट्टियों में हैदराबाद जाने की प्लैनिंग कर रहे हैं तो इन जगहों पर जाना न भूलें-

चार मिनार

दुनियाभर में हैदराबाद की पहचान अगर किसी चीज से है तो वह है चार मिनार। चार मिनार घूमें बिना आपकी हैदराबाद की यात्रा पूरी नहीं होगी। खासतौर पर रात के वक्त रोशनी में डूबा हुआ चार मिनार और भी खूबसूरत लगता है।

मक्का मस्जिद

मक्का मस्जिद भारत की सबसे बड़ी और प्रसिद्ध मस्जिदों में से एक है। मक्का से लाए गए पत्थरों से इस मस्जिद का मेहराब तैयार किया गया था। यही वजह है कि इसका नाम मक्का मस्जिद पड़ा।

गोलकोंडा फोर्ट

गोलकोंडा फोर्ट अपने खूबसूरत महलों, वॉटर सप्लाई सिस्टम और अकूस्टिक्स के लिए जाना जाता है। इस किले में शाम के वक्त स्पेशल साउंड ऐंड लाइट शो होता है जिसे आपको मिस नहीं करना चाहिए।

हुसैनसागर झील

ट्विन सिटी हैदराबाद और सिकंदराबाद के बीच बहती है हुसैनसागर झील जिसके बीचों बीच स्थित है भगवान बुद्ध की मूर्ति। यहां आकर मोटर बोट्स के जरिए आप बुद्ध की मूर्ति की सैर कर सकते हैं।

रामोजी फिल्म सिटी

हैदराबाद में बेस्ड है तेलगू भाषा की टॉलिवुड फिल्म इंडस्ट्री और हैदराबाद में ही है रामोजी फिल्म सिटी जो दुनिया का सबसे बड़ा फिल्म स्टूडियो कॉम्प्लेक्स है। यह पूरा स्टूडियो 1600 एकड़ में फैला हुआ है। आप यहां बस के जरिए पूरे फिल्म सिटी की सैर कर सकते हैं।

चौमाहाला पैलेस

1750 सन में इस महल का निर्माण शुरू हुआ था और इससे बनने में करीब 100 साल का वक्त लगा। यह पैलेस इतना खूबसूरत है कि जब आप इसके अंदर जाएंगे तब आपको इस बात का अंदाजा लगेगा कि आखिर इसे बनने में इतना वक्त क्यों लगा। यह निजामों की सबसे बेहतरीन विरासतों में से एक माना जाता है।

बिरयानी का लुत्फ उठाएं

हैदराबाद आएं और बिरयानी न खाएं ऐसा कैसे हो सकता है। लखनऊ की ही तरह हैदराबाद की बिरयानी भी वर्ल्ड फेमस है।

मोती खरीदें

हैदराबाद को सिटी ऑफ पर्ल्स के नाम से जाना जाता है। यहां के मोती दुनियाभर में मशहूर हैं। लिहाजा हैदराबाद जाएं तो मोती खरीदना न भूलें।

रात में नहाने के ये बेमिसाल फायदों के बारे में जरूर जानें

सुबह के समय तो हर कोई नहाता है लेकिन रात में हर कोई नहीं नहाता। गर्मी के मौसम में भी आजकल लोग ए.सी में रहने के कारण कम ही नहाते है।पर आपको बता दें कि रात में नहाने से जो फायदे होतें हैं वे आपको भी चौंका देंगे।डाक्टरों की माने तो दिन भर के कचरा और गंदगी भरे माहौल में रहने के बाद अगर नहाकर नहीं सोते तो गंदगी के रास्ते वायरल शरीर में प्रवेश करने लगता है। खास तौर पर बाल और चेहरा तो ज्यादा ही प्रदूषण को झेलते हैं। आइए रात को नहाने से होने वाले फायदो के बारे में जानते हैं।

1. मोटापा : मोटापे से परेशान लोगों को रोज रात को नहाना चाहिए। क्योंकि नहाने से कैलोरी कम होती है। कैलोरी कम होने से मोटापा का खतरा कम होता है।

2. इंफैक्शन : दिनभर की गंदगी से इंफैक्शन का खतरा रहता है। जो नहाने के बाद आसानी से निकल जाता है और मौसम से होने वाले फ्लू भी नहीं होते।

3. आंखें : गर्मी में आंखों का लाल होना या फिर आई फ्लू होना आम बात है। लेकिन इससे बचाव के लिए आंखों की पूरी तरह से सफाई जरूरी है। यदि आप रात को नहाते हैं तो इससे सिर्फ आंखें ही नहीं बल्कि पूरे चेहरे की सफाई भी अच्छे से हो जाती है।

4. स्किन प्रॉब्लम : दिन में काम के दौरान कई लोगों से मिलते है। सटकर बात करते है। ऐसे में पसीने से स्किन प्रॉब्लम की संभावना रहती है। जो नहाने से दूर हो जाती है।

5. गहरी नींद : कुछ लोगों को नींद न आने की समस्या रहती है। ऐसे में उन्हें रात को जरूर नहाकर सोना चाहिए। नहाने के बाद नींद भी अच्छी आती है और अच्छी नींद सेहत के लिए जरूरी है। कई बार नहीं नहाने से रात भर नींद नहीं आती है।

6. हाजमा सही रहता : रात को नहाना खाना पचाने में भी मददगार साबित होता है। खासकर तब जब आप रात में खाना खाने के बाद नहाते है तो आपका हाजमा भी सहीं रहता है।

7. मानसिक तौर पर रिलैक्स : नहाने से दिनभर की थकान और टेंशन भी खत्म हो जाती है। आप पूरी तरह से फ्रैश हो जाते हैं। इससे आपको मानसिक परेशानी भी कम होती है।

रेसिपी

स्वादिष्ट कलाकंद

सामग्री

1/3 कप पनीर
1/4 चीनी
आधा कप मलाई
8 चम्मच मिल्कपाउडर
आधा चम्मच इलायची पाउडर
10 बादाम, बारीक टुकड़ों में कटे हुए

विधि

एक बॉउल में पनीर, मिल्क पाउडर, चीनी, मलाई, आधा चम्मच इलायची पाउडर का मिश्रण तैयार कर लें। अब तैयार मिश्रण को एक पैन में डालकर धीमी आंच पर 20-25 मिनट तक ग ाढ़ा होने तक चलाते रहें। जब मिश्रण तैयार हो जाए तो उसे एक चिकनाई लगी थाली में निकाल लें। कलाकंद जब ठंडा हो जाए तो उसे बर्फी के आकार में काट लें। बादाम के लंबे कटे बारीक टुकड़ों से इसे सजाएं और जब मीठा खाने का मन करे तो इसे सर्व करें।

मेथी मुठिया

सामग्री

250 ग्राम बारीक कटी हुई मेथी, 200 ग्राम गेहूं का आटा, 100 ग्राम मक्का आटा, 100 ग्राम बेसन, 2-3 हरी मिर्च, एक अदरक का टुकड़ा, 1 छोटा चम्मच लाल मिर्च पाउडर, चुटकी भर हींग, आधा चम्मच राई-जीरा, तेल, नमक स्वादानुसार

विधि

सबसे पहले गेहूं, बेसन और मक्का के आटे को एक साथ मिला लें। फिर उसमें नमक, हींग और मोयन डालकर हाथों से अच्छी तरह मिलाएं। अब मेथी को धो लें। मेथी और लाल मिर्च आटे में मिला दें। अदरक-हरी मिर्च को दरदरा पीस कर आटे में मिला दें। अब आटे को गूंथकर छोटे-छोटे मुठिए बना लें। इसके बाद एक पैन को आधा पानी से भरकर उबालने रख दें। जब पानी उबलने लगे तब ऊपर से छलनी रखें और मुठिए जमा कर ढक दें। मुठिए भाप में पक जाने के बाद उसे दो टुकड़ों में काटें। एक कड़ाही में तेल गर्म करके राई-जीरा अब, तिल्ली डालें और 1 कटी हरी मिर्च मुठियों पर डालें। खाने में पौष्टिक और कम फैट वाले मुठिए हरी चटनी या कढ़ी के साथ परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**